हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 1997

खण्ड - 1, अंक - 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 10 मार्च, 1997

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	(3) 1
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3) 3
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(3) 20
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3) 23
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव —	
पीलिया बीमारी से हुई मौतों तथा जिला सिरसा में इस बीमारी के फैलने सम्बन्धी	(3) 27
वक्तव्य —	
उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी	(3) 27
वर्ष 1996-97 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना	(3) 32
प्राक्कलन समिति को रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(3) 33
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा	(3) 33
वैयक्तिक स्पष्टीकरण—	
कृषि मंत्री, श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा	(3) 43
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 45
वैयक्तिक स्पष्टीकरण —	
खाद्य तथा पूर्ति मंत्री, श्री गणेशी लाल द्वारा	(3) 46
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 47

मूल्य :

86

वैयक्तिक स्पष्टीकरण —
मुख्य मंत्री, श्री बंसी लाल द्वारा (3) 52
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) (3) 53
बैठक का समय बढ़ाना (3) 70
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) (3) 70

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 10 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर -1, चण्डीगढ़ में 14-00 बजे हुई। अध्यक्ष प्रो० छत्तर सिंह चौहान, ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, सैशन की इन तीन दिन की छुट्टियों में हमारे बड़े नेता श्री बी० गोपाल रेड्डी, उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल हमारे बीच से चले गए। यह सदन उनके 8 मार्च, 1997 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। उनका जन्म 5 अगस्त, 1907 को हुआ। वह अपने जीवन के प्रारम्भिक दिनों में स्वतंत्रता संघर्ष में कूद पड़े तथा उन्होंने "असहयोग आन्दोलन" "नमक सत्याग्रह" तथा "भारत छोड़ो आंदोलन" में भाग लिया। वह 1937 से 1946 तक मद्रास विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1955-56 के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे। वह 1958-60 तक राज्य सभा के सदस्य रहे और 1962 में लोक सभा के सदस्य चुने गए तथा वह 1958 से 1963 तक केन्द्रीय मंत्री रहे। उन्होंने 1967 से 1973 तक उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के पद को सुशोभित किया। उनके निधन से देश एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, योग्य प्रशासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री धीर पाल सिंह (बादली) : स्पीकर सर, हाऊस के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है, मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से उसका समर्थन करता हूं। स्पीकर सर, होनी का विधान यह है कि जो इस धरती पर आया है, वह अवश्य जाएगा लेकिन आज हिन्दुस्तान से आहिस्ता-आहिस्ता ऐसी महान् हस्तियां जुदा हो रही हैं जिन्होंने इस देश के लिए बहुत कुछ किया। उन महान हस्तियों में उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल श्री बी० गोपाल रेड्डी भी हैं। ये एक ऐसे महान सपूत थे जिन्होंने आजादी की लड़ाई में भरपूर सहयोग दिया। वे एक फ्रीडम फाईटर तथा समाज सेवी थे। इसके इलावा राजनीति में पदार्पण करने के बाद उन्होंने राजनीति के द्वारा सेवा भावना को महत्व देते हुए ईमानदारी व सादगी से सारा जीवन राजनीति में सुधार के लिए लगा दिया। चाहे वे विधान सभा में हों या पर्लियामैंट में, दोनों जगहों पर उन्होंने देश और प्रदेश के हितों का ध्यान रखा। उसके बाद उन्होंने बड़े बेहतरीन तरीके से उत्तर प्रदेश के गवर्नर के पद को सुशोभित किया। अभी 8 मार्च, 1997 को उनका निधन हुआ है। सारा देश इस महान सपूत के जुदा होने पर चिंतित है। आहिस्ता-आहिस्ता अगर इस प्रकार से ऐसे-ऐसे समाज सेवी तथा देश भक्त हमसे जुदा होते रहेंगे तो हमें कौन दिशा निर्देश देगा ? किससे हम प्रेरणा लेंगे ? अगर आजादी के रखवाले हम में नहीं होंगे तो आजादी का प्रभाव भी कम हो जाएगा। इसलिए इस दुःखी परिवार के प्रति हमारी हमदर्दी है और मैं मालिक से प्रार्थना करता हूं कि वे ऐसे महान् सपूत को अपने चरणों में स्थान दें तथा उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। धन्यवाद।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, एस०सी०) अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव पेश किया है मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से उसका समर्थन करती हूं। श्री बी० गोपाल रेड्डी के निधन से हम सभी को बहुत गहरा धक्का पहुंचा है। उनके निधन का शोक समाचार टी०वी० और सभी अखबारों में आया। उसको पढ़कर और सुनकर हमें बहुत दुःख हुआ। श्री रेड्डी प्रारम्भिक जीवन से ही स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे। श्री रेड्डी ने महात्मा गांधी जी के विचारों के अनुसार उस समय कई पदों पर कार्य किया। वे विधान सभा के सदस्य भी रहे, केन्द्रीय मंत्री के रूप में भी उन्होंने अपना कार्य किया और गवर्नर के पद पर उन्होंने लोगों की सेवा की। वे जिस-जिस पद पर भी रहे वहां पर बहुत योग्य प्रशासक ही नहीं बल्कि एक समाज सेवी के हिसाब से जन कल्याण की नीतियों को इम्पलीमैंट करवाने में उन्होंने बहुत रूची ली। उन्होंने औरों के लिए अपना एक आदर्श रखा। एक योग्य प्रशासक, एक अनुभवी सांसद और एक महान समाजसेवी हमारे बीच से चले गए। मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से उनके प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि परमात्मा उनको अपने चरणों में स्थान दे। उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति भी मैं सहानुभूति प्रकट करती हूं।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, श्री बी० गोपाल रेड्डी उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल के निधन से देश ने एक बहुत बड़ा राजनेता और एक वरिष्ठ प्रशासक खो दिया है। मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर उनको अपने चरणों में स्थान दे। मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, the leaders of the different parties have expressed their views about the daparted personality. I also associate myself with their feelings. श्री बी०गोपाल रेड्डी का 8 मार्च, 1997 को यानि दो या तीन दिन पहले ही दुःखद निधन हुआ है। यह हमारे लिए एक बहुत ही गहरा धक्का लगा है। प्रकृति का नियम है कि जो इस संसार में आता है उसको एक दिन जाना ही है। श्री रेड्डी उन महान व्यक्तियों की श्रृंखला में से थे जिन्होंने अपना सारा जीवन देश को आजाद कराने के लिए लगाया। श्री रेड्डी प्रारम्भिक दिनों से ही स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े रहे चाहे वह नान कोआप्रेशन मूवमैंट थी, चाहे नमक सत्याग्रह था और चाहे भारत छोड़ो आन्दोलन था। उन्होंने सभी में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। वे विधान सभा के सदस्य रहे, राज्य सभा के सदस्य रहे और 1962 में वे लोक सभा के सदस्य भी रहे और उन्होंने केन्द्रीय मंत्री के पद को भी सुशोभित किया। वे उत्तर प्रदेश के राज्यपाल भी रहे। उन्होंने प्रत्येक पद पर रहते हुए उस पद की गरिमा के अनुसार देश और देश के लोगों की सेवा की। ऐसे महान पुरूष की सेवाओं से देश ऋणि है जिनकी वजह से आज हमें स्वतंत्र भारत में जीने का अवसर मिला। उनके निधन से देश एक स्वतंत्रता सेनानी, योग्य प्रशासक और अनुभवी सासंद की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। मैं परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि परमेश्वर ऐसे महान पुरूष को अपने चरणों में स्थान दे।

I will convey the sympathies of this House to the bereaved family. Now, I will request the Hon'ble Members, to observe two minutes silence.

(At this stage The House stood in silence for two minutes as a mark of respect to the memory of the departed soul.)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Drainage System in Uledpur Village.

***197. Shri Dev Raj Diwan** : Will the chief MInister be pleased to state –

(a) whether it is a fact that the rainy water of Mahra drain falls in the pond of uledpur village, District Sonepat, due to which water accumulated every year in the rainy season in the said village in the absence of proper drainage system ; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to provide the proper drainage system so that water may not accumulate in the above said village in future ?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) :

(a) Yes, Sir.

(b) There is a proposal to extend Mahra drain to drain out the flood water from the abadi of village uledpur, this scheme costing Rs. 13.46 lac has already been approved for execution by Haryana State Flood Control Board subject to availability of funds.

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि यह काम कब तक पूरा हो जाएगा ?

श्री बंसी लाल : उम्मीद है कि अगली मौनसून से पहले यह काम पूरा हो जाएगा।

Sewerage System of Charkhi-Dadri

***218. Shri Sat Pal Sangwan** : Will the Minister for public Health be pleased to state —

(a) whether it is fact that the Sewerage system of Charkhi-Dadri has been damaged due to floods in the year 1995; and

(b) if so, the time by which it is likely to be repaired ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) :

(क) सीवरेज को कोई क्षति नहीं हुई थी लेकिन डिस्पोजल वर्कस के पानी में डूब जाने की वजह से पम्पिंग मशीनरी का कुछ भाग क्षति ग्रस्त हो गया था।

(ख) क्षति हुए काम की मरम्मत का कार्य पूरा किया जा चुका है।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि चरखी-दादरी का सीवरेज बन्द पड़ा है वह कब तक बनकर पूरा हो जाएगा ?

श्री जगन्नाथ : सर, यह कुल 2400 मीटर डैमेज हुआ था। 2100 मीटर पर हम काम पूरा कर चुके हैं, बाकी 300 मीटर पर काम पूरा होना रहता है। यह भी 23 जून तक पूरा हो जाएगा। दूसरे मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि रोहतक रोड की तरफ जो ड्रेन है उसका काम भी जून तक हो जाएगा और इसको भी मेन सिस्टम में डाल दिया जाएगा। उसके अलावा जितनी दूसरी स्कीमों पर काम चल रहा है उन सब को मेन सिस्टम के साथ मिला दिया जाएगा। बाकी जो ये कोई विशेष बताएंगे तो उनको भी शामिल कर लिया जायेगा।

श्री अध्यक्ष : दादरी में 1995 में काफी बाढ़ आई थी जिस कारण सारा सिस्टम सीवरेज का रुक गया था। वहां पर 1993 से 1995 तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। क्या आप बता पाएंगे कि कौन-कौन अधिकारी थे जिनके कारण यह तबाही हुई जिस कारण सारा इलाका बाढ़ के चपेट में आ गया था ? मैं जानना चाहूंगा कि क्या उन अधिकारियों के प्रति कोई कार्यवाही करने की आप सोच रहे हैं ?

श्री जगन्नाथ : 1995 में जब वहां पर बाढ़ आई थी तो उस वक्त वहां पर काम करने के लिए 1 करोड़ 86 लाख 50 हजार रुपये अलाट किए गये थे। जहां तक यह बात है कि कौन-कौन वहां पर ठेकेदार थे, उसके लिए अलग से नोटिस आएगा तो उसका जवाब दिया जाएगा। कोई विशेष बात हो तो लिख कर विधायक महोदय बताएं, उनके खिलाफ इन्क्वायरी कर सकते हैं। इस सरकार ने आने के बाद इस दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य शुरु किया हुआ है और जून तक सारा काम पूरा हो जायेगा।

Science & Technology Park at Ambala Cantt.

*** 271. Shri Anil Vij** : Will the Minister for Science & Technology be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Science & Technology Park at Ambala Cantt. ; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Park is likely to be set up ?

आवास मंत्री (श्री नारायण सिंह) :

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, 15 मार्च, 1991 को इसी महान सदन में मेरे इसी प्रश्न के उत्तर में उस वक्त के माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस प्रश्न का उत्तर हां में दिया था। उन्होंने यह भी बताया था कि इस परियोजना पर 1 करोड़ 62 लाख 50 हजार रुपया खर्च किया जाएगा और लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में अम्बाला छावनी में यह योजना बनाई जाएगी। स्पीकर सर, मैं मानता हूं कि इस साल से पीछे 5 साल जो राज रहा उसके बारे में सभी को स्थिति का पता है कि किस प्रकार का राज रहा है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि यह केन्द्रीय सपोन्सर्ड योजना 1991 की हां आज की न में कैसे बदल गई ? क्या अधिकारियों ने समय पर योजना बनाकर प्रस्तुत नहीं की या प्रौजैक्ट रिपोर्ट ठीक समय पर नहीं आई, अथवा राजनीतिक कारणों से इस क्षेत्र को इस योजना से महरूम रखा गया है ? क्या ये सभी बातें जानने के लिए मंत्री महोदय इस सारे मामले की जांच करवाएंगे ? (विघ्न एवं शोर)

श्री मनी राम : कन्सर्ड मंत्री रिप्लाई देने के लिए खड़े हुए हैं, उन्हें जवाब देने दें। (विघ्न)

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मंत्री किसी भी सवाल का जवाब दे सकता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मनी राम जी, आप तो मंत्री कभी रहे नहीं हैं शायद इसी कारण आपको जानकारी नही है कि कोई भी मंत्री रिप्लाई दे सकता है (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी श्री अनिल विज जी ने जो सवाल पूछा है उसका जवाब पूरे तथ्यों के साथ मंत्री जी ने सदन के पटल पर रखा है। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने सवाल किया है कि जब पहली बार उन्होंने यह सवाल किया था तो इसका जवाब हां में था यानी उस वक्त की सरकार ने इनके सवाल के जवाब में "हां" कहा था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि यह सवाल ऐश्योरैंसिज कमेटी में गया था जहां पर उस कमेटी ने सारे तथ्यों का अवलोकन किया। इस स्कीम के तहत एक करोड़ रुपये के पार्क की जो स्थापना होनी चाहिए वह इंजीनियरिंग कॉलिज में ही हो सकती है। यह 8वीं पंच वर्षीय योजना का विषय था और राज्य सरकार ने बार-बार केन्द्र सरकार को लिखा कि केन्द्र सरकार इस स्कीम के लिए पैसा दे। केन्द्र सरकार ने जो पैसा देना था वह उसने बार-बार लिखने के बावजूद भी नहीं दिया और एश्योरैंसिज़ कमेटी ने इस ऐश्योरैंस को ड्रॉप कर दिया। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस समय इस प्रकार की कोई योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Allotment of Bus Route Permits by Rajasthan

***281. Shri Dhir Pal Singh** : Will the Minister for Transport be pleased to state—

(a) whether the State Transport Authority, Rajasthan has issued any permit to Private Bus Owners for plying buses from Pilani to Chandigarh; and

(b) if so, the details thereof ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्णपाल गुर्जर) :

(क) जी हाँ।

(ख) अनुबन्ध "क" में दी गई विस्तृत विवरणी सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

अनुबन्ध "क"

निजि बस मालिकों को पिलानी से चण्डीगढ़ तक के रूट राज्य परिवहन प्राधीकरण, जयपुर (राजस्थान) द्वारा जारी किए गए परमिटों का विवरण :–

क्रमांक	परमिट धारक का नाम	परमिट क्रमांक	परमिट की अवधि	वाहन क्रमांक
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	रविन्दर सिंह सुपुत्र जय पाल	3005	26-2-2001	आर०जे०-14पी-4350
2.	रघुबीर सिंह सुपुत्र सुखदेव सिंह	3004	26-2-2001	आर०जे०-11पी०-4831

[श्री कृष्णपाल गुर्जर]

1	2	3	4	5
3.	सतबीर सिंह सुपुत्र हरदयाल	3020	28-2-2001	आर०जे०-14पी०-3707
4.	अर्जुन सिंह सुपुत्र हरदेवा	3098	1-4-2001	आर०जे०-02पी०-0399
5.	बलबीर सिंह सुपुत्र बैनी प्रसाद	3028	7-3-2001	आर०जे०-10 पी०-0427
6.	मै० कृष्णा मोटरर्ज सर्विसर्ज, जैनपुर	3081	28-3-2001	आर०जे०-14पी०-0740
7.	यथोपरि	3082	28-3-2001	आर०जे०-18पी०-0535
8.	राम कुमार सुपुत्र शीशराम	3209	31-5-2001	डी०एल०-1पी०-0136
9.	यथोपरि	3301	1-8-2001	डी०एल०-1पी०-6063
10.	बलदेव सिंह सुपुत्र श्री मांगे राम	3361	9-7-2001	आर०जे०-14पी०-5408
11.	राजेन्द्र सिंह सुपुत्र कश्मीर सिंह	3697	6-8-2001	डी०एल०1पी०-1970
12.	सुभाष चन्द्र सुपुत्र पंजाब सिंह	3698	6-8-2001	डी०एल० 1पी०-6688
13.	जीतेन्द्र सिंह सुपुत्र रिछपाल सिंह	3321	7-7-2001	डीएल०1पी०-3328
14.	रमेश कुमार सुपुत्र दया सिंह	3365	9-7-2001	डी0एल० 1पी०-1613
15.	जय सिंह सुपुत्र इन्द्र सिंह	3728	22-8-2001	डी०एल० 1पी०-5938
16.	धर्मपाल सुपुत्र दरया सिंह	3503	17-7-2001	डीपी०पी०-0382
17.	कुलजीत सिंह सुपुत्र सूरत सिंह	3320	7-7-2001	डी०एल०1पी०-4162
18.	गुरमीत सिंह सुपुत्र उजागर सिंह	3651	29-7-2001	पी०बी०-13-1040
19.	रितेन्द्र सिंह सुपुत्र शंकर सिंह	3117	14-4-2001	आर०जे० 14-पी०-5167

1	2	3	4	5
20.	राम कुमार सुपुत्र हरि सिंह	3270	24-6-2001	डी०एल०1पी०-2706
21.	श्रीमति संतोष देवी पत्नी राम कुमार	3269	24-6-2001	डी०एल०1पी० 5585
22.	महेन्द्र सिंह सुपुत्र शीश राम	3295	30-6-2001	डी०एल०1पी०-0821
23.	राम कुमार सुपुत्र दरिया सिंह	—	14-7-2001	डी०एल०1पी०0551
24.	दीपक दहिया सुपुत्र धर्मपाल	3068	25-3-2001	आर०जे०-14पी०-5031
25.	सतीश यादव सुपुत्र होशीयार सिंह	3650	29-7-2001	आर०जे०-14पी०-5358
26.	श्रीमती सुनीता देवी पत्नी राजेन्द्र	3632	2-7-2001	डी०एल०-1 पी०-6366
27.	श्रीमति संगीता देवी पत्नी राजकुमार	3282	28-6-2001	डी०एल०1 पी०-7069
28.	रमेश कुमार सुपुत्र हंसराज	3874	25-9-2001	पी०ए०बी०-7075
29.	हरमिन्द्र सिंह सुपुत्र करनैल सिंह, जयपुर	3875	25-9-2001	पी०बी०-10-9711

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मेरे प्रश्न का जो लिखित उत्तर आया है उसको देखने के बाद मुझे यह अहसास हुआ है कि सरकारें जाती हैं तो यह रूटों का सिलसिला भी उधर से इधर या इधर से उधर चला जाता है। माननीय मुख्य मंत्री जी जब विरोधी पक्ष में थे तो चौधरी भजन लाल जी ने चौधरी ओम प्रकाश चौटाला साहब पर इसी सदन में लाखों की टैक्स चोरी के आरोप लगाए थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, आप प्रश्न पूछें, स्पीच मत दें।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न ही पूछ रहा हूं। मेरे प्रश्न के उत्तर में इन्होंने 29 परमिट देने की बात कही है। यह जो गाड़ियां हैं जिनको परमिट दिए गये हैं इनमें से काफी गाड़ियां दिल्ली की हैं और कुछ राजस्थान की हैं। ये जो दिल्ली के नम्बर वाली गाड़ियां हैं यह उन्होंने कांट्रैक्ट बेसिज पर ली होंगी। इन गाड़ियों का जो दिल्ली की हैं, कितना टैक्स बनता है ? इसके साथ मंत्री जी यह बताएं कि इन 29 गाड़ियों में से कितनी गाड़ियां चण्डीगढ़ आ रही हैं ? ये आ भी रही हैं या इनमें से कुछ ने रूट ड्राप कर लिए हैं। अध्यक्ष महोदय, कुछ परमिट धारक रोहतक से पानीपत तक चलते हैं और कुछ भिवानी तक जाते हैं। वे वहीं पर चलते हैं जहां पर उनको ज्यादा सवारियां मिल जाती हैं। अब तो उन्होंने नया रास्ता बना लिया है और वे दिल्ली जाने लगे हैं। मंत्री जी मेरी इस बात का जवाब दे दें। इसके बाद अध्यक्ष महोदय, अगर आपकी इजाजत होगी तो मैं दूसरी सप्लीमेंटरी भी पूछ लूंगा।

श्री कृष्णपाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, धीरपाल सिंह जी ने सवाल किया है उसके जवाब में मैं यह कहना चाहूंगा कि 1968 में राजस्थान और हरियाणा के बीच में एक इकरारनामा हुआ था। उसके अनुसार हरियाणा की 15 हजार 908 किलोमीटर और राजस्थान की 15 हजार 979 किलोमीटर तक बसें चलती थीं और उसको लागू कर दिया गया। इसके बाद एक और इकरारनामा 1988 में किया गया लेकिन वह लागू नहीं हुआ। इसके अलावा 1986 में एक एग्रीमैंट हुआ था जिसको राजस्थान न्यायालय ने रद्द कर दिया था। समय-समय पर इसको लागू करने के प्रयत्न किए गए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इस मामले में उनसे बात-चीत भी की गई। इसके अलावा जो 29 परमिट चालू किए गए हैं वे हमने सदन के पटल पर रख दिए हैं। लेकिन इसके बाद हमारे रिकार्ड के हिसाब से 29 परमिट धारकों ने काउंटर साइन के लिए अपील की जिसको हमने नामंजूर कर दिया और नामंजूर करने के बाद वे पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में चले गए। कोर्ट ने आदेश दिया कि इनकी सुनवाई करके इनका फैसला किया जाए। उसके बाद विभिन्न मामलों में से सीरियल नं० 1 से लेकर 5 तक धारकों ने अपना नाम वापिस ले लिया जिस वजह से उनका केस खारिज हो गया। उसके बाद सीरियल नं० 6 से 14 तक धारकों ने काउंटर साईन करने की प्रार्थना की और स्पीकिंग आर्डर करके रद्द कर दिया। सीरियल नं० 15 से लेकर 18 तक जो चार धारक हैं, उनके लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि जो काउंटर साईन किए जाएं उनको रूट दिए जाएं। इसके लिए हमारा सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पैटीशन करने का मामला विचाराधीन है। इसके अलावा 19 नं० से लेकर 23 नं० तक परमिट धारक आर०टी०ए० रोहतक के यहां सुनवाई के दौरान हाजिर नहीं हुए। अभी उनका मामला सुनवाई के लिए ट्रांसपोर्ट कमिश्नर के सामने विचाराधीन है। इसी तरह से 24 नं० वाले परमिट धारक ने अभी तक सचिव, आर०टी०ओ० के यहां काउंटर साईन के लिए प्रार्थना नहीं की है। इसके अलावा 25 नं० से 29 नं० तक के परमिट धारकों के बारे में निजी सुनवाई के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। जहां तक इन बसों के चलने की बात है तो हमने इनके परमिट रद्द कर दिए हैं और समय-समय पर अगर कोई भी इस तरह की गाड़ी पकड़ी जाती है तो उसका चालान कर दिया जाता है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, मंत्री जी ने कहा कि इन्होंने इनके परमिट रद्द कर दिए हैं लेकिन उनको तो परमिट राजस्थान सरकार ने दिए थे। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि अगर इन्होंने उनके परमिट रद्द कर भी दिए जैसा इन्होंने कहा जो गाड़ी आती है हम उनका चालान भी कर देते हैं इसका मतलब गाड़ियां इधर आ रही हैं और उन्हीं परमिट पर आ रही हैं।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) : स्पीकर सर, ऐसा है कि एक स्टेट से दूसरी स्टेट में बसिज चलाने के लिए जो परमिट दिए जाते हैं। वह 1988 के मोटर व्हीकल्ज ऐक्ट के ऐग्रीमैंट के मुताबिक ही दिए जाते हैं। इस एग्रीमैंट में यह है कि जब तक इस प्रकार के परमिट पर दोनों स्टेट्स के काउंटर साइन न हों तब तक उनको वैद्य नहीं माना जाता। राजस्थान सरकार ने तो 19 परमिट दे दिए लेकिन हरियाणा सरकार ने एक भी परमिट पर काउंटर साइन नहीं किए और जब तक हरियाणा सरकार उन पर काउंटर साईन नहीं कर देती तब तक उनको वैध नहीं माना जा सकता।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मैं आपके द्वारा यह जानना चाह रहा था जैसा हमारे परिवहन मंत्री जी ने बताया और उनके सहयोगी दूसरे मंत्री जी ने उनको सपोर्ट करने की कोशिश की है। मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि 1968 और 1986 में हरियाणा पथ परिवहन और राजस्थान पथ परिवहन में कोई ऐग्रीमैंट हुआ था और उसमें कोई अवधि निर्धारित की गयी थी। सर, ये जो परमिट जारी हुए थे तो इनके लिए हरियाणा पथ परिवहन ने अपनी कोई सहमति व्यक्त नहीं की थी। लेकिन उसके बावजूद

श्री जगन्नाथ जी ने, जो मेरे से बहुत ही सीनीयर हैं, उन्होंने मंत्री जी का पक्ष लिया। अब मैं उन्हीं से जानना चाहूंगा कि अगर हरियाणा सरकार ने इन परमिट्स पर काउंटर साईन नहीं किए तो जो हरियाणा में पानीपत, रोहतक और भिवानी के डिपोज हैं और जो वहां पर काउंटर साईन सैंटर बने हुए हैं तो उनका प्रयोग किस अथोरिटी के तहत किया गया ?

श्री जगन्नाथ : स्पीकर सर, हमारी तरफ से ऐसे कोई भी परमिट्स जारी नहीं हुए हैं। अगर कोई चोरी छिपे गाड़ी इधर आती हो तो दूसरी बात है लेकिन अगर कोई कम्पलेंट इस बारे में होती है तो समय-समय पर ट्रांसपोर्ट विभाग के इंसपैक्टर्ज या दूसरे ओफिसर्ज द्वारा इनकी चैकिंग की जाती है। हमने इनको परमिट्स नहीं दे रखे हैं।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, अगर आपकी इजाजत हो तो मैं मंत्री जी से केवल इतना ही पूछ लेता हूं कि इन्होंने ऐसी गाड़ियों के कितने चालान अब तक किए हैं जो बिना परमिट्स के हरियाणा में आती हैं ?

श्री अध्यक्ष : अब अगला सवाल होगा।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, मंत्री जी मेरे सवाल का रिप्लाई देने लग रहे हैं बाकी आपकी मर्जी।

श्री अध्यक्ष : अब मैंने अगला सवाल पूछने के लिए कह दिया है। इसलिए आप बैठें।

Repair of Roads

***253. Shri Nafe Singh Jundla** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the following roads in district Karnal :-

(i) Nissing to Sambhli;
(ii) Nissing to Gondar;
(iii) Nissing to Racher;
(iv) Karnal to Kheri-Naru; and
(v) Jundla to Jani ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) : हां, श्रीमान जी, जरूरी मरम्मत जैसे गड्डों को भरना, पैच लगाने का कार्य कर दिया है। मरम्मत का शेष काम 30-6-97 तक धन की उपलब्धि के अनुसार पूरा कर दिया जाएगा।

श्री नफे सिंह जुंडला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के की सड़कें निसिंग से सांभली, निसिंग से गोंदर, निसिंग से डाचर, करनाल से खेड़ी नरु व जुण्डला से जाणी हैं। इनके बारे में मेरे पास लिखित रूप में जवाब आया है कि इन गड्डों को भरने व पैच लगाने का काम कर दिया गया है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इनमें से कौन-कौन सी सड़कों के गड्डे भर दिए गए हैं व पैच लगा दिए गए हैं। इन्होंने जवाब में यह भी कहा है कि मरम्मत का शेष काम 30-6-97 तक धन की उपलब्धता के आधार पर पूरा कर दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के की इन सड़कों से मैं हर रोज गुजरता हूं। ये सड़कें बुरी तरह से टूटी फूटी पड़ी हैं। उन पर से आदमी गुजर नहीं सकता है जो गुजरता है उसे फैसला करने में दिकत आती है कि कौन से गड्डे में गिरूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछिए।

श्री नफे सिंह जुंडला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि इन सड़कों पर जो गड्डे पड़े हैं वे भरे नहीं गए हैं और जानना चाहूंगा कि ये कब तक भर दिए जाएंगे ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, पैच वर्क करीब-करीब हो चुका है। सड़कों पर जो कारपैटिंग का काम होता है, वह गर्मियों के मौसम में किया जाता है और 30 जून तक यह काम पूरा हो जाएगा।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी मंत्री जी ने जवाब दिया है कि पैच वर्क का काम पूरा कर दिया गया है तो जो सड़कें इसमें मैंशन की गई हैं, उन पर कितना खर्च किया गया है ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में सैपरेट क्वैश्चन पूछ लें।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि मंडी डबवाली से देसू जोधां वाया कालांवाली, मंडी तक सड़क की हालत बहुत खस्ता है। उसकी कोई रीपेयर नहीं हुई है मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ऊपर वर्णित सड़क की मरम्मत कराने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इस क्वैश्चन से इस सप्लीमैंट्री का कोई ताल्लुक नहीं है, आप इसके लिए अलग से क्वेशचन दें। (शोर एवं विघ्न)

Widening of the Ladwa-Shahabad Road.

***286. Shri Banta Ram Balmiki** : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether it is a fact that the work of widening the road from Ladwa to Shahabad via Babain has been stopped; if so, the reasons thereof, togetherwith the time by which the said work is likely to be started/completed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि इस रोड़ की वाईडनिंग का काम और पैच वर्क पूरा हो चुका है। इसकी कारपैटिंग का काम गर्मियों में होता है वह अगले महीने से शुरु हो जाएगा तथा 30 जून तक काम हर हालत में पूरा हो जायेगा।

श्री बन्ता राम बाल्मिकी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उमरी से इन्द्री और शाहबाद से लाडवा की सड़क कब तक बन जायेगी क्योंकि यहां पर एक शूगर मिल है जिसमें किसानों का आना-जाना लगा रहता है। सड़क तंग होने के कारण किसानों की आपस में लड़ाई हो जाती है, लट्ठ तक चल जाते हैं। स्पीकर सर, जैसा कि मंत्री जी ने बताया कि काम पूरा हो चुका है। वहां पर काम बिल्कुल नहीं हुआ है। चुनावों के दौरान मुख्यमंत्री जी जब वहां गये थे तो लोगों ने मुख्यमंत्री जी से यह प्रार्थना की थी कि इस सड़क को बनाया जाये। तो मुख्यमंत्री जी ने किसानों को पूरा आश्वासन दिया था कि यह सड़क जरूर बनाएंगे (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह क्लीयर पूछना चाहता हूं कि यह काम कब तक कम्पलीट हो जाएगा ?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरे कहने का सवाल है वहां पर सड़क जो बनी हुई है वह मेरे द्वारा ही बनवाई गयी थी। दूसरी बात यह है कि यह सड़क एक महत्त्वपूर्ण सड़क है लेकिन

चुनावों के दौरान मेरे सामने इस सड़क का कोई मामला नहीं आया। वैसे जैसे ही हमारे पास फण्ड्ज अवेलेबल होंगे, हम वहां पर सड़क की वाईडनिंग जरूर करवाएगें क्योंकि वहां पर एक शूगर मिल है। लाडवा, शाहबाद और बबैन के बीच यह एक महत्वपूर्ण सड़क है।

Primary Health Centres at Mokhra and Behlamba

***295 Shri Balbir Singh** : Will the Minister for Health be pleased to state the time by which the primary Health Centre, Mokhra and Behlama village of Meham Constituency will start functioning ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : मोखरा तथा बलम्बा में पहले ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत हैं।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये इस बारे में पहले भी तीन बार कह चुके हैं लेकिन वहां पर बिल्डिंग अभी तक नहीं बन पाई है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछिए।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी यह बताएं कि वहां पर स्टाफ कब तक पूरा कर दिया जाएगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि वहां पर जल्दी ही बिल्डिंग बन कर तैयार हो जाएगी और 5-3-97 से वहां पर काम शुरु हो गया है। जहां तक स्टाफ का सवाल है 14 का स्टाफ है और 14 में से दो की कमी है वह जल्दी ही पूरी कर दी जाएगी।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कह रहे हैं कि काम चालू हो जाएगा लेकिन वहां पर तो एक नर्स तक भी नहीं है।

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, यह जो आरोप है, यह बिल्कुल बेबुनियाद है। वहां पर 14 के स्टाफ में सिर्फ दो की एक डाक्टर की और एक लैबोरेटरी टैक्नीशियन की कमी है, बाकी का सारा स्टाफ वहां पर मौजूद है।

श्री नफे सिंह जुंडला : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्का जुंडला के गांव जलमाना में आज से लगभग डेढ़ साल पहले पी०एच०सी० की बिल्डिंग बनकर तैयार हो गयी थी।

श्री अध्यक्ष : इस सवाल का इससे कोई संबंध नहीं है।

श्री नरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्का अटेली में जितनी भी पी०एच०सीज० हैं, उन में कोई भी लेडी डाक्टर नियुक्त नहीं है। इसलिए गांव के लोगों की सुविधाओं के लिए मेरे हल्के में जितनी भी पी०एच०सीज० हैं वहां पर लेडी डाक्टरों को लगाया जाने का मेरा अनुरोध है।

श्री अध्यक्ष : मेरी माननीय सदस्य से प्रार्थना है कि इस के लिए वे अलग से प्रश्न दे दें।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से लायक मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उन्होंने अभी हाउस में यह कहा है कि 5-3-97 से पी०एच०सी० मोखरा में कार्य शुरु हो गया है। मंत्री जी कृपया बताएं कि क्या वहां पर एक्स-रे मशीन है, वहां पर कितनी दवाइयों का प्रबन्ध किया गया है और कितने बिस्तरों का प्रबन्ध किया गया है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, जो प्रश्न लगा है, उसमें यह बात नहीं पूछी गई है। वैसे तो पी०एच०सी० मोखरा में कार्य शुरु हो गया है। लेकिन जैसे कि इन्होंने एक्स-रे मशीन व दवाईयों तथा बिस्तरों के बारें में बात पूछी है, इसके बारे में मैं पता करके इनको बता दूंगा।

श्री जसविन्द्र सिंह संधु : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि पी०एच०सी० स्थापित करने का क्या क्राइटीरिया है अर्थात् किन-किन गांवों में पी०एच०सी० लग सकती है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, जहां पर 30 हजार की जनसंख्या हो तथा 17 गांव उसके साथ लगते हों, वहां पर पी०एच०सी० खोली जा सकती है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह जी का मंत्री जी से पूछने का यह मतलब था कि जो स्टाफ या डाक्टर वहां पर हैं, वे कहीं रोहतक तो नहीं रहते हैं, वहां जाकर तो नहीं सोते हैं ? (हंसी)

Incidents of Bomb Blasts in the State

***307. Shri Mani Ram** : Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the number of incidents of bomb blasts that occurred in trains, buses and other places in the State during the period April, 1996 to February, 1997;

(b) the total number of persons who died in the aforesaid incidents;

(c) the amount of compensation, if any, given by the Govt. in each case to the families of the deceased persons; and

(d) whether the persons involved in the incidents as referred to in part (a) above have been arrested; if so, the details thereof ?

Home Minister (Shri Mani Ram Godara) :

(a) Six incidents of explosions took place during the period from April, 1996 to February, 1997 out of which one occured in Jhelum Express train on 2-12-96 at Ambala Cantt. Railway Station, two at sonepat on 28-12-96, two at Rohtak on 22-1-97 and one at Panipat Bus Stand in a Bus on 1-2-1997.

(b) Eleven persons have died 10 in explosion in Jhelum Express train and one in explosion at Panipat Bus Stand.

(c) State Govt. have announced an aid of Rs. 50,000 each to next kin of all the ten deceased in Jhelum Express train blast. Rs. 50,000 has also been paid to the family of deceased boy in Panipat Bus Stand explosion.

(d) One accused Umar Mohmad has been arrested on 27-2-1997 in Jhelum Express blast case. He is being interrogated and vital clues relating to the other persons involved in this case are also expected.

Efforts are also being made to arrest the culprits in other cases of explosions.

श्री मनी राम : स्पीकर साहब माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि अप्रैल 1996 से फरवरी 1997 के दौरान बम विस्फोट की 6 जगह घटनाएं हुई हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये जो 6 घटनाएं घटीं इनके बारे में आपकी ऐजेंसी क्या करती रही क्या ऐजेंसी ने इन घटनाओं के बारे में सरकार को कोई सूचना दी ? मंत्री जी ने सवाल के जवाब में बताया है कि जेहलम एक्सप्रैस बम विस्फोट से संबंधित एक अपराधी उमर मोहम्मद को गिरफ्तार किया है। उस व्यक्ति के बारे में यह क्या पता कि वह असली अपराधी है भी या नहीं। गवर्नर ऐड्रैस में भी कानून व्यवस्था के बारे में जिक्र किया गया है लेकिन इन घटनाओं से सरकार की इनएफिशिएंसी का पता लगता है।

श्री अध्यक्ष : मनी राम जी आप अपना सवाल पूछिए स्पीच न दें।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। स्पीकर साहब, अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन पर जेहलम एक्सप्रैस रेलगाड़ी में 2-12-96 को बम विस्फोट हुआ और 28-12-96 को सोनीपत में बम विस्फोट हुआ और आज चार महीने हो गये इन घटनाओं के किसी अपराधी को नहीं पकड़ा गया है।

श्री अध्यक्ष : मनी राम जी आप अपनी सप्लीमेंटरी पूछें इस तरह से स्पीच न दें।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन घटनाओं में संलिप्त सभी अपराधियों को पकड़ने में सरकार कब तक सफल हो जाएगी ?

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य श्री मनीराम जी ने एक बात तो यह पूछी है कि अब तक उन घटनाओं में संलिप्त कितने अपराधी पकड़े गये। इस बात का उन्होंने खुद ही जवाब दे दिया कि अब तक जेहलम एक्सप्रैस रेलगाड़ी के बम विस्फोट में जो अपराधी संलिप्त था, वह पकड़ा गया है। स्पीकर साहब तपतीश के दौरान यह जाहिर हुआ है कि वह अपराधी आई०एस०आई० का ऐजेन्ट है। उसकी तपतीश के बारे में ऐसी बहुत सी बातें हैं जिनकी बाबत आज आपके सामने नहीं बताया जा सकता कि कौन सी कितनी और किस ढंग की इन्क्वायरी चल रही है। पानीपत बस स्टैंड पर जो बम फटा उसके बारे में तपतीश की गई। उसमें यह मिला कि इन घटनाओं में जो आदमी इन्वाल्व हो सकते हैं उस बारे में पुलिस ने खास तौर से तपतीश की और यह पाया कि जिन आदमियों की पहचान हुई उन आदमियों की बाबत भी शक किया जा सकता है। वे लोग इस तरह से एक सैनसेशन क्रिएट करने के मामले के अन्दर कई जगह इन्वाल्व हैं। उनकी गिरफ्तारी की बाबत पुलिस ने यू०पी० के अन्दर छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस को यह पता लगा कि इस टाईप के बम वहां पर फटे हैं और वहां पर बम फटने का मिलाप सा इन दोनों बमों के साथ हुआ है। इसलिये उसका अन्दाजा लगा करके पुलिस तपतीश में लगी हुई है। सोनीपत और रोहतक में जो बम फटे हैं उनके बारे में अभी तक कोई खास पता नहीं लगा है क्योंकि वे हाईली एक्सपलोसिव बम नहीं थे। हो सकता है कि छोटे छोटे क्रिमिनल्ज ने सैनसेशन क्रिएट करने के लिये वहां पर वे बम छोड़ दिए हों और उनसे कोई खास नुकशान नहीं हुआ ।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न घटें इस बारे में सरकार ने क्या कारगर कदम उठाए हैं। पानीपात में उस घटना में जो एक व्यक्ति की मृत्यु हुई उसके परिवार वालों को 50 हजार रुपये दे दिये। दूसरी जगहों पर बम विस्फोटों में जो लोग मारे गये उनको यह राशि दी गई है या नहीं, अगर नहीं दी गई है तो कब तक दे दी जायेगी ?

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य मनी राम जी ने राशि देने के बारे में सवाल पूछा है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि सरकार ने यह अनाउंस किया हुआ है कि ऐसी घटनाओं में मरने वाले हर व्यक्ति को 50 हजार रुपये दिये जाएंगे। जेहलम ट्रेन में मरने वाले 10 आदमियों के परिवार वालों को 50-50 हजार रुपया देना अनाउंस किया गया है। जो ज्यादा जख्मी हुये हैं उनको 25 हजार रुपया और जो कम जख्मी हुये उनको 10 हजार रुपया देना है। रेलवे की तरफ से भी मरने वाले के परिवार को 15 हजार रुपया, जो ज्यादा सीरियस जख्मी हुये उनको 5 हजार रुपया और जो कम जख्मी हुए उनको 2 हजार रुपया दिया गया है। इसी प्रकार से जो थोड़े बहुत जख्मी हुए हैं उनको 1-1 हजार रुपया दिया गया है।

Setting up of Statue of Ch. Charan Singh

***330. Shri Sri Krishan Hooda** : Will the Minister for Local Government be pleased to state—

(a) whether any memorandum for setting up of a statue of ch. Charan Singh at Rohtak has been received; and

(b) if so, the action taken thereon ?

स्थानीय शासन मंत्री (डॉ० कमला वर्मा) :

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

श्री सिरी कृष्ण हुड्डा : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा लगाने के लिये ज्ञापन दिया गया है जबकि मंत्री महोदया ने इसका जवाब "न" में दिया है। एक डैपुटेशन इस बारे में रोहतक में मुख्य मंत्री महोदय से भी मिला था और मुख्यमंत्री महोदय ने उनकी प्रतिमा लगाये जाने का आश्वासन भी दिया था। मैं जानना चाहूंगा कि क्या चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा को रोहतक में लगाया जायेगा ?

डॉ० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा लगाये जाने बारे कोई ज्ञापन विभाग को नहीं मिला। 1991-93 में जब सत्यप्रकाश मालवीय थे तो उन्होंने एक चौधरी चरण सिंह समिति बनाई हुई थी। जोगिन्दर सिंह दहिया के पास उनकी एक प्रतिमा रखी हुई थी। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब मैं दे देता हूं। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में एक डैपुटेशन मुझे रोहतक में मिला था, उनके साथ कई गांवों के आदमी भी मिले थे। उन्होंने चौधरी चरण सिंह का स्टैच्यू लगाने के लिये मैमोरेंडम दिया था। मैंने उनको कहा था कि आप जगह बता दें, वहां लगा देंगे। इसके अलावा मैंने डी०सी० को भी कहा था कि चौधरी चरण सिंह जी का स्टैच्यू वहीं लगा दें जहां पर हुड्डा साहब कहें।

Canal based water supply scheme, Nagal Dargu

*338. **Shri Kailash Chander Sharma** : Will the Minister for Public Health be pleased to state the time by which the construction of a canal based water supply scheme for Nagal Dargu, Tehsil Narnaul is likely to be started ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) : योजना के निर्माण का कार्य लगभग अप्रैल 1997 में शुरू किया जाएगा।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय की जानकारी में लाना चाहूंगा कि नागल दर्गू में जो पीने के पानी की परियोजना है उसमें जिन एरियाज में पानी जाना है वहां पर 14 पहाड़ियां पड़ती हैं। वहां पर नीचे का पानी काफी गहरा है। इस स्कीम को सैंक्शन हुये 8 मास हो चुके हैं और 15 लाख रुपये एडवांस में भी तीन किश्तों में जा चुके हैं। लेकिन अभी तक वहां पर इस स्कीम के लिये टेंडर भी इन्वाइट नहीं किये गये हैं। मैं जानना चाहूंगा कि पैसा जाने के बाद भी टेंडर काल न किये जाने के क्या कारण हैं। क्या संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लिया जायेगा कि उन्होंने इस स्कीम पर अब तक कार्यवाही क्यों नहीं की ?

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, जिस परियोजना के बारे में शर्मा जी कह रहे हैं वहां पर 6 गांव और 16 ढाणियां इस स्कीम के अंतर्गत आती हैं। वहां पर एक नोलान्दा गांव है जिसमें दो ट्यूबवैल्ज लगा कर प्रति व्यक्ति प्रति दिन 25 लीटर पानी दिया गया था और यह 7 किलोमीटर से पानी आता था। जून, 1995 के अन्दर सैनेटरी बोर्ड से एस्टीमेट पास हुआ था लेकिन पानी दूर से आता था इसलिये यह सोचा गया कि गांव नागल दर्गू में एक वाटर वर्क्स बना दिया जाए। इसके लिये पैसा कैल्कुलेट किया गया और सैंक्शंड भी हो गया लेकिन पानी देने के लिये नहर का महकमा तैयार नहीं हो पाया। नहर के महकमें ने कहा कि हम पानी नहीं देंगे। उनके इन्कार करने पर वहां पर ट्यूबवैल से पानी लेने के लिये एक्सपैरिमैंट किया गया। एक गांव में ट्यूबवैल लगाया भी गया लेकिन वहां पर केवल 3 हजार गैलन पानी ही उपलब्ध हो पाया। उस इलाके में पानी कहीं मिलता नहीं है और जहां मिलता भी है वहां उस पर खर्च बहुत ज्यादा आता है क्योंकि वह पत्थरीला इलाका है। पानी जमीन में बहुत अधिक गहराई पर है इसलिये कॉस्टली पड़ता है। बाद में नहर के महकमें से समझौता किया गया तथा उन्होंने पानी देने के लिये मान लिया है। 28 मार्च, 1997 को टैंडर हो जाएंगे और अप्रैल में उस वाटर वर्क्स पर काम शुरू हो जाएगा।

Vehicles challaned under motor vehicles Act

*344. **Shri Birender Singh** : Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) the number of vehicles challaned in the State under Indian Motor Vehicles Act from 1st June, 1996 to 31st January, 1997; and

(b) the number of vehicles booked/challaned for using 'Red and Blue' lights unauthorisedly in the State during the period as referred to in part (a) above ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) : 1-6-96 से 31-1-97

(क) भारतीय मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत चालान हुये वाहनों की संख्या 42093

(ख) लाल और नीली बत्ती का प्रयोग करने पर बुक/चालान हुये वाहनों की संख्या शून्य

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, मैंने माननीय मंत्री महोदय से यह सवाल पूछा था कि न्यू मोटर वृहीकल्ज एक्ट के तहत 1 जून, 1996 से 31 जनवरी, 1997 तक कितने चालान किये गये ? दूसरा मेरा सवाल "बी" यह था कि जो लोग अपनी गाड़ियों पर रैड लाईट का या ब्लू लाईट का इस्तेमाल करते हैं उनमें से अनअथोराइज़ड लाईट इस्तेमाल करने के कितने चालान किये गये हैं जो 42 हज़ार चालान न्यू मोटर व्हीकल्ज एक्ट के अन्तर्गत किये गये हैं उनमें एक भी ऐसा चालान नहीं किया गया है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या मंत्रियों के परिवार के लोग, एम०पीज़० के परिवार के लोग, मुख्य मंत्री जी के परिवार के लोग या कोई रिश्तेदार इस प्रकार की लाईटों का इस्तेमाल कर सकते हैं ? (विघ्न एवं शोर)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : मेरी अपनी गाड़ी पर या मेरे कुटुम्ब के किसी सदस्य की गाड़ी पर इस प्रकार की कोई लाईट नहीं है। मैं खुद भी अपनी गाड़ी पर लाईट का इस्तेमाल नहीं करता हूं। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी अपनी गाड़ी पर भी इस प्रकार की कोई लाईट नहीं है, मंत्री जी को चाहिए कि वे इसकी जांच करवा लें कि किस-किस की गाड़ी पर यह लाईट लगी हुई है। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री, मंत्री तथा एम०एल०एज़० तो लाईट लगा ही सकते हैं क्योंकि वे इस प्रकार की लाईट्स के लिए अथोराईज्ड हैं। मैं मंत्री महोदय से स्पैसिफिकली यह जानकारी चाहूंगा कि कितनी कैटेगरीज़ के अधिकारियों को इस प्रकार की लाईट्स गाड़ी पर लगाने के लिये अधिकृत किया गया है, उसका क्राइटीरिया क्या है ? आज जिसे देखो वही गाड़ी पर लाईट लगाए घूम रहा है। जो लोग चैकिंग करते हैं वे इस प्रकार की अनअथोराईज्ड गाड़ियों की चैकिंग करके उनके चालान नहीं काटते हैं। सरकार ने जिनको परमिट किया है केवल उन्हीं गाड़ियों पर लाईट लगनी चाहिए। इसके साथ ही 9 नम्बर तक जिनके पास नम्बर हैं उनके लिये तीन ज़ीरो यानि अगर 9 नम्बर है तो 0009 लिखना अनिवार्य है लेकिन कुछ लोग केवल एक ही नम्बर लगा कर गाड़ियां चला रहे हैं। 9 नम्बर तक जो नम्बर अलॉट होते हैं वे इन्फलूएंशल लोग, पोलिटिक्ल लोग और बिजनैसमैन अपनी गाड़ियों पर लगाए घूमते रहते हैं और कुछ ब्यरोक्रेट्स भी ऐसा ही कर रहे हैं जो कि ठीक नही है लेकिन उनका कोई चालान नहीं काटा जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानकारी चाहता हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है ?

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर ने जब यह बात कही तो तुरन्त माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि मेरी किसी गाड़ी पर ऐसी कोई लाईट नहीं है और चौधरी धीरपाल सिंह जी ने भी यही कहा कि हमारे यहां भी इस प्रकार की लाईट का इस्तेमाल नहीं होता। (विघ्न) मेरे पास जो रिपोर्ट आई है वह निल आई है इसका मतलब यही है कि किसी ने भी इस प्रकार की अनअथोराईज्ड लाईट नहीं लगाई हुई है। ऐसा लगता है कि इनको इस प्रकार का कोई वहम हो गया है क्योंकि इस मामले में मेरे पास जो रिपोर्ट है वह निल है। न्यू मोटर व्हीकल्ज एक्ट के अन्दर जो ज़ीरो लगाने का प्रोविज़न है उस मामले

में जो लोग चालान करने के लिए अथोराईज्ड हैं उनको भली प्रकार से मालूम ही होगा । वे जिम्मेदारी से अपने काम में लगे हुये हैं। न्यू मोटर व्हीकल्ज एक्ट में जो चालान किये गये हैं उनकी संख्या 42093 है और रैड लाईट की चालान संख्या मैंने पहले ही बता दी है कि निल है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, नम्बर प्लेट के कितने चालान किये हैं ? मंत्री जी इस बारे में 15.00 बजे मुझे कल बता दें जिन्होंने 000 इस्तेमाल नहीं किया। इसके साथ ये यह भी बताएं कि आपने कौन सी कैटेगरी को रैड लाईट लगाने की इजाजत दी है ?

श्री बंसीलाल : अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी ने बिल्कुल सही बात कही है कि बत्तियों का मिस-यूज़ हो रहा है। इस बारे में सदन का मूड़ देखते हुये मैं नई हिदायतें कर दूंगा ताकि इन चीजों का सही इस्तेमाल हो सके।

Arbitrary fee charged by private schools

***272. Shri Ram Bhaj** : Will the Minister for Education be pleased to state —

(a) whether government is aware of the fact that the admission fee and monthly fee are being charged by Private Schools arbitrarily and;

(b) if so, the steps, if any taken or proposed to be taken to check the said practice ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) :

(क) प्रवेश तथा ट्यूशन फीस की दरें केवल मान्यता प्राप्त तथा सहायता प्राप्त अराजकीय विद्यालयों के लिये निश्चित की गई हैं। सहायता रहित अराजकीय विद्यालय इन निर्देशों के अन्तर्गत नहीं आते और इस कोटि के स्कूल अपनी ही दरों पर फीस वसूल कर रहे हैं।

(ख) राज्य सरकार मान्यता प्राप्त अराजकीय सहायता रहित विद्यालयों की कार्य प्रणाली पर नियन्त्रण करने के लिये प्रयास कर रही है। इस उद्देश्य हेतु हरियाणा विधान सभा बिल पास कर चुकी है तथा भारत के राष्ट्रपति द्वारा बिल के अनुमोदन उपरान्त ऐसा सम्भव हो पाएगा।

श्री राम भज : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया कि प्रवेश तथा ट्यूशन फीस की दरें केवल मान्यता प्राप्त तथा सहायता प्राप्त अराजकीय विद्यालयों के लिये निश्चित की गई हैं। क्या मंत्री जी बताने का कष्ट करेंगे कि इनके अन्दर जो वर्गीकरण है जैसा कि सरकारी स्कूलों में होता है क्या इन नीतियों को प्राईवेट स्कूलों में भी अपनाएंगे ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, राष्ट्रपति महोदय के पास जो बिल गया था वहां से उस पर दो क्यूरीज लगकर आई हैं। उनमें से एक क्यूरी इसी सम्बन्ध में है जो इन्होंने सवाल किया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में कन्याओं की शिक्षा बी०ए० तक मुफ्त है उनसे कोई फीस नहीं ली जाती है। यह जो वर्गीकरण की बात इन्होंने कही है यह सही है। कुछ लोग विद्यालय अपने तौर पर बिना रजिस्ट्रेशन के चला रहे हैं इस बारे में हमारे पास कुछ शिकायतें भी आई हैं। हमने दोबारा से उन क्यूरीज को ठीक

[श्री राम बिलास शर्मा]

करके भेजा है। अध्यक्ष महोदय, राजकीय विद्यालय में कन्याओं से किसी तरह की कोई फीस नहीं ली जाती है हां आठवीं कक्षा के बाद नाममात्र 5 रुपये फीस है। अध्यक्ष महोदय, कुछ हमारे स्कूल हैं जिनको 95 प्रतिशत हम ग्रांट देते हैं वहां पर हमारा कंट्रोल है। हमारे पास प्राइवेट मैनेजमैंट्स की शिकायतें थीं। हमने, जो क्यूरीज आई थीं उनमें इस बात का समाधान करके यह बात दर्शाई है कि हरियाणा में कोई भी स्कूल हो उसमें भी जो फैसिलिटी हरियाणा के गवर्नमैंट स्कूलों में दी जाती है वही फैसिलिटी होगी।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, पिछले कई सालों से शिक्षा का बड़ी तीव्र गति के साथ व्यवसायिकरण बढ़ता जा रहा है जो देहात के लोगों के लिये बहुत ही बड़ा प्रश्न चिन्ह है। क्या हरियाणा सरकार शिक्षा के व्यवसायिकरण को रोकने के लिए कोई कारगर कदम उठाने की सोच रही है ?

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, आपने बहुत ही उचित चिन्ता जाहिर की है। इस बारे में जो बिल पहले विधानसभा में लाया गया था, वह इसी आधार पर लाया गया था। कुछ संस्थाएं तो अच्छा काम कर रही हैं लेकिन यह बात भी सही है कि पिछले आठ-दस सालों में शिक्षा के व्यवसायिकरण का एक प्रयास हुआ है। छोटे-छोटे विद्यालयों में, गांवों में या शहर के मुहल्लों में हमने उनको नियंत्रण देने से पहले इस तरह की काफी बातों का निर्धारण उस बिल में किया है और वह बिल इन्हीं सब बातों की आवश्यकताओं को देखते हुए लाया गया था।

Amount spent on the repair of sewerage/water works of Bhiwani City

***303. Shri Ram Bhajan Aggarwal** : Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) the details of the amount spent on the repair of sewerage and water supply system of Bhiwani city during the period from September, 1995 to April, 1996 ; and

(b) whether the repair work as referred to in part (a) above has been completed; if not, the reasons thereof, togetherwith the time by which the above said sewerage and water supply system is likely to start functioning ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) :

(क) (1) भिवानी शहर के जल वितरण सिस्टम की मरम्मत पर सितम्बर, 1995 से अप्रैल, 1996 तक 72.77 लाख रुपये खर्च किये गये।

(2) भिवानी शहर के सीवरेज सिस्टम की मरम्मत पर सितम्बर, 1995 से अप्रैल, 1996 तक 44.59 लाख रुपये खर्च किये गये।

(ख) (1) जल वितरण सिस्टम की मरम्मत का कार्य पूर्ण हो गया है और यह सामान्य रूप से चल रही है।

(2) मुख्य सीवरेज डिस्पोजल वकर्स से पुनर्निमाण, मरम्मत तथा मशीनरी बदलने का कार्य पूर्ण हो गया है और यह संतोषजनक रूप से चल रही है।

(3) शहर के कुल 1635 मीटर क्षतिग्रस्त सीवर के स्थान पर 1600 मीटर-सीवर का काम किया जा चुका है और शेष 35 मीटर का कार्य दिनांक 15-3-1997 तक पूर्ण हो जायेगा।

(4) शहर के विभिन्न 19 स्थानों पर क्षतिग्रस्त सीवर तथा मेन होलज़ की मरम्मत करके चालू कर दिया गया है। एक अन्तिम स्थान पर नेकीराम लाईब्रेरी के समीप कार्य चल रहा है और यह दिनांक 7-3-97 तक पूर्ण हो जायेगा।

श्री राम भजन अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि पिछले सात महीनों में भिवानी में सिवरेज की एवं पानी की व्यवस्था को ठीक करने के लिए 1.17 करोड़ रुपये का खर्चा हुआ है और यह काम संतोषजनक है। सर, आज भी भिवानी शहर के अंदर सिवरेज की व्यवस्था एवं पानी की व्यवस्था ठीक नहीं है। मैं इनसे यह जानना चाहूंगा कि यह जो खर्चा इन्होंने दिखाया है तो क्या यह खर्चा कागजों पर ही हुआ है या ऐक्चुअल में हुआ है ? क्या मंत्री जी इस बात की इंक्वायरी करवाएंगे कि 1.17 करोड़ रुपया कहीं मिसयूज़ तो नहीं हुआ है क्योंकि अगर वहां पर ठीक तरह से काम हुआ होता तो शहर की सिवरेज एवं पानी की व्यवस्था ठीक होती। यह बात सही है कि आदरणीय चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ने वहां पर काफी काम करके उसे कुछ ठीक करने की कोशिश की है लेकिन मंत्री जी यह बता दें कि कहीं इस पैसे का वहां पर दुरुपयोग तो नहीं हुआ है। यह काम किस ठेकेदार से करवाया एवं यह पैसा वहां डिपार्टमैंट के माध्यम से खर्च हुआ या किसी और माध्यम से खर्च हुआ अगर खाली कागजों में ही यह पैसा लगा है तो क्या ये इसकी तहकीकात करवाएंगे ? मंत्री जी यह भी बता दें कि भिवानी शहर की जल आपूर्ति एवं सिवरेज सिस्टम को ठीक करने में अभी कितना समय और लगेगा ? इन्होंने जो जवाब देते हुए कहा है कि पिछले सात महीनों में काम संतोषजनक हुआ है, उससे मैं सहमत नहीं हूं।

श्री जगन्नाथ : अध्यक्ष महोदय, हम इस बारे में लाला जी से मिलते रहते हैं और सलाह मश्विरा भी लेते रहते हैं। हम यह सारे का सारा सिस्टम जून तक ठीक करवा देंगे। (विघ्न) जहां तक इनका यह कहना है कि सितम्बर, 95 से लेकर अप्रैल, 96 तक वहां पर अनियमितताएं हुई हैं और पैसा ठेकेदार खा गया तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि ऐसी अगर कोई बात इनके नोटिस में हो तो ये हमें बता दें। हम इनके बताए हुए ऑफिसर से इनकी इंक्वायरी करवा लेंगे। जिस ऑफिसर से आप कहेंगे उसी से इंक्वायरी कराएंगे। आप यदि चाहते हैं कि हमारा महकमा इंकवायरी न करे तो बाहर के किसी ऑफिसर से भी हम इंक्वायरी कराने को तैयार हैं।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि अम्बाला कैंट की एक कैनाल बेस्ड स्कीम है जिसके तहत पूरे अम्बाला कैंट को नहरी पानी देने की स्कीम मंजूर है। उसके बारे में कोई जानकारी देंगे कि कब उस पर काम शुरू होगा ?

श्री जगन्नाथ : इस क्वैश्चन के लिए आप अलग से नोटिस दें।

श्री निर्मल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत इमपोर्टेंट स्कीम है इसके बारे में मंत्री महोदय को पता होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज़ पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Pollution caused by Centuary Products Ltd., Sampla.

*257. **Shri Balwant Singh** : Will the Minister of State for Environment be pleased to state —

(a) whether it is a fact that pollution is being caused by the Centuary Products Ltd., in Sampla City, District Rohtak due to releasing of effluent water; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken in this regard ?

पर्यावरण राज्य मंत्री (श्री सुभाष चौधरी) :

(क) जी, हां।

(ख) यह स्पष्ट किया जाता है कि ईकाई का नाम मैं० सैन्चरी प्रोटीन लिमिटेड है न कि सैन्चरी प्रॉडक्ट लिमिटेड सांपला है। हरियाणा राज्य प्रदूषण रोकथाम बोर्ड ने इस इकाई को जल (प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 25 और 26 के अन्तर्गत वर्ष 1996-97 की सहमति नहीं दी है। जल (प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 33 क के अन्तर्गत ईकाई को बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदण्डों की पालना न करने और ड्रेन में अपने बहिस्त्राव मल का निस्सरण करने हेतु बन्द करने के लिए नोटिस दिया गया है। इस सम्बन्ध में आगामी कार्यवाही नोटिस की अवधि समाप्त होने पर की जायेगी।

Plying of Buses from Giwana to Gohana

*314. **Shri Jagbir Singh Malik** : Will the Minister for Transport be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce a direct bus service from villages Giwana and Jasrana to Gohana; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to issue long route permits (100 Km.) to the Co-operative Societies in the State; if so, the details thereof ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्णपाल गुर्जर) :

(क) जी हाँ। हरियाणा रोड़वेज, सोनीपत ने गोहाना से गिवाना तक बस सेवा चालू कर दी है। परन्तु गिवाना से जसराना की सड़क क्षतिग्रस्त है। जब भी सड़क बस चलाने योग्य हो जाएगी, गिवाना से जसराना के लिए भी बस सेवा चालू कर दी जाएगी।

(ख) जी हाँ। लम्बे रूट परमिट देने का प्रस्ताव अभी सरकार के विचाराधीन है और इस सम्बन्ध में विवरणी को अन्तिम रूप दिया जाना है।

Repair of Damaged Transformers

*321. **Sh. Om Prakash Chautala** : Will the Chief Minister be pleased to states —

(a) the total number of damaged transformers lying in the State at present; and

(b) the number of transformers that have been repaired during the last six months ?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) :

(क) जनवरी, 1997 के अन्त तक राज्य में कुल 28067 क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर पड़े थे।

(ख) वर्तमान वित्तीय वर्ष की अवधि में अगस्त-जनवरी के दौरान 14175 ट्रांसफार्मरों की मरम्मत कर दी गई है।

Loss incurred by the Haryana Roadways

***326. Shri Suraj Mal** : Will the Minister for Transport be pleased to state —

(a) whether it is a fact that Haryana Roadways is incurring losses due to the plying of un-authorised buses on truck routes; and

(b) if so, the steps taken by the government in this regard ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण पाल गुर्जर) :

(क) जी, हाँ।

(ख) अनाधिकृत प्रचलन को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए हाल ही में 45 उप-मंडल अधिकारियों (नागरिक) को क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण को निरीक्षण करने की शक्तियाँ दी गई हैं और उनकी कार्यवाही पर निगरानी नियमित रूप से रखी जा रही है। इसके अतिरिक्त मुख्यालय के अधिकारियों द्वारा भी अधिक से अधिक निरन्तर निरीक्षण किया जा रहा है।

Production of Sugarcane in the State

***311. Shri Ram Phal Kundu** : Will the minister for Agriculture be pleased to state —

(a) the estimated production of sugarcane crop in the State during the current year ;

(b) the total quantity of sugarcane crop in the State during the current year ;

(c) the total quantity of sugarcane purchased by the Sugar Mills upto 28th February, 1997 ;

(d) whether it is a fact that the sugarcane originally bonded by the Sugar Mills is being reduced ; if so, the details thereof ; and

(e) whether there is any proposal under consideration of the Government to pay the minimum support price to the cane growers for the sugarcane which the Sugar Mills failed to crush ?

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) :

(क) चालू वर्ष के दौरान गन्ने की अनुमानित पैदावार लगभग 950 लाख क्विंटल है,

(ख एवं ग) तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है,

(घ) नहीं, प्रत्येक चीनी मिल द्वारा बांड किए गए गन्ने की मात्रा घटाई नहीं जा रही है,

(ङ) चीनी मिलें बांड किए गए सारे गन्ने की पिराई करेंगी जिसके लिए वे भारत सरकार द्वारा निर्धारित किए गए न्यूनतम संविदा मूल्य से अधिक मूल्य देने के लिए सहमत हो गई हैं।

तालिका

(मात्रा लाख क्विंटल में)

क्रम संख्या	चीनी मिल का नाम	बांड किए गए गन्ने की मात्रा	28-2-97 तक खरीदे गए गन्ने की मात्रा
सहकारी क्षेत्र			
1.	शाहबाद सहकारी चीनी मिल लि०, शाहबाद	63.00	34.10
2.	करनाल सहकारी चीनी मिल लि०, करनाल	42.00	27.64
3.	पानीपत सहकारी चीनी मिल लि०, पानीपत	22.00	14.98
4.	सोनीपत सहकारी चीनी मिल लि०, सोनीपत	30.00	19.35
5.	रोहतक सहकारी चीनी मिल लि०, रोहतक	30.00	20.21
6.	पलवल सहकारी चीनी मिल लि०, पलवल	32.00	18.40
7.	जींद सहकारी चीनी मिल लि०, जींद	33.00	21.36
8.	महम सहकारी चीनी मिल लि०, महम	40.00	18.50
9.	कैथल सहकारी चीनी मिल लि०, कैथल	40.00	22.58
10.	भूना सहकारी चीनी मिल लि०, भूना	30.00	15.90
	उप जोड़	362.00	213.02
निजी क्षेत्र			
11.	सरस्वती चीनी मिल यमुनानगर	147.04	85.64
12.	पिकाडली एग्रो इण्डस्ट्रीज़ लि०, गांव भादसों, ज़िला करनाल	40.00	17.02
13.	नारायणगढ़ चीनी मिल लि०, गांव भनौदी, ज़िला अम्बाला	18.00	12.27
	उप जोड़	205.04	114.93
	कुल जोड़	567.04	327.95

Amount spent on water works

***362. Shri Bhagi Ram** : Will the Minister for Public Health be pleased to state the dates on which the foundation stones of second water supply scheme at Kashikawas, Dhani Lakji and Balasar villages in District Sirsa was laid togetherwith the amount spent so far on each scheme separately ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) : काशीकाबास तथा ढाणी लाखजी की पेयजल योजनाओं का शिलान्यास 9-2-1991 को किया गया था तथा यह योजनाएं पहले ही चालू की जा चुकी हैं। इन दो योजनाओं पर क्रमशः 5.59 लाख तथा 3.27 लाख रुपये खर्च किये गये हैं।

बलासर पेयजल योजना का शिलान्यास 6-1-1991 को रखा गया था। इस गांव में जांच के लिए एक नलकूप लगाया गया परन्तु इसका जल पीने के योग्य न होने के कारण इसका परित्याग कर दिया गया इस जांच नलकूप पर 0.80 लाख रुपये खर्च हुए। 1.89 लाख रुपये की धन राशि गांव में जल वितरण प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए खर्च किये गये। इस कार्य पर कुल 2.69 लाख रुपये खर्च किये गये। बलासर गांव को पेयजल सुविधा नहरी पानी पर आधारित फतेहपुरिया जलघर से दिया जा रहा है तथा इसका वर्तमान पेयजल स्तर 45 लीटर प्रति व्यक्ति है।

Sanitary Condition

***312. Shri Ashok Kumar** : Will the Minister for Local Government be pleased to state whether it is a fact that the sanitary condition of the Cities/ Towns of the State has worsened due to the strike of the Municipal employees; if so; the steps taken so far or proposed to be taken to improve the sanitary conditions ?

स्थानीय शासन मंत्री (डॉ० कमला वर्मा) : नगरपालिका के कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल वापिस ले ली है। शहरों/कस्बों में सफाई व्यवस्था पूर्णतयाः संतोषजनक है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Discontinuation of Financial aid to Maharaja Agarsain Institute of Medical Research and Education, Agroha

21. Shri Dev Raj Dewan : Will the Minister of State for Medical Education be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the financial aid/grant to the Maharaja Agarsain Institute of Medical Research & Education, Agroha, Hisar, has been discontinued with effect from July, 1996, by the State Government; if so, the reasons thereof;

(b) whether it is also a fact that the required facilities are not being provided to the M.B.B.S. Students by the Institution due to discontinuation of the said aid as referred to in part (a) above; and

[Sh. Dev Raj Dewan]

(c) if the reply in part (b) is in affirmative, whether there is any proposal under consideration of the Government to transfer the M.B.B.S. Students to the Medical College, Rohtak for completion of their course as was done in the previous years i.e. 1991, 1992 and 1993 ?

चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मढ़िया) :

(क) जी हाँ। ऐसा खर्चे में बचत करने हेतु किया गया था।

(ख) महाराजा अग्रसैन चिकित्सा आयुर्विज्ञान एवं शिक्षा संस्थान अग्रोहा का निरीक्षण महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा गठित पाँच सदसीय समिति, जिसके अध्यक्ष डॉ० एस०एस०यादव, निदेशक, पंडित भगवत दयाल शर्मा, स्नात्कोत्तर आर्युविज्ञान संस्थान, रोहतक द्वारा किया गया था जिसमें निम्नलिखित त्रुटियाँ पाई गई :-

(क) मानवश्रम :—

(1) 20 विभागाध्यक्ष पदों में से 14 पद, 50 अध्यापकों के पदों में से 36, 50 रजिस्ट्रार के पदों में से 41 तथा 40 हाऊस सर्जनों में से 40 पद खाली पाये गये।

(2) पैरा मैडीकल स्टाफ (नर्सिज तथा औषधकारकों) की नियुक्ति नहीं की गई।

(ख) चिकित्सालय में सुविधायें :—

(1) भारतीय चिकित्सा परिषद् के नियमों के अनुसार चिकित्सा महाविद्यालय में प्रति वर्ष 50 विद्यार्थियों के प्रवेश पर 500 बिस्तर का चिकित्सालय होना चाहिये। इस संस्था के पास अपना हस्पताल नहीं है।

(2) प्रयोगशालायें :—

भाषण कक्ष तथा लैक्चर थियेटर, पैथालोजी, सूक्ष्मजीव विज्ञान, औषधी विज्ञान तथा फोरन्सिक मैडीसन विभाग के लिये उपलब्ध नहीं है।

(ग) क्लीनिकल विभाग :—

(1) कुछ कर्मचारियों की भर्ती के अतिरिक्त विभागों का सर्जन नहीं किया गया।

(2) स्वच्छ आवास तथा छात्रावास थोड़ी मात्रा में उपलब्ध है। पुस्कालय में बहुत ही कम पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा काफी मात्रा में उपकरण खरीदने की आवश्यकता है।

(ग) जी, नहीं।

Laying of Sewerage in Sonepat City

22. Shri Dev Raj Dewan : Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to lay the sewerage in the remaining area of the Sonepat City; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ) :

(क) जी हाँ,

(ख) अभी कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती क्योंकि यह धन राशि की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

Cases of spurious liquor registered in the State

23. Shri Krishan Lal : Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) the number of cases of seized liquor registered during the years 1995-96 & 1996-97 in the State togetherwith the number of persons arrested in the above said cases; and

(b) the total quantity of spurious liquor seized in the cases as referred to in part (a) above togetherwith the district-wise number of persons who died on account of consuming spurious liquor during the period as referred to in part (a) above ?

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा) :

(क) राज्य में पकड़ी गई शराब के वर्ष 1995-96 में 9888 मुकदमें और 1996-97 में 24855 मुकदमें दर्ज किए गए और उपरोक्त मुकदमों में वर्ष 1995-96 में 10265 व्यक्तियों तथा वर्ष 1996-97 में 26954 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

(ख) वर्ष 1995-96 और 1996-97 में मिलावटी शराब नहीं पकड़ी गई। वर्ष 1995-96 में मिलावटी शराब पीने से किसी भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई। फिर भी वर्ष 1996-97 में 4 मुकदमों (करनाल-1, हिसार-1, और फरीदाबाद-2) में मिलावटी शराब पीने से 17 व्यक्तियों (करनाल-7, हिसार-6 और फरीदाबाद-4) की मृत्यु हुई।

Water Logging

24. Shri Balbir Singh : Will the Chief Minister be pleased to state the steps taken by the Govt. to overcome the Water logging in the land adjacent to the canals in district Rohtak ?

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल) : जिला रोहतक में जे०एल०एन० फीडर और दुलहेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी के साथ पानी के सेम की समस्या है। इस समस्या पर नियन्त्रण हेतु हरियाणा सिंचाई विभाग का नहरों के साथ डिच ड्रेन के निर्माण का प्रस्ताव है।

Opening of Government College at Kalayat

25. Shri Ram Bhaj : Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Government College at Kalayat ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : जी नहीं।

Repair/Reconstruction of the Building of High School, Lodhar

26. Shri Ram Bhaj : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the building of Government High School, Lodhar district Jind has been declared unsafe;and

(b) if so, the time by which the aforesaid building is likely to be repaired/reconstructed ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) :

(क) जी हां, राजकीय उच्च विद्यालय, लोधर का भवन लोक निर्माण विभाग द्वारा असुरक्षित घोषित कर दिया गया है।

(ख) राजकीय उच्च विद्यालय, लोधर के भवन की मुरम्मत / पुनर्निमाण शीघ्र ही करवा लिया जायेगा। चार कक्षा कक्ष पहले ही बनवाये जा चुके हैं।

Construction of Tourist Complex

27. Shri Ram Bhaj : Will the Minister of State for Tourism be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Tourist Complex near Kalayat on Kalayat Kaithal High way ?

पर्यटन राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी) : जी, हां ।

Kalayat Bus Stand

28. Shri Ram Bhaj : Will the Minister for Transport be pleased to state the present stage of the construction work of the Bus Stand, Kalayat ?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्णपाल गुर्जर) : बस स्टैण्ड बनाने के लिए नगरपालिका कलायत से हाल ही में 20 कनाल जमीन खरीदी गई है।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव -
पीलिया बीमारी से हुई मौतों तथा जिला सिरसा में इस बीमारी के फैलने संबंधी।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received an adjournment motion given notice of by Shri Om Parkash Chautala and 15 other M.L.As regarding deaths due to spreading of jaundice in the villages of district Sirsa.

Hon'ble Members, I have announced in the House on 6th March, 1997 that I have converted it into calling attention motion and have admitted for today. Shri Om Parkash Chautala may read his notice please.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : इसे भागी राम जी पढ़ेंगे।

@ सर्वश्री ओम प्रकाश, धीरपाल सिंह, वीरेन्द्र पाल, भागी राम, रामफल कुंडु, नफे सिंह, नफे सिंह, बन्ता राम, राम पाल माजरा, कृष्ण लाल, बलवंत सिंह, सूरजमल, रमेश खटक, अशोक कुमार, श्रीमती विद्या बेनीवाल तथा मनीराम एम०एल०एज० इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहते हैं कि हरियाणा राज्य के सिरसा जिले के गांव में पीलिया रोग तेजी से फैल गया है। अब तक गांव धोतर में 13 व्यक्ति इस बीमारी से मर चुके हैं। इसके अतिरिक्त गांव सुलतानपुरिया, बेरबाल, करीवाला तथा ऐलनाबाद कस्बे में भी एक-एक आदमी इस बीमारी से मर चुके हैं। अब भी गांव धोतर में 14-15 और गांव सुलतानपुरिया में 5-7 व्यक्ति इस बीमारी से जिन्दगी के लिए मौत से जूझ रहे हैं। सरकार की ओर से इस बीमारी की रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। लोगों में भय का वातावरण बना हुआ है। चारों ओर त्राहि-त्राहि मची हुई है। यह एक अत्यावश्यक लोक महत्व का विषय है। अतः वे सरकार से निवेदन करते हैं कि वह इस संबंध में सदन में एक वक्तव्य दें।

वक्तव्य-
उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी।

Mr. Speaker : Now the Health Minister will make a Statement.

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : पीलिया अपने आप में कोई रोग नहीं है। यह रोग का एक लक्षण है। सामान्यतः यह जिगर विकार से संबद्ध है। पीलिया हैपाटाईटिस "ए" और हैपाटाईटिस "बी" के परिणाम स्वरूप होता है। हैपाटाईटिस "ए" अधिक सामान्य है और वह कम खतरनाक है, इसके कारण मृत्यु भी कम होती है और यह संक्रामित पानी तथा भोजन का कारण होता है। हैपाटाईटिस "बी" होने के कारण होने वाली मृत्यु-दर अपेक्षाकृत अधिक है। हैपाटाईटिस "बी" सीरम संक्रामित रक्त देने, संक्रामित सुई तथा सिरिंज के प्रयोग यौन सम्बन्धों या थूक व लार के सम्पर्क से होता है। हैपाटाईटिस "बी" अधिक गम्भीर है क्योंकि कुछेक मामलों में इसके कारण मस्तिष्क व जिगर को भारी क्षति पहुंचती है। हैपाटाईटिस "बी" के जिन कुछेक मामलें में पीलिया विकसित नहीं होता है, उनमें बाद के वर्षों में जिगर का कैंसर हो सकता है।

हैपाटाईटिस "बी" के मामलों में, यह बहुत जरूरी है कि रोगी आराम करें। कुछ मामलों में रोगी आराम नहीं करते और दवाई लेते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। हालांकि

@ श्री भागी राम द्वारा पढ़ा गया।

[श्री ओम प्रकाश महाजन]
इस रोग का कोई उपचार नहीं है, जब रोगी की हालत गम्भीर होती है और उसे अस्पताल में दाखिल किया जाता है तब उसे विटामिन ''के'' के इंजैक्शन दिए जाते हैं और ग्लूकोज अधिक मात्रा में बढाया जाता है (25 प्रतिशत और 10 प्रतिशत) उसकी आंतों को धोया जाता है और एंटी बायोटिक जैसे कि एम्पीसिलिन दिया जाता है जिससे उसको सैकेंडरी ईफैक्शन न हों और लगभग 75 प्रतिशत रोगी ठीक हो जाते हैं।

दिसम्बर 1996 के दौरान गांव धोतर में दो रोगियों की मृत्यु हुई। उनमें से एक की मृत्यु दयानन्द मैडिकल कालेज अस्पताल, लुधियाना में और दूसरे की गांव धोतर में ही हुई। ऐसी आशंका है कि इन दोनों व्यक्तियों की मृत्यु हैपाटाईटिस सीरम से हुई है। बाद में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रानियां जिसके अन्तर्गत वह गांव आता है, से मैडिकल और पैरा-मैडिकल टीमें इस गांव का नियमित रूप से दौरा करती रही हैं।

फरवरी, 1997 में इसी गांव में तीन और लोगों की मृत्यु हो गई । इन तीनों रोगियों की मृत्यु 3-4 दिन बीमार रहने के बाद ही हो गई। 5 मार्च, 1977 तक हैपाटाईटिस ''बी'' से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या 31 है और मरने वालों की संख्या बढ़ कर 10 हो गई है। इन में से 7 व्यक्ति गांव धोतर के हैं और एक-एक व्यक्ति गांव बेरवाला, गिदड़ावाली और रानियां के हैं। मृत लोगों के नाम अनुलग्नक ''ए'' में अंकित है।

स्वास्थ्य दलों ने पीलिया के केसों की पहचान की है, जिनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। पीलिया के जिन केसों की पहचान की गई है और जिनमें सुधार हुआ है, उसका गांव वार विवरण इस प्रकार है ;-

क्रमांक	गांव का नाम	पीलिया केसों की संख्या (हैपाटाईटिस ए व बी)
1.	धोतर	12
2.	सुलतानपुरिया	3
3.	रानियां	2
4.	नतार	1
5.	ओढां	2
6.	सिरसा शहर	8
7.	अबूतगढ़	1
8.	गिदड़ांवाली	1
9.	बेरांवाली	1
	कुल	31

सरकार इस समस्या के प्रति अत्याधिक गम्भीर है। दिसम्बर, 1996 के बाद से चिकित्सकों का एक दल गांव धोतर में ही है। मैंने स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक को सिरसा जाने के लिये कहा 23 फरवरी, 1997 को उन्होंने जिला के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारियों और उपायुक्त से विचार-विमर्श किया। उन्होंने प्रभावित गांवों का दौरा किया। मैंने स्वयं भी 7 मार्च, 1997 को क्षेत्र का दौरा किया। मौके पर स्थिति का अध्ययन करने के लिए पी०जी०आई० एम०एस० रोहतक से चिकित्सकों का एक दल भेजा गया। इस दल का नेतृत्व डॉ० एच०के० अग्रवाल ने किया। घर-घर सर्वेक्षण किया गया और पाया गया कि धोतर तथा इसके आस-पास के गांवों में छोटी-छोटी बीमारियों के लिए लोग इंजैक्शन लेते हैं और कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें एक आर०एम०पी० द्वारा एक ही सिरिंज से और दवाई की एक ही शीशी से दो से तीन रोगियों को इंजेक्शन दिये जाते थे।

219 व्यक्तियों के रक्त के नमूनों की जांच की गई है, जिसमें 22 मामले हैपाटाईटिस "बी" के लिए पोजीटिव पाये गये। जिले में 136 पैरा-मैडिकल दल भेजे गये हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के नेतृत्व में 5 सचल मैडिकल टीमें तथा कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में 5 मैडिकल निरीक्षक दल गांवों का दौरा कर रहे हैं। मैंने मुख्यालय से डॉ० मंगला को स्थिति का जायजा लेने के लिए सिरसा भेजा। उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त और एस०डी०एम० गांवों का दौरा कर रहे हैं और स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

26 जनवरी, 1997 को मंत्रिमण्डल की हुई बैठक में जिला सिरसा विशेषकर, गांव धोतर और इसके आस-पास के गांवों में हैपाटाईटिस "बी" के मामलों पर विचार विमर्श किया गया। आयुक्त, स्वास्थ्य ने बताया है कि हैपाटाईटिस "बी" के टीके उपलब्ध हैं, लेकिन यह महंगे हैं और एक व्यक्ति के लिए एक टीके की लागत एक हजार रुपये है। लोगों को एक बड़े पैमाने पर सरकारी कार्यक्रम के तौर पर टीकाकरण किया जाना संभव नहीं है। सरकार के ध्यान में लाया गया है कि देश में कहीं भी राष्ट्रीय कार्यक्रम के भाग के रूप में सरकार द्वारा इस प्रकार का टीकाकरण नहीं किया जाता। इसके बावजूद मंत्रिमण्डल ने यह विचार किया कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ऐसे दम्पतियों को जो हैपाटाईटिस "बी" से ग्रस्त हैं और जिनका रक्त परीक्षण नैगेटिव है, को विभाग द्वारा निःशुल्क टीके दिये जायेंगे। सरकार ने किसी विपदा का सामना करने के लिए टीकों के पर्याप्त भण्डार की व्यवस्था की है। आमतौर पर एक मोटे अनुमान के अनुसार लगभग 5 प्रतिशत जनसंख्या के रक्त में इसका संक्रमण है। स्वास्थ्य कार्मिक, विशेषकर डॉक्टर, नर्स, प्रयोगशाला तकनीशियन, फार्मासिस्ट, दन्त चिकित्सक जो हस्पतालों में मरीजों का ईलाज करते हैं और मरीजों के रक्त के सम्पर्क में आते हैं,उन्हें इस संक्रमण के होने के ज्यादा आसार रहते हैं। सर्वेक्षण से पता चला है कि 20 प्रतिशत से भी अधिक स्वास्थ्य कार्मिक इस संक्रमण से ग्रस्त हैं। स्वास्थ्य कार्मिकों में संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार ने 2500 स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए 25 लाख रुपये स्वीकृत किये हैं।पंडित भगवत दयाल शर्मा आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक के स्टाफ के 461 सदस्यों, जिनमें डॉक्टर, नर्स और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, जो बोतलें आदि धोने का काम करते हैं, का भी 13-1-96 से टीकाकरण किया गया है।

सम्पूर्ण जिला सिरसा में हैंडबिल्ज बांट कर और निजी सम्पर्क संचार के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य शिक्षा देने का कार्य शुरू किया गया है। मैडिकल स्टाफ को जब तक अति जरूरी न हो टीका न देने और जनता को टीका न लगवाने के लिये शिक्षित किया जा रहा है। लोगों को उनकी हाईजैनिक आदतों के बारे में सलाह दी जा रही है और जिस प्रकार एड्स के मामले में स्वच्छ जीवन व्यतीत करके बचावात्मक उपाय किए जा सकते हैं, उसी प्रकार के उपाय इसमें भी किए जायें। रक्त लेते समय विशेष सावधानी बरती जाए और यह लाईसैंस शुदा बैंक से ही लिया जाये और किसी किस्म का टीका लगवाने से पहले भी यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि सुई को अच्छी तरह से विसंक्रामित कर लिया है। हालांकि सरकारी कार्यक्रम के तहत हैपाटाईटिस का टीकाकरण नहीं किया जाता फिर भी जो अधिक सावधानी बरतना चाहते हैं उनको सलाह दी जाती है कि वे हैपाटाईटिस "बी" का टीकाकरण करवा लें।

इसके साथ ही जो लोग अतिरिक्त सावधानी रखना चाहते हैं, उन्हें हैपाटाईटिस "बी" वेक्सीन के तीन इंजैक्शन लगवाने की सलाह दी गई है। पहले टीके के बाद दूसरा टीका एक महीने के बाद और तीसरा टीका छः महीने के बाद लगवाया जाये।

हरियाणा के सभी रक्त बैंकों में रक्त की हैपाटाईटिस "बी" के लिए जांच की जाती है। यह आशा की जाती है कि इस बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा उठाए गए बचावात्मक पगों से बीमारी पर पूर्णतयः काबू पा लिया जायेगा। और तीसरा टीका छः महीने के बाद लगवाया जाये।

[श्री ओम प्रकाश महाजन]

हरियाणा के सभी रक्त बैंकों में रक्त की हैपाटाईटिस "बी" के लिए जांच की जाती है। यह आशा की जाती है कि इस बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा उठाये गए पगों से बीमारी पर पूर्णतयः काबू पा लिया जायेगा।

अनुलग्नक "ए"

क्रमांक	मृतक का नाम	गांव का नाम	मृत्यु की तिथि
1.	श्री रोहतास सपुत्र श्री जस्साराम	धोतर	18-12-1996
2.	श्री प्रेम अलाईज प्रभु सपुत्र श्री बहेन राम	धोतर	19-12-1996
3.	श्री मति कमलेश पत्नी श्री सुभाष	धोतर	4-1-1997
4.	श्री हरी सिंह (लम्बरदार)	बरवाला	7-2-1997
5.	श्री जीत राम सपुत्र हगारी राम	धोतर	19-2-1997
6.	श्री संतरी राम सपुत्र देवी लाल	धोतर	25-2-1997
7.	श्री हेम राज सपुत्र श्री बदरी राम	धोतर	25-2-1997
8.	श्री साधुराम सपुत्र श्री गोपाल	धोतर	20-2-1997
9.	श्रीमति बलजीत सपुत्री बलजिन्द्र	गिदड़ावाली	27-2-1997
10	श्री नरेश कुमार	रानियां	7-2-1997

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कुछ मरने वालों की सूची पेश की है, लेकिन सही मायने में अब तक मरने वालों की संख्या 20 से भी ज्यादा है। अगर आप ठीक समझें तो मैं उनके नाम, गांव का नाम, उम्र पिता का नाम वगैरह विवरण सूची पेश कर सकता हूं। मेरे पास लिस्ट है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि जिस आदमी को यह बीमारी है, उसको तीन टीके लगाए जाने जरूरी हैं जो बहुत महंगे हैं तथा ये 3 टीके एक-एक हजार रु0 के करीब कीमत के हैं। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि धोतर या आसपास के जिन गांवों में यह बीमारी फैली है, क्या वहां पर ये टीके लगवाएं गए हैं तथा किन-किन लोगों को लगवाए गए हैं ? मंत्री जी या डायरैक्टर के जाने से यह बीमारी खत्म नहीं हो जाती है या अगर कोई वहां पर डॉक्टर बिठा दिया जाए, उससे यह बीमारी खत्म नहीं हो जाती है। इनकी यह बात सही है कि ये वहां पर गए, लेकिन सिर्फ भाषण झाड़कर आ गए।

श्री अध्यक्ष : कृपया आप अपना प्रश्न पूछिए।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न ही पूछ रहा हूं। मंत्री महोदय जी की यह लिस्ट गलत है तथा मेरे हिसाब से मरने वालों की संख्या 20-21 है। दूसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं जैसे कि मंत्री जी ने भी माना है की इस बीमारी के मरीज 20-30 हो चुके हैं। इसलिए मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि अब तक इस बीमारी के कितने टीके लगवाए गए ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, 5-3-97 तक हमने खून के 258 परीक्षण किए, जिनमें 20 लोगों का परीक्षण पोजीटिव पाया गया। इसके बाद फिर हमने दूसरा सर्वेक्षण कराया तथा

बाकायदा एक टीम भेजी गई। 7 तारीख को मैं भी वहां पर गया था। अध्यक्ष महोदय, मैं भगवान से डरता हूं। माननीय सदस्य खुद मेरे साथ वहां चलें तथा अगर ये मरने वालों की संख्या 7-8 से ज्यादा दिखा दें तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। (थंपिंग) स्पीकर सर, सच्ची बात ही बोलनी चाहिए, मेरे पास पूरा रिकार्ड है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : श्री मनी राम जी, कृपया आप बैठिए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि कुल दस मौतें हुई हैं। सात मौतें धोतर गांव में हुई हैं। एक रानियां में, एक बेरांवाली में और एक गिदड़ांवाली में हुई है। 14 टीके हम लगा चुके हैं तथा जिन लोगों का परीक्षण पोजीटिव आया है, उसको टीका लगाओ या न लगाओ इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, अगर पति का पोजिटिव आया है तो उसकी पत्नी को टीका लगवाने जा रहे हैं। हम एक-दो दिन में ही ऐसा करने जा रहे हैं।

इसी तरह से अगर किसी की पत्नी का पोजीटिव आया है तो उसके पति को लगाने जा रहे हैं। हमने फिलहाल 14 टीके लगाए हैं।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। अभी हाउस में माननीय मंत्री जी सप्लीमेंटरी की रिप्लाई दे रहे थे तो उस दौरान हमारे माननीय सदस्य मलेरिया से मरने वाले व्यक्तियों की संख्या 10 से ज्यादा बता रहे थे। उस समय ट्रेजरी बेंचिज पर बैठे हुए माननीय सदस्यों ने अपनी मेजें थप-थपा कर यह जाहिर किया कि उन गरीब लोगों के मरने वालों की संख्या थोड़ी है। यह बहुत ही शर्मनाक बात है।

Mr. Speaker : This is no point of order. Please take your seat.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री जी ने इस बीमारी के उपचार का बड़ा विवरण किया और विवरण इस ढंग से किया जैसे वे एक क्वालिफाईड डॉक्टर हैं। प्रश्न इस बात का नहीं है कि वहां पर डैथस कितनी हुई हैं। लेकिन साईन यह है कि वहां पर डैथस बढ़ती जा रही हैं। हमने एक एडजर्नमेंट मोशन आपकी सेवा मे दायर की थी उसके बाद वहां पर मरने वालों की संख्या बढ़ी है। सवाल यह है कि सरकार की तरफ से वहां पर उस बीमारी को रोकने हेतु कोई प्रबंध किए गए या नहीं। अगर वहां पर वह बीमारी बढ़ती चली गई और उसने एक महामारी का रूप धारण कर लिया तो उसके बहुत गम्भीर परिणाम निकल सकते हैं। यह जनहित का मुद्दा है। सवाल यह नहीं है कि वहां पर कितने आदमी मरे हैं और उस बात पर मेजें थपथपाई जाएं और मंत्री महोदय गर्व और फख्र से यह कहें कि मैं रिजाईन कर दूंगा। इन्हें खुद इस बात की जानकारी करनी चाहिए कि वहां पर कितने आदमी मर चुके हैं। सवाल यह नहीं की इनकी बात सच्ची मानी जाए बल्कि प्रश्न यह है कि बीमारी को रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या प्रबन्ध किए गए हैं ताकि वह बीमारी और न बढ़े ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के माननीय नेता का एहतराम करता हूं। उन्होंने प्रश्न किया कि वहां पर उस बीमारी के कारण मौतें अब भी बढ़ती जा रही हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, इनकी तरफ से 5 तारीख को काल अटैंशन मोशन आई और 27 तारीख तक वहां पर भगवान की कृपा से कोई मौत नहीं हुई। मैं माननीय विपक्ष के नेता को बताना चाहूंगा कि जो वैकसीन का टीका है वह एक टीका एक हजार रुपये का है। अगर कैलकुलेशन करके सारे हरियाणा प्रदेश की जनता को यह टीका लगाया जाए तो कम से कम हमें अढ़ाई हजार करोड़ रुपए का प्रबन्ध करना पड़ेगा। इतने पैसे का सरकार के पास प्रावधान नहीं है। सरकार के पास क्या किसी के पास भी इतने पैसे का प्रावधान नहीं

[श्री ओम प्रकाश महाजन]

है। इसका एक ही तरीका है कि जब खून टैस्ट किया जाता है तो उस समय जिस आदमी का खून पोजिटिव होता है उसके परिवार वालों को यह टीका लगता है। सबसे जरूरी बात यह है कि यह रोग किस तरीके से फैलता है यह तीन कारणों से होता है। यह रोग ऐड्स की तरह होता है। यौन संबंध से, सूई दोबारा प्रयोग करने से और गंदा भोजन और गंदा पानी पीने से। हमने इस बारे में लाखों की संख्या में इश्तिहार छपवाए हैं और काफी गांवों में बंटवाए हैं। हमने उस पूरे जिले के अन्दर डॉक्टर्ज की 136 टीमें भेजी हैं। इसके इलावा वहां पर हमने वैकसीन के टीके फ्री रखे हैं।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि मड़िया साहब वहां पर जा कर आए हैं इसलिए इनको भी वैकसीन का टीका लगवाओ ताकि इनके अन्दर उस बीमारी के जो जीवाणु हैं वे मर जाएं । (हंसी)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री ने इसके उपचार का तो बहुत अच्छा विशलेषण किया है लेकिन यह नहीं बताया कि इस बीमारी के फैलने के मुख्य कारण क्या-क्या रहे हैं। ये यह नहीं बता पाए कि यह गन्दा पानी कहां से आया। गन्दे पानी से यह रोग होता है तो क्या सरकार को अपने नागरिकों को स्वच्छ पानी देने का प्रबंध नहीं करना चाहिए। यदि यह रोग गन्दे पानी से हुआ तो गन्दा पानी कहां से आया,इसका स्पष्टीकरण नहीं दे पाये। मंत्री महोदय ने कहा कि इस की रोक थाम के लिए एक इन्जैक्शन जो आता है वह 1000 रुपये का एक व्यक्ति को लगता है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार एक इंसान की कीमत एक हजार रुपये ही आंकती है। क्या सरकार का फर्ज नहीं कि वह लोगों की जानमाल की हिफाजत करे। चाहे इनको पैसे का प्रबंध कहीं से करना पड़े। सरकार की गलत नीतियों के कारण सरकार का राजस्व गलत जगह पर जा रहा है। इसकी तरफ ये ध्यान दें। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश महाजन : स्पीकर साहब, भारत सरकार की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार 100 में से 5 व्यक्तियों को यानी 5 प्रतिशत लोगों में ये जीवाणु हैं। जो लोग यहां पर बैठे हैं इनमें भी 5 प्रतिशत लोगों के अन्दर ये जीवाणु हैं। मैं बताना चाहूंगा कि ये जीवाणु हरेक को नुकसान नहीं करते। हजारों में से किसी एक व्यक्ति को यह बीमारी लगती है। मैंने पहले ही बताया है कि यौन संबंधों के कारण, गन्दा भोजन, गन्दा पानी पीने से या इसी बीमारी के किसी व्यक्ति का खून चढ़ने या उसकी यूज की हुई सूई को यूज करने से यह रोग होता है।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या हरियाणा प्रदेश के अन्दर इस रोग की रोकथाम और जांच करने के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाये गए हैं ताकि और लोगों में यह रोग न फैले। क्या सरकार की तरफ से पूरे प्रदेश में इसकी जांच के लिए और उपचार के लिए कोई धनराशि या माप दण्ड निर्धारित किए गए हैं ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी अर्ज किया है कि पूरे हरियाणा के अन्दर इस रोग की जांच के लिए आदेश दिए हुए हैं। इसके अलावा हम लोगों को कह रहे हैं कि वे इसकी जांच के लिए अपना खून टैस्ट करवायें। हमारे हर जिला हस्पताल के अन्दर रोग को चैक करने के लिए पूरा प्रबंध है और लोग चैक भी करवा रहे हैं।

वर्ष 1996-97 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now the Finance Minister will present the Supplementary Estimates for the year 1996-97.

Finance Minister (Shri Charan Dass) : Sir, I beg to present the Supplementary Estimates, 1996-97.

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Now Shri Narpender Singh, Chairman, Committee on Estimates will present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates, 1996-97.

Chairman, Committee on Estimates (Shri Narpender Singh) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates, 1996-97.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा

Mr. Speaker : Hon. Members, now the discussion on Governor's Address will take place. Shri Kapoor Chand Vaid, M.L.A. will move the motion.

श्री कपूर चन्द शर्मा (शाहबाद) : अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं प्रस्ताव पेश करता हूं — कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाए :—

"कि इस सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिये राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 5 मार्च, 1997 को सदन में देने की कृपा की है"

अध्यक्ष महोदय, 5 मार्च, 1997 को महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण को इसी सदन में बड़े ही प्रभावशाली ढंग से पढ़ा। हरियाणा सरकार ने अनेक पीढ़ियों से चल रही अनेक बीमारियों की जड़ शराब को बन्द करने का ऐतिहासिक एवं साहसिक निर्णय लिया। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव घोषणा-पत्र में और हरियाणा विकास पार्टी के चुनाव घोषणा-पत्र में हमने और हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने चुनावों के दिनों में जनता से यह वायदा किया था और घोषणा की थी कि सत्ता में आते ही हम शराब बन्द करेंगे। चौधरी बंसी लाल जी जब 11 मई को मुख्य मन्त्री बने तो सबसे पहला स्टैप यही लिया कि शराब बन्दी का काम किया। जनता से जो वायदा किया गया था इस सरकार ने सत्ता में आते ही सबसे पहले उसको पूरा किया। हमारे पूर्वजों ने, ऋषि-मुनियों ने शुरू से ही इस बुराई को पहचाना और वे इसे बन्द करने में लगे हुए थे। महात्मा गांधी, महात्मा बुद्ध, स्वामी दयानन्द और सुभाष चन्द्र बोस जैसी महान् विभूतियां भी इस बुराई को समाप्त करने के लिए अपने-अपने वक्त पर क्रियाशील रहीं। इसी प्रकार गुरू नानक जी भी अपने प्रयासों में लगे रहे और शराब जैसी बुराई को समाप्त करने के लिए अपने-अपने ढंग से कार्य करते रहे। गुरू नानक देव जी ने तो यहां तक कहा था :-

नशा भंग शराब का उतर जाए प्रभात,
नाम खुमारी नानका चढ़ी रहे दिन रात।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार का यह स्वप्न था और हमारे पूर्वजों का भी यही स्वप्न था जिसे हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही साकार किया है और जनता को इस सरकार से जो आशा थी सरकार ने उसको पूरा किया। शराब पीने के कारण अनेकों प्रकार के संकट उत्पन्न होते रहे हैं। आए दिन लोग शराब पी कर सड़कों पर और गलियों में पड़े रहते थे या वहां पर हुड़दंग करते रहते थे और हमारी माताओं-बहनों के साथ आए दिन अत्याचार होते रहते थे। शराब बंदी के बाद इस पर काफी हद तक रोक लगी है। इसी प्रकार से शराब पी कर ड्राईवर अपनी गाड़ियों को चलाते थे जिसके कारण अनेकों एक्सीडैंटस आए दिन होते रहते थे। इस शराब बन्दी के लागू होने से एक्सीडैंटस की रेशो में काफी कमी

[श्री कपूर चन्द शर्मा]

हुई है। शराब पी कर लोग पहले सड़कों पर मिला करते थे लेकिन अब वह स्थिति नहीं है। शराब के कारण प्रदेश में अशांति का जो माहौल बना हुआ था वह समाप्त हो गया है। शराब पी कर लड़ाई-झगड़े आदि के जो केस थानों में आया करते थे उसमें भी काफी कमी हुई है। अध्यक्ष महोदय, शराब बन्दी जैसा कार्य कर के हमारी सरकार ने बहुत ही प्रशंसनीय और सराहनीय कार्य किया है जिससे प्रदेश में विकास और प्रगति की गति तेज हुई है। शराब बन्दी से पहले शराब पी कर लोग मार पीट किया करते थे। हुल्लड़बाज़ी किया करते थे स्कूल और कॉलेज जाने वाली लड़कियों को तंग और परेशान किया जाता था। उन्हें छेड़ने की जो घटनाएं होती थीं, वह अब नहीं होती हैं। शराब पी कर ड्राईवर्ज़ वाहन चलाते रहे हैं जिसकी वजह से एक्सीडैंट्स होते रहते थे। कई भाई कहते हैं कि हम शराब नहीं पीते अगर कोई शराब पीता है तो हमें क्या फर्क पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात नहीं है इससे कई बार दूसरे लोग भी प्रभावित होते हैं। मुझे कुरुक्षेत्र की ही दो वर्ष पहले की घटना याद आती है। ड्राईवर शराब पी कर गाड़ी चला रहा था और उस बस में 65 सवारियां थीं। शराब पीए हुए होने के कारण गाड़ी से उसका सन्तुलन बिगड़ गया और गाड़ी बेकाबू हो कर नहर में जा गिरी जिससे 65 सवारियों की अचानक अकाल मृत्यु हो गई। शराब उसने पी लेकिन उसके शराब पीने का खामियाजा बस में सवार लोगों को अपनी जान की कीमत दे कर चुकाना पड़ा। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से कुरुक्षेत्र के एक जमींदार के पास ट्रैक्टर लेने के लिए पूरा पैसा नहीं था। पता नहीं कैसे जोड़-तोड़ करके उसने पैसे का प्रबन्ध किया। दोस्तों और रिश्तेदारों से पैसा उधार लिया और अपने एक रिश्तेदार के साथ वह ट्रैक्टर लेने गया। जब ट्रैक्टर ले कर आए तो पिपली में बैठकर उन्होंने शराब पी। कुरुक्षेत्र का जो पुल है उस पर से वे गुजर रहे थे और शराब के नशे में धुत्त थे। यूनिवर्सिटी की तरफ से दो लड़के मोटर साईकिल पर सवार होकर आ रहे थे उनको टक्कर मारी जिससे मोटर साईकिल पर सवार एक लड़के की बाजू टूट गई और दूसरे लड़के को भी गम्भीर चोट पहुंची। नशे के कारण ट्रैक्टर बेकाबू हो कर नीचे गिरा जिससे उस पर बैठे दोनों व्यक्तियों की जान भी गई और ट्रैक्टर भी टूट गया। मेरे कहने का अर्थ है कि इस प्रकार से शराब बन्दी का काम करके हमारी सरकार ने बहुत ही सराहनीय और प्रशंसनीय कार्य किया है जिसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। इन सभी दुर्घटनाओं को रोकने में शराब बन्दी के बाद गुणात्मक कामयाबी मिली। ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों में विशेषकर पिछड़ी बस्तियों में जो त्राही होती थी वह बंद हो गई है। छोटी बस्तियों में ग्रामों में शराबी अपनी पत्नियों को मारते थे इस बारे में आए दिन शिकायतें आती थीं, वे बन्द हो गई हैं। आज वे बहनें, माताएं और बेटियां हमारी सरकार को बधाई देती हैं और इस सरकार के गुण गाती हैं और कहती हैं कि अब हम सुख की नींद सोते और भर पेट रोटी खाते हैं। जब से शराब बन्दी हुई है हमारी जमीनें बच गई हैं। (विघ्न) आज हरियाणा में काफी हद तक शराब बन्दी हुई है। अगर आप सब भाईयों का सहयोग मिले तो यह पूर्ण रूप से बन्द हो सकती है। (विघ्न) पूज्य महात्मा गांधी जी ने कहा था कि अच्छा लक्ष्य प्राप्त करने के लिए साधनों का अच्छा होना बहुत जरूरी है। तो इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमारी सरकार ने छः सौ करोड़ का वार्षिक घाटा वहन करने का फैसला किया है और लोगों को राहत दिलाई है। महामहिम राज्यपाल महोदय ने इस बारे में अपने अभिभाषण में उल्लेख किया है। इसके लिए मैं राज्यपाल महोदय का धन्यवाद करता हूं और उनको इस बारे में बधाई देना चाहता हूं। चालू वित्त वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक राशि इस सरकार ने रखी है।आगामी 1997-98 के वित्त वर्ष में 1576 करोड़ रुपए देकर प्रगति की अत्याधिक गति रखी है। कर चोरी पर नियन्त्रण करके इस सरकार ने करों की बकाया वसूली करने के लिए जोर देकर उचित कदम उठाया है। परिवहन, माल करों तथा मनोरंजन कर के रूप में जनवरी महीने तक सरकार ने 1308 करोड़ रुपए वसूल किए हैं जो कि गत वर्ष के इसी

समय की तुलना में अधिक है। अध्यक्ष महोदय, हम जानते हैं कि गत वर्षों में पहली सरकार ने बिजली की समस्या को सुलझाने के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया। परिणाम स्वरूप बिजली की समस्या विकट होती गई। इसमें सुधार लाने के लिए हमारी वर्तमान सरकार ने 25-25 मैगावाट बिजली उत्पादन करने की क्षमता रखने बाले 41 यूनिट्स निजी क्षेत्रों में लगाने का प्रस्ताव पारित किया है जो कि सराहनीय है और प्रशंसनीय है। केन्द्र सरकार ने 860 मैगावाट बिजली उत्पादन के लिए तरल ईंधन संचालित योजना आबंटित की है। इस योजना के तहत आगामी आठ मास में यह उत्पादन शुरू होगा और बिजली की समस्याओं को सुलझाने में उल्लेखनीय और गुणात्मक राहत मिलेगी। बिजली हरियाणा में मिलने से हमारे जमींदार, हमारे किसान भाई तथा हमारे उद्योगपति, सब को फायदा होगा अगर उनको फायदा होगा तो इससे हरियाणा का विकास होगा। हरियाणा की प्रगति होगी और जनता का कल्याण होगा। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में यह भी लिखा है कि रजबाहों, खालों तथा ड्रेनों से गाद निकालने के लिए चौधरी बंसी लाल की सरकार ने प्रयास किए हैं और इस काम को प्राथमिकता दी है। इस सरकार ने उसकी सफाई की है जिससे सिंचाई का पानी अंतिम छोर तक पहुंचाने में सफलता मिली है। हरियाणा में इस ओर ध्यान देना बहुत जरूरी था। इस बारे में हरियाणा की जनता का ध्यान आकर्षित करने पर मैं राज्यपाल महोदय का धन्यवाद करता हूं। स्पीकर साहब, औद्योगिक क्षेत्र में चालू वित्त वर्ष के दौरान 21 बड़े एवं मंझोले तथा 3870 लघु औद्योगिक इकाईयों की स्थापना होनी है। सरकार ने 10 नए व्यवसायिक संस्थान खोलकर रोजगार को शिक्षा के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। (विघ्न)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कपूर चन्द शर्मा: अध्यक्ष महोदय, नए संस्थान खोलने से इस दिशा में ठोस प्रगति होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। विकास की चहुंमुखी प्रगति के लिए सरकार के संकल्प को प्रकट करने वाले राज्यपाल के अभिभाषण का मैं अपनी ओर से तथा हविपा और भाजपा की गठबन्धन सरकार की ओर से समर्थन करता हूं और धन्यवाद करता हूं। इसके साथ ही मैं राज्यपाल महोदय को भी बधाई देता हूं। जय भारत।

Mr. Speaker : Now Anil Vij will second the motion.

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी) : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय का धन्यवाद प्रस्ताव पारित करने के लिए जो विधायक कपूर चन्द जी ने प्रस्ताव सदन के सामने रखा है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय का अभिभाषण एक संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हर साल बजट सत्र के आरंभ में दिया जाता है। राज्यपाल महोदय का जो अभिभाषण होता है वह उस सरकार की पिछले वर्ष की कार गुजारी दिखाने वाला होता है। यह अभिभाषण यह भी परिलक्षित करता है कि आने वाले समय में सरकार क्या-क्या कल्याणकारी योजनाएं बना रही है तथा सरकार अपने प्रान्त की जनता को क्या-क्या सुविधाएं प्रदान करने जा रही है, यह सब राज्यपाल महोदय का अभिभाषण बताता है। अध्यक्ष महोदय, आज हमारे देश में भिन्न-2 प्रान्तों में भिन्न-2 राजनैतिक पार्टियों की सरकारें हैं। पंजाब में अकाली दल एवं भारतीय जनता पार्टी की मिली जुली सरकार है, राजस्थान एवं दिल्ली में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं एवं बिहार में लोकदल की सरकार है। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से अलग-अलग प्रान्तों में अलग-अलग राजनैतिक पार्टियों की सरकारें विधमान हैं तथा इन अलग-अलग प्रान्तों में अलग-अलग पार्टीज की सरकारों की प्रियोरटीज भी अलग-अलग ही है। इनके सोचने का तरीका भी अलग-अलग ही है तथा इनकी कार्य प्रणाली भी अलग-अलग ही है। यह उन राजनैतिक पार्टियों के

[श्री अनिल विज]

सोचने पर ही निर्भर करता है कि वे अपने- अपने प्रान्त की जनता को किस ओर ले जाना चाहती हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारी इस सरकार के अभिभाषण पर गौर करेंगे तो आप पाएंगे कि इस अभिभाषण में सबसे ज्यादा जोर और सबसे बड़ी बात शराबबन्दी की कही गई है। अध्यक्ष महोदय, यह केवल नारा देने वाली बात नहीं है बल्कि मुख्यमंत्री जी ने सत्ता में आने के बाद इसको पूरी तरह से पूरा भी किया है। मैं तो इस बारे में समझता हूं कि यह एक संवैधानिक जिम्मेदारी है क्योंकि यह बात हमारे संविधान में डायरैक्टिव प्रिंसीपल में भी रखी गयी है। अध्यक्ष महोदय, डायरैक्टिव प्रिंसीपल वह होते हैं जिनके तहत संविधान के अनुसार राष्ट्र को देश को एवं समाज को एक अच्छाई की ओर, एक ऊंचाई की ओर ले जाने के लिए प्रेरित किया जाता है। हालांकि डायरैक्टिव प्रिंसीपल्ज कोई कानूनी बाध्यता नहीं हैं लेकिन फिर भी वे अनिवार्य होते हैं। अगर कोई सरकार इनके विरुद्ध चलती है तो उसको ऐंटी कांस्टीच्यूशनल भी कहा जाता है और उसके ऊपर ऐंटी कांस्टीच्यूशनल होने का आरोप भी लगाया जा सकता है। तथा इसी के तहत उसके ऊपर मुकदमा भी चलाया जा सकता है।अध्यक्ष महोदय, डायरैक्टिव प्रिंसीपल की प्रेरणा हमें पब्लिक से मिली और ये तीन कैटेगरीज में हमारे संविधान में उल्लिखित किए गए। एक तो इनका सोशलिस्टक पैट्रन है और दूसरा इनका गांधीयन पैट्रन है एंव तीसरा लिबरल पैट्रन है। अध्यक्ष महोदय, सोशलिस्टक प्रिंसीपल के तहत इनमें यह निहित किया गया कि भारत सरकार देश के आजाद होने के बाद अपने संविधान को अंगीकार करें। इनके तहत सरकार अपने देश और अपने देश के लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करेगी एवं महिलाओं और पुरुषों को समान रूप से देखेंगी तथा कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करेगी इत्यादि, इत्यादि। अध्यक्ष महोदय, यह जो सौशलिस्टक डायरैक्टिव प्रिंसीपल थे यह सब उन्हीं के तहत रखा गया था। इसी प्रकार ये गांधीयन प्रिंसीपल रखे गऐ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का एक दृष्टिकोण था और वह यह कि वे देश को आजाद कराने के बाद उसे किसी एक दिशा की ओर ले जाना चाहते थे। वे देश को आजाद कराने के बाद केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं बनाना चाहते थे। बल्कि वे देश का, समाज का और देश के लोगों के चरित्र निर्माण के लिए अच्छे नागरिकों के नाते के रूप में निर्माण करना चाहते थे। इसलिए जो उनके विचार थे जो प्रिंसिप्लज जिनके लिए उन्होंने संघर्ष किया, उनको भी डायरैक्टिव प्रिंसीपल में रखा गया। उनमें विशेष था पंचायत सिस्टम को सुदृढ़ करना और आजादी के बाद हमने इस दिशा में काफी काम किया। उनकी इच्छा थी कि आजादी प्राप्ति के बाद जो वीकर सैक्शन है जो अनुसूचित जाति के लोग हैं, जो हमेशा से समाज में पीछे रह गए, उनको आगे लाने के लिए विशेष प्रयत्न किया जाए और उस दिशा में काफी काम किया गया। उनकी यह भी इच्छा थी कि देश आजाद होने के बाद काऊ स्लॉटर पर प्रतिबन्ध लगाया जाए यद्यपि इस दिशा में पूरे तौर पर कोई राज्य सरकार काम नहीं कर पाई हैं लेकिन उसको भी डायरैक्टिव प्रिंसिपल में रखा गया और यह भी रखा गया कि देश आज़ाद होने के बाद देश में नशा बन्दी को लागू किया जाए। अध्यक्ष महोदय, यह एक संवैधानिक औब्लीगेशन थी, संवैधानिक कर्तव्य था जिसको मुख्यमंत्री जी ने शपथ लेने के बाद हमारे प्रान्त में लागू किया। मैं समझता हूं कि हम सबको दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मुख्यमंत्री जी के इस साहसिक कदम का समर्थन करना चाहिए जिन्होंने अपने राज्य के 600 करोड़ रुपये के रैवेन्यू के नुकसान को भी बर्दाश्त करते हुए अपने संवैधानिक औब्लीगेशन को पूरा करने के लिए प्रयत्न किया। नशाबंदी के बारे में काफी कुछ कहा जाता है। अभी दो दिन पहले हमारे साथी बीरेन्द्र सिंह जी का परिपत्र भी सभी विधायकों को वितरित हुआ और उसमें काफी कुछ कहा गया कि हमें पुनर्विचार करना चाहिए, हमें दोबारा सोचना चाहिए कि हमने नशाबंदी का ठीक निर्णय किया या गलत किया? समाचार पत्रों में भी राजनीतिक पार्टियों के तरह-तरह के ब्यान आते रहते हैं कि

शराबबंदी पूरी तरह से विफल रही है इसका कोई लाभ नहीं हुआ, उल्टे और प्रकार के क्राइम बढ़ गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि केवल चन्द घटनाओं को लेकर हम एक नीति को क्रिटीसाइज नहीं कर सकते। जब से यह समाज बना, जब से सरकारें वजूद में आईं हत्याएं तब भी होती थीं और सरकारों के वजूद में आने के बाद भी होती हैं लेकिन फिर भी इस आधार पर हम यह नहीं कह सकते कि हत्याओं का कानून बंद कर देना चाहिए। इस कानून का उल्लंघन होता है फिर भी हम कभी नहीं कहते कि उसे बंद करना चाहिए या पुनर्विचार करना चाहिए। लेकिन शराब के लिए कहा जाता है, क्योंकि कुछ राजनीतिक पार्टियों के शराब से हित जुड़े हुए हैं, इस कारण से वे इस प्रकार का प्रचार करते हैं कि शराबबंदी से प्रदेश में कोई लाभ नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आज जैसा मेरे से पूर्व बोलते हुए मेरे साथी वैद्य कपूर चंद जी ने कहा कि क्राइम रेट में गिरावट आई है, ऐक्सीडैंट्स में गिरावट आई है, लड़ाई झगड़ों में गिरावट आई है। अब रात को सुख चैन से बाहर निकला जा सकता है, आज कहीं हुल्लड़ बाजी नहीं होती। मैं दूसरों की बात नहीं कहता मैं खुद अपनी बात कहना चाहता हूं। हम सामाजिक आदमी हैं राजनीतिक आदमी हैं शहर में कोई झगड़ा-लड़ाई होती है तो उसमें हमें बुलाया जाता है। मुझे याद नहीं कि शराब बंदी की तारीख से पहले कोई रात ऐसी बीती होगी जिसमें मुझे न बुलाया जाता हो लेकिन शराबबंदी की तारीख के बाद मैं आराम से सुख चैन की नींद सोता हूं और मैंने कभी नहीं सुना कि कहीं कोई झगड़ा हुआ हो। लेकिन राजनीतिक कारणों से इसका विरोध किया जाता है और लोगों को बताया जाता है कि नशाबंदी की योजना पूरी तरह से विफल हो गई है, पूरी तरह से नाकामयाब हो गई है। मैं मानता हूं और पिछले सदन में मुख्यमंत्री जी ने भी माना था कि मुझे शराबबंदी में 85 प्रतिशत सफलता हासिल हुई है, अभी 15 प्रतिशत सफलता नहीं मिली है। मैं भी मानता हूं कि चोरी-छिपे, कहीं किसी प्रकार से कोई शराब बेचता होगा। (विघ्न)

डॉ० वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। मैं माननीय सदस्य से जानना चाहता हूं कि यह इन्हें किस ऐजेन्सी से पता चला कि 85 प्रतिशत सफलता मिली है।

श्री अध्यक्ष : आप रूल्ज़ देखना कि प्वायंट ऑफ आर्डर क्या होता है। कृपया बैठ जाईये।

श्री अनिल विज : पिछले सदन में मुख्यमंत्री जी ने इस सदन में कहा था कि 85 प्रतिशत सफलता हमें शराब बन्दी में प्राप्त हुई है। हम मानते हैं कि 15 प्रतिशत अब भी शराब की स्मगलिंग हो रही है। शराब प्रदेश में चारों तरफ से आ रही है। इस के लिए सरकार को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता है। इसके लिए हम सभी जिम्मेदार हैं। हम अपने दिल पर हाथ रख कर देखें कि कितने ऐसे लोग हैं जिन्होंने शराबबन्दी लागू होने के बाद शराब पीनी बन्द कर दी है। इसके लिए सरकार को दोषी ठहराना उचित नहीं है। पिछले 50 साल से हमारा देश हर प्रकार के भ्रष्टाचार से ग्रस्त रहा है। आज शराब पीने से उन अधिकारियों को, उन कर्मचारियों को और उन मंत्रियों को कौन रोकेगा ? ये सब लोग कहां से आते हैं क्योंकि हमारे प्रदेश में रॉ मैटिरियल ऐसा है कि अच्छे कर्मचारियों और अच्छे अधिकारियों को लाना बहुत मुश्किल हो गया है। न ही हमारे यहां अच्छे इंजीनियर आ रहे हैं। सरकार ने नशाबन्दी को लागू करके एक साहसिक कार्य किया है। क्योंकि यह केवल चुनावों में वोट लेने की बात नहीं है, यह तो लोगों को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने की बात है। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाषण में शराबबन्दी का वर्णन किया है। मैं उनका बहुत-बहुत आभारी हूं। मैं सदन के सभी साथियों से प्रार्थना करना चाहता हूं कि उन्हें राजनीतिक परिपाटी से ऊपर उठ कर और अपनी सोच से ऊपर उठ कर इस का समर्थन करना चाहिये। हम सब को इस कार्यक्रम को कामयाब बनाना चाहिये। यह हमारी कांस्टीच्यूशनल आबलिगेशन है। चौधरी बंसीलाल ने शराब बन्दी को लागू करके एक साहसिक काम किया है और इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं।

[श्री अनिल विज]

अध्यक्ष महोदय, किसी प्रान्त का विकास अनेक मुद्दों पर निर्भर करता है। जैसे उस प्रान्त की आर्थिक व्यवस्था कैसी है, उस प्रान्त की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक व्यवस्था कैसी है। इनके माध्यम से प्रदेश की उन्नति की जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, अगर इस अभिभाषण को पढ़कर हम एक परिकरण में जायें तो हम देखेंगे कि एक प्रान्त को, जनता को और प्रदेश को एक उज्जवल भविष्य की ओर ले जाना चाहिए। इस बारे में इस अभिभाषण में विस्तार से चर्चा की गई है। क्योंकि हरियाणा में 60-65 प्रतिशत जनता देहातों में रहती है इसलिए एग्रीकल्चर को प्रभावी बनाना चाहिये। उसके बारे में इसमें चर्चा की गई है। अध्यक्ष महोदय, किसी भी प्रदेश की सम्पन्नता उस प्रदेश की बिजली की स्थिति पर निर्भर करती है। हमारे प्रान्त में जल के निकास के लिए बिजली पर निर्भर रहना पड़ता है। हमारे पास इसके अलावा कोई दूसरा साधन नहीं है। किसानों को भी बिजली पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है। इसीलिए किसानों के लिए बिजली बहुत महत्वपूर्ण है। इसी प्रकार से शहरों में कारखानों को चलाने के लिए बिजली की आवश्यकता होती है। क्योंकि कारखाने लगेंगे तो उसमें लोगों को रोजगार मिलेगा और रोजगार मिलेगा तो प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी। प्रत्येक व्यक्ति की आय बढ़ेगी तो प्रदेश में समृद्धि बढ़ेगी और प्रदेश में समृद्धि बढ़ेगी तो और नई परियोजनाएं प्रदेश में स्थापित हो सकेंगी और प्रदेश की उन्नति और विकास हो सकेगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली के बारे में काफी चर्चा समाचार पत्रों में भी चलाई जा रही है। गवर्नर महोदय ने भी अपने अभिभाषण में बिजली के बारे में चिन्ता व्यक्त की है। उन्होंने बताया है कि 14 स्थानों पर फ़्यूल बेस्ड जनरेटर लगाये जायेंगे। प्राईवेट कम्पनियों को लाईसैंस जारी कर दिये हैं और केन्द्र सरकार ने 860 मैगावाट बिजली के लिए तेल ईंधन का कोटा निर्धारित कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, उसके तहत फ़रीदाबाद में 400 मैगावाट क्षमता की परियोजना लगाने जा रहे हैं। [16.00 बजे] पानीपत की छठी यूनिट को 210 मैगावाट की लगाने जा रहे हैं। और जो मौजूदा 4 यूनिट्स पानीपत थर्मल प्लांट की हैं उनकी भी क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयत्न करने जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, बिजली की चर्चा करते हुए एक बात मैं जरूर कहना चाहता हूं कि सरकार ने बिजली के सुधारीकरण के बारे में सोचना शुरू किया है। (विघ्न) सुधारीकरण से कुछ लोगों को कष्ट हो रहा है लेकिन यह जनता के हित में है तथा जनता ने इसका वैल्कम किया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज बिजली के क्षेत्र में वास्तव में ही बहुत सुधारों की आवश्यकता थी। पहला कदम शराबबंदी का उठाने के बाद, दूसरा कदम मुख्यमंत्री महोदय ने बिजली के सुधार के लिए उठाया है क्योंकि इसकी बहुत ही आवश्यकता थी। अगर तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो पता चलेगा कि हमारे प्रदेश में जो बिजली की स्थिति थी, जो जनरेटिंग सैट्स की उत्पादन क्षमता की स्थिति थी तथा हमारे प्रांत में जो लाईन-लौसिज़ थे, उसके आधार पर इसकी आवश्यकता थी। आंकड़ों के मुताबिक 31 प्रतिशत लाईन-लौसिज़ हमारे प्रांत में हैं तथा हमारे साथ लगते प्रांत में 18 प्रतिशत लाईन-लौसिज़ हैं। (विघ्न) मैं आंकड़ों के आधार पर बता रहा हूं। (विघ्न) आपके समय में 40 प्रतिशत लाईन-लौसिज़ रहे होंगे, इस बारे में आपको मालूम होगा। (विघ्न) कैप्टन साहब, 31 प्रतिशत लाईन लौसिज़ हमारे प्रांत में हैं और जो एन०टी०पी०सी० है, उसने भी 15 प्रतिशत लाईन लौसिज़ हिंदुस्तान में माने हैं लेकिन हिंदुस्तान में मौजूदा लाईन-लौसिज़ 22 प्रतिशत हैं। उस नाते भी मैं समझता हूं कि हमारे प्रांत में लाईन-लौसिज़ सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ-साथ ट्रांसमिशन के क्षेत्र में भी सुधार किया जाना था। (विघ्न) इसके लिए आप सभी जिम्मेवार हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, आप अपनी बात कहिए, बहिन जी के समय में कितने लाईन-लौसिज़ रहे हैं, ये ही जानें।

श्री अनिल विज : मैं अच्छी तरह से सोच-समझ कर ही बात कह रहा हूं क्योंकि आज बिजली की स्थिति को देखते हुए इसमें सुधारों की अत्यंत आवश्यकता थी।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। अगर कोई भी माननीय सदस्य सदन में बोलता है तथा अगर उसको कोई आंकड़े देने होते हैं तो वह तथ्यों के आधार पर ही होने चाहिएं अन्यथा वह ये आंकड़े नहीं दे सकता। अभी कुछ दिनों पहले खुद बिजली बोर्ड के प्रवक्ता ने यह कहा था कि हमारे लाईन-लौसिज 40 प्रतिशत तक हो जाते हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker : This is no point of order. Please take your seat.

Shri Birender Singh : Speaker, Sir. There is a point of order. He cannot mislead the House. The Hon'ble Member has no right to mislead the House. Whatever he is to speak, he should speak on facts.

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की जानकारी के लिए मैं बताना चाहता हूं कि अनिल विज जी इतने काबिल विधायक हैं कि दूसरी बार इस सदन में आए हैं और इन्होंने जो लाईन-लौसिज के बारे में कहा he is very much authentic on this issue. He has said that in N.T.P.C., there are only 15% line losses. In Haryana, during the regime of previous Government, line losses were 40% but now these have come down to 31%. He is very authentic on this issue.

Shri Bireder Singh : The Hon'ble member has said three things. One is that line loses are 30%..............." (Interruptions)

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री गणेशी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि आज के इंडियन एक्सप्रेस में सी०ए०जी० की रिपोर्ट छपी है उसकी बिनाह पर मैं अपने माननीय सदस्य का समर्थन करता हूं और विपक्ष के नेता से विरोध करना चाहूंगा कि माननीय सदस्य अनिल विज तथ्यों के आधार पर आंकड़ों का अनुमोदन करने के लिए खड़े हो कर अपना वक्तव्य दे रहे हैं। यह रिपोर्ट मैं आपके सामने रख देता हूं यह सी०ए०जी० की रिपोर्ट है। आप चाहें तो मैं इसको पढ़ सकता हूं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : आप यह अखबार दिखा रहे हैं, यह कोई रिपोर्ट थोड़े ही है।

श्री गणेशी लाल : यह अखबार नहीं है यह सी०ए०जी० की रिपोर्ट सैंट्रल इलैक्ट्रिसिटी अथोरिटी के बारे में है। I can read this report.

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, अखबार दिखाने वाली कोई नई प्रथा नहीं है।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, रंज सपूत देता है तो खुदा याद आता है। अभी तो बात ही शुरू नहीं हुई और इनको तकलीफ होने लग गई।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश के अन्दर पहले से ज्यादा शराब बिक रही है। अगर पहले से ज्यादा शराब बिकती है तो क्या आप शराब खोल देंगे। यह कोई बात थोड़े ही है। एक सरकारी अदायरे के लाईन लौसिज ज्यादा हैं तो क्या उसको प्राइवेट लोगों के हवाले कर देंगे। This is no argument.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, प्रश्न इस बात का नहीं है। मैं यह कहने का प्रयास कर रहा हूं और आपके सामने बताने की कोशिश कर रहा हूं कि हो सकता है मेरे अनुमानित आंकड़ों में एक या दो परसैंट यह ऊपर नीचे हो इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता। मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे प्रदेश की बिजली की व्यवस्था में अत्यधिक सुधार की आवश्यकता है इसलिए मुख्य मंत्री महोदय ने इस दिशा में कदम उठाने आरम्भ किए हैं। मैं जानता हूं कि जब हम बिजली में सुधार की बात कहेंगे और बिजली

[श्री अनिल विज]

के सुधारीकरण का जिक्र करेंगे तो मेरे कुछ साथियों को तकलीफ होना स्वाभाविक है। इनको वह तकलीफ जरूर होगी और उसको किसी न किसी तरीके से ये व्यक्त करने की कोशिश करेंगे। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारे प्रदेश में अन्य प्रान्तों विशेषकर हमारे साथ लगते हुए प्रान्तों से लाइन-लौसिज बहुत अधिक हैं। हमारे प्रान्त में बिजली की जो ट्रांसमिशन लाईन्ज हैं उनको जिस स्तर का होना चाहिए था वह आज उस स्तर की नहीं हैं। उनमें बिजली की कैरिंग कैपैसिटी ज्यादा नहीं है। आज अगर हम अपने पड़ोसी प्रान्तों या दूसरे प्रान्तों से बिजली लेना चाहें तो हमारी ट्रांसमिशन लाइन्ज की इतनी क्षमता नहीं है कि उनके माध्यम से हम अपने पड़ोसी प्रान्तों से बिजली ला सकें। लेकिन हमें बिजली की आवश्यकता तो है। हमें बिजली तो चाहिए। बिजली कारखाने लगाने के लिए चाहिए मजदूरों को रोजगार देने के लिए चाहिए और किसानों को उनके ट्यूबवैलों की मोटरें चलाने के लिए चाहिए तो जब तक बिजली में सुधार नहीं किया जाएगा तब तक हम बिजली कहां से ले कर आएंगे। बिजली के सुधारीकरण में अगर अधिक धन नहीं लगाया जाएगा तो बिजली कहां से आएगी। अध्यक्ष महोदय, मैं कोई अर्थशास्त्री नहीं हूं लेकिन बिजली में सुधार करने की आवश्यकता है। हमारे प्रदेश में जितने 220 के०वी०, 66 के०वी० और 33 के०वी० सब-स्टेशंज चाहिएं आज उतने नहीं हैं। वोल्टेज स्टैप-अप करने के लिए आज हमें जितने कैपेसिटेटर बैंक चाहिएं, उतने नहीं हैं। वह अधिक कहां से होंगे अगर हम बिजली में सुधार नहीं करेंगे और उसके सुधारीकरण करने पर अधिक धन नहीं लगाएंगे। बिजली के सुधार के लिए धन कहां से आएगा। हमारे बिजली बोर्ड के पास तो इतना पैसा नहीं है और हमारे प्रदेश की सरकार भी इतना पैसा नहीं लगा सकती। केन्द्रीय सरकार उसके लिए हमें धन नहीं दे रही है। जितनी भी फाइनैंशियल इंस्टीच्यूशंज हैं उनमें घाटा है। आज घाटे के काम में कोई भी अपना धन लगाने के लिए तैयार नहीं है। अब हमारे पास धन कहां से आयेगा। इस काम के लिए हमें धन की बहुत आवश्यकता है इसके बिना हम अपने बिजली बोर्ड का सुधार नहीं कर सकते। आज बिजली बोर्ड के सुधार करने की सख्त जरूरत है इसको प्राथमिकता देनी जरूरी है। आज बिजली हर काम के लिए चाहिए। जब बिजली चाहिए तो इसका सुधार होना चाहिए और इसके लिए पैसा चाहिए। हमारे पास धन दो तरीके से आ सकता है, यदि बोर्ड के पास धन नहीं है तो एक तो हम प्रदेश पर टैक्स लगा कर धन जुटाएं या फिर हम लोगों को अधिक से अधिक बिजली बोर्ड में पैसा निवेश करने के लिए आमंत्रित करें। मैं समझता हूं कि इसके बिना धन का कोई और रास्ता नजर नहीं आता। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, बिजली की स्थिति बारे जिस प्रकार से मैंने वर्णन किया है उसमें एक बात और बताना चाहता हूं कि बिजली की स्थिति में किस प्रकार से गड़बड़ होती है। मैं बताना चाहूंगा कि पिंजौर में 66 के०वी० का सब-स्टेशन लगा हुआ है। इस सब-स्टेशन से चण्डीगढ़ बिजली देते हैं। 1970-72 से हम इस सब स्टेशन के माध्यम से चण्डीगढ़ को बिजली दे रहे हैं लेकिन अध्यक्ष महोदय, पिछले दस सालों से मैं अनुमानित फिगर्ज दे रहा हूं, इसमें घटोतरी-बढ़ोतरी हो सकती है। वहां पर हमारा 6-7 करोड़ रुपया चला गया क्योंकि उसको देखने के लिए हमारे पास कोई मीटर नहीं था कि हम कितनी बिजली प्रति दिन दे रहे हैं इसलिए इस प्रकार की बातों को देखते हुए इसमें सुधार करने की बहुत अधिक आवश्यकता है (विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आप इनको कहें कि ये बीच में टोका-टोकी न करें। जब इनको बोलने का मौका मिले तो यह अपनी बात कह लें। इस तरह से बीच में टोका-टोकी करना कोई अच्छी बात नहीं है।

श्री अध्यक्ष : मेरा सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे बीच में कोई टोका-टोकी न करें। अच्छी तरह से सबकी बात सुनें और अपनी बात कहें।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपनी बात कहना चाहता हूं और मैं समझता हूं कि मुझे अपनी बात कहने का पूरा अधिकार है। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैं बता रहा हूं कि आज हमारे प्रदेश के अन्दर बिजली की हालत बहुत खराब है। मेरे साथियों को लगता है कि बिजली की स्थिति ठीक है तो जब ये अपनी बात कहें तो उस समय कह लें लेकिन बीच में न बोलें। मुझे लगता है कि हमारी बिजली की हालत बहुत खराब है और इसमें बहुत सुधार करने की आवश्यकता है। मैं आपके माध्यम से इस मुद्दे के ऊपर अपनी बात कहनी चाहूंगा कि आज जो बिजली बोर्ड के 54 हजार के करीब कर्मचारी हैं, इनको भी दो वर्गों में बांटने की कोशिश की जा रही है। यह संख्या कम ज्यादा हो सकती है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज प्रान्त में बिजली के सुधारीकरण के बारे में जो विचार शुरू हुआ है उसमें कर्मचारियों में कुछ भ्रांतियां पैदा हुई हैं। (विघ्न) मैं समझता हूं कि यह केवल बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की ही बात नहीं है इसमें जहां तक मैं समझता हूं कि इन भ्रांतियों के कारण कुछ मिस-अण्डरस्टैंडिंग हो सकती है क्योंकि आज एम्पलाई और एम्पलॉयर के बीच का गैप वाईडन हो गया है। इस वाईडन्ड गैप की वजह से ही कई स्थानों पर लेबर प्रॉब्लम क्रिएट हो रही है। अध्यक्ष महोदय, इन भ्रांतियों के बाद दो प्रकार की मानसिकताएं उत्पन्न हुई हैं। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : उनमें से एक मानसिकता तो बी०जे०पी० की है।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कई बार बड़ी फिट बात कहते हैं। आजादी के बाद देश में दो मानसिकताएं पैदा हुई हैं which created the problem, the name is the Congress party. उसके समाधान का नाम बी०जे०पी० है। (हंसी)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं कर्मचारी वर्ग से सम्बन्धित दो मानसिकताओं की बात कह रहा था। (विघ्न) आज एम्पलॉयर यह चाहता है कि अधिक से अधिक ले कर कर्मचारियों को कम से कम दे और कर्मचारियों के मन में ऐसी मानसिकता उत्पन्न हुई है कि कम से कम काम करके अधिक से अधिक प्राप्त किया जाए। ये दो मानसिकताएं ही आज हमारे देश में लेबर प्रॉब्लम क्रिएट कर रही हैं। इस मामले में मैं प्रान्त की बात नहीं कह रहा हूं बल्कि सारे देश में ही ये दो मानसिकताएं पनप रही हैं। इस मानसिकता का मुख्य कारण यही है कि गैप वाईडन हो चुका है। इस प्रकार दो भ्रांतियां उत्पन्न हुई हैं और कर्मचारियों में थोड़ा-बहुत रोष फैल रहा है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय मुख्य मन्त्री जी से मेरा नम्र निवेदन है कि योजनाबद्ध तरीके से इस प्रकार की भ्रांतियों को दूर करने के लिए मैनेजमैंटस और कर्मचारियों के बीच मिस अण्डरस्टैंडिंग जो बढ़ रही है उसको सुधारने के लिए उनकी ज्वायंट मीटिंगज़ स्थान-स्थान पर होनी चाहिएं ताकि जो गलत फहमियां उत्पन्न हो रही हैं वे दूर हो सकें। अगर हमारी सरकार योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेगी तो इस प्रकार की कोई भ्रांतियां उत्पन्न नहीं हो सकती हैं। अध्यक्ष महोदय, सुधार और विकास की जो योजनाएं चल रही हैं इस प्रान्त में उन योजनाओं का गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाषण में बहुत ही अच्छा वर्णन किया है उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं तथा इस गवर्नर एड्रैस का समर्थन करता हूं। अन्य मुद्दे जैसे कि शिक्षा के क्षेत्र में, मल संशोधन संयन्त्र लगाने के बारे में, रोड्ज़ तथा इण्डस्ट्रीज के बारे में गवर्नर महोदय ने अपने विचार विस्तारपूर्वक रखे हैं। अध्यक्ष महोदय, वैद्य कपूर चन्द जी ने जो प्रस्ताव रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं और मुझे बोलने के लिए समय देने के लिए आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

Mr. Speaker : *Motion moved :—*

That an Address be presented to the Governor in the following terms :—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 5th March, 1997."

श्री ओम प्रकाश चौटाला (रोड़ी) : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा के बजट अधिवेशन में गवर्नर साहब के अभिभाषण पर चर्चा करने के लिए आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। अध्यक्ष महोदय, डैमोक्रेटिक सिस्टम में प्रजातांत्रिक प्रणाली में राजनैतिक दलों के लोग जनता जनार्दन से कुछ चुनावी वायदे करते हैं। अगर प्रदेश और देश के लोगों से किसी पार्टी को सहयोग मिले और सरकार बनाने का अवसर प्राप्त हो तो उस सरकार की जिम्मेवारी होती है कि जनता से किए गए चुनावी वायदों को निभाए। राजनैतिक लोग अपने लिखित चुनावी घोषणा पत्र जनता में बांटते हैं। हरियाणा प्रदेश में हविपा-भाजपा गठबन्धन की सरकार आई। इस सरकार ने चुनावी वायदों को क्रियान्वित करने के लिए राज्यपाल महोदय, के अभिभाषण के माध्यम से जनता के समक्ष यह बात रखी कि हम यह करने जा रहे हैं। राज्यपाल महोदय, ने अपने अभिभाषण में सर्व-प्रथम कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। इस सरकार ने गलत तथ्य उनके सामने रखे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह जग जाहिर है और आप भी इस बात से सहमत होंगे कि मौजूदा सरकार के सत्ता सम्भालने के बाद कानून व्यवस्था की स्थिति पहले से ज्यादा खराब हुई है। आज लूट-पाट, चोरी, डाके, कत्ल जैसी घटनाएं और भी ज्यादा बढ़ रही हैं। यह मैं नहीं कह रहा हूं, जो तथ्य हैं मैं आपके द्वारा इस सदन के समक्ष रख रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश की सबसे बड़ी समस्या है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था निरन्तर बिगड़ती जा रही है जिसकी वजह से आज कोई भी आम नागरिक अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। पूरे प्रदेश में भय का माहौल बना हुआ है। अपराधी प्रवृति के लोग जिन्हें सत्ताधारी लोगों का संरक्षण प्राप्त है कोई भी घिनौना कृत्य करने में गुरेज नहीं करते हैं। जब से जन विरोधी सरकार राज्य में सत्तासीन हुई है तब से लगातार आपराधिक घटनाओं का राज्य में इज़ाफा हुआ है। राज्य में हत्याएं, लूट-पाट, बलात्कार और बम्ब विस्फोटों से लोगों को हताहत करना आम बात हो गई है। राज्य तेजी से अराजकता और अव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। हविपा-भाजपा गठबन्धन द्वारा अपने चुनावी घोषणा पत्र में कानून व्यवस्था सुधारने तथा राज्य में अमन तथा चैन लाने वाले वायदे किए गए थे, वे सभी खोखले साबित हुए हैं। मुख्यमंत्री जी के अपने गृह जिले भिवानी के गांव बौंदकलां में चार अपराधी प्रवृति के लोगों ने एक व्यवसाई श्री शिव चरण का दिन-दिहाड़े हथियारों की नोक पर अपहरण कर लिया। वहां पर उसको बड़ी बेरहमी से पीटा गया। 17 जनवरी, 1996 को हरियाणा राज्य परिवहन सिरसा डिपो की बस नं० एच० आर०-30-4841 को गांव धांगड़ के करीब चार लुटेरों ने लूट लिया। वे लुटेरे यात्रियों से 38 हजार रुपए लूट कर ले गए। 3 मार्च, 1997 को सोहना कस्बा से चार लुटेरों ने एक ट्रक का अपहरण कर लिया। उन लुटेरों ने ट्रक ड्राईवर और क्लीनर को चाकुओं से बुरी तरह से घायल कर दिया और वहां से फरार हो गए। 20 जनवरी को फरीदाबाद में दिन-दिहाड़े मथुरा रोड़ पर स्थित पैट्रोल पम्प से हथियार बंद लुटेरे कर्मचारी को गोली मार कर 3 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए। नवम्बर, 1996 में भी इसी सड़क पर हरिहर मोटर्ज के कर्मचारी को लूट कर ले गए थे। सदर थाना चूंडू के नजदीक मारुति कार में सवार लुटेरों ने टाटा सूमो में सवार लीलू और सेठ मदन लाल का अपहरण कर लिया। इसी तरह से एक और घटना में महरौली रोड़ पर गांव ढाढा में मारुति कार में सवार तीन लोगों ने 22 लाख रुपए लूट लिए वे एक सैलुलर फोन और दो क्रैडिट कार्ड छीन कर भागने में कामयाब हो गए। इसके साथ ही हरियाणा राज्य पर्यटन निगम का पैट्रौल पम्प भी लुटेरों ने लूट लिया। जी०टी० रोड़ पर अध्यक्ष महोदय, दिन के 11 बजे पानीपत के सरकारी पैट्रोल पम्प से 6 लाख 40 हजार रुपए लुटेरे लूट कर ले गए। इसी तरह से गुड़गांव में एक गाड़ी स्टेट बैंक से चालीस लाख रुपये निकलवाकर कोआपरेटिव बैंक ले जा रही थी लेकिन उसके ड्राईवर को गोली मार दी गयी और वह चालीस लाख रुपया लूट लिया गया। इसी तरह से पानीपत में हुड्डा के दफ्तर से 85 हजार रुपये लूट लिए गए। अध्यक्ष महोदय, आपराधिक प्रवृति

के लोग हत्या जैसा घिनौना कार्य करने के बाद भी खुले रूप से घूमते रहते हैं लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होती क्योंकि ऐसे लोगों को सत्ताधारी लोगों का संरक्षण प्राप्त है। इसी तरह से जनवरी, 1997 में गोहाना तहसील के गांव जोली में एक फौजी की दिन दिहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गयी। इसी तरह से रतिया के बलराज नाम के एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई और ऐसे ही सुमित्रा नाम की एक लड़की को बुरी तरह से घायल कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, इससे बुरी घटना और क्या होगी कि शैक्षणिक संस्थाएं भी ऐसी घिनौनी बातों से अछूती नहीं हैं। जनवरी माह में पानीपत के आर्य कालेज के परिसर में कुछ अज्ञात युवकों ने दो छात्रों पर चाकुओं से हमला कर दिया जिसकी वजह से एक छात्र की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गयी। करनाल में अचसमान गांव में कुछ अज्ञात हत्यारों द्वारा जीत सिंह एवं उसकी पत्नी की हत्या कर दी गयी। यह वृद्ध दम्पति अपने ट्यूबवैल पर सो रहे थे। इसी तरह से करनाल के सैक्टर 7 में पासवान नाम के एक बिहारी मजदूर की हत्या कर दी गयी। इसी तरह से एक अन्य मामले में गणेशा नाम के एक आदमी का शव संदिग्ध अवस्था में स्थानीय 6 और 7 सैक्टर के मध्य में एक जोहड़ में पाया गया। इसी तरह से संजीव राणा की दो मोटर साईकलों पर सवार युवकों ने दिन दिहाड़े चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इसी प्रकार से हिसार जिले के नारनौंद थाना क्षेत्र के गांव से लापता हुए नेत्रहीन वृद्ध की हत्या कर दी गयी और ऐसे ही जगाधरी की महावीर कालोनी में जयदुर्गा कोल कम्पनी के मालिक मिट्ठन लाल के आठ वर्षीय भतीजे की सोते हुए हत्या कर दी गयी। अध्यक्ष महोदय, इतना ही नहीं प्रशासनिक अधिकारी भी ऐसे घिनौने कृत्य करने में संकोच नहीं करते। दिसम्बर माह में कैथल के उपायुक्त ने जो घिनौना कांड किया वह आज एक चर्चा का विषय है। जब डी०सी० ऐसा कार्य करेंगे तो फिर लोगों को इंसाफ कहां से मिल पाएगा ? अध्यक्ष महोदय, मौजूदा हरियाणा सरकार महिलाओं की इज्जत बचाने एवं सुरक्षित रखने में पूर्ण रूप से विफल रही है। आपराधिक लोग महिलाओं की इज्जत पर हाथ डालने से संकोच नहीं करते। यह बहुत ही दुर्भाग्य की बात है कि मुख्यमंत्री के अपने जिला भिवानी के गांव अटेला में पिछड़े वर्ग की एक 13 वर्षीय लड़की के साथ कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बलात्कार किया गया। लड़की के पिता ने इस बारे में पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है कि बलात्कारी लोग बहुत प्रभावशाली हैं और उनको राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है इसलिए इस मामले की जांच दादरी या लोहारू के उप पुलिस अधीक्षक के बजाए किसी दूर के पुलिस अधीक्षक से करवायी जाए। बलात्कार की शिकार लड़की के पिता के पत्र से साफ जाहिर है कि यह घिनौना कृत्य करने वाले लोगों को भिवानी के सत्ताधारी लोगों का संरक्षण प्राप्त है। स्पीकर सर, इतना ही नहीं आज प्रदेश में बलात्कार व हत्याओं की घटनाओं में राज्य के मंत्रियों के नजदीकी रिश्तेदार भी शामिल हैं। स्पीकर सर, इससे बड़ा जुल्म और क्या होगा कि अभी फरीदाबाद में एक चर्चा चली थी कि कृषि मंत्री के भाई ने एंव उनके दूसरे साथियों ने मिलकर एक मुस्लिम मेव महिला का अपहरण किया और बलात्कार किया। आज तक वह महिला बेचारी रोती फिर रही है लेकिन उसको कहीं इंसाफ नहीं मिल पाया है।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण —

कृषि मंत्री, श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा

कृषि मंत्री, (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, जैसा इंसान खुद होता है उसे दूसरे भी वैसे ही नजर आते हैं। श्री ओम प्रकाश चौटाला जी आप अपना इतिहास भूल गए। जब आप थोड़े समय के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे तो किस तरह से सारे हरियाणा में हत्याएं बलात्कार एवं गुंडागर्दी का सिलसिला आपने स्वयं चलाया था। स्पीकर सर, जो इल्जाम इन्होंने मेरे ऊपर लगाया है, वह सरासर गल्त है और यह इनकी बौखलाहट का ही परिचायक है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह बात तो आम चर्चित है। वह महिला जगह-जगह इंसाफ मांगती फिर रही है। उसकी एक दरख्वास्त मेरे पास भी है और अखबारों में भी यह खबर छपी है। स्पीकर सर, अगर सत्ता में बैठे हुए लोगों के नाम के आगे इस तरह से प्रश्न चिन्ह लग जाएं तो यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे उसका स्पष्टीकरण करें तथा उसे टालने का प्रयास न करें। अगर बात गलत होगी तो उसके सबूत मिलेंगे लेकिन जो घटना हुई है उसका स्पष्टीकरण तो देना पड़ेगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हमारे जो विपक्ष के नेता हैं उनसे कहना चाहता हूं कि जिम्मेदार सदस्य की तरह यहां अपना आचरण प्रस्तुत करें। जहां तक लिखने का सवाल है, इनके पास भी लिखकर आया है। स्पीकर सर, मेरे पास यह फाईल है जिसमें इनके सगे भाई ने सिरसा के पुलिस कप्तान को लिखकर भेजा है कि ओम प्रकाश चौटाला जी के पास 500 करोड़ रुपये की जायदाद है। (शोर एंव व्यवधान) कहां से इन्होंने धन इकट्ठा किया है, कहां से इन्होंने जायदाद बनाई है। जब ये मुख्य मंत्री थे तब इनका सगा लड़का फाइव स्टार होटलों में लड़कियों के साथ बदतमीजी करता था। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि आप आराम से सुनें जब आपके लीडर खड़े हों, तो आप थोड़ा चुप रहें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कोई भी सदस्य अपना स्पष्टीकरण दे सकता है। यह उसका अधिकार है लेकिन उसे यह भी समझ कर चलना चाहिए कि अगर किसी के खिलाफ किसी प्रकार की इंक्वायरी चल रही है और अगर वह जूडिशियल मैटर है तो उसमें दखल नहीं दिया जा सकता है। इस प्रकार से ये अपनी बात से नहीं बच सकते हैं जो आम चर्चा का विषय बना हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मामला चाहे किसी अदालत के विचाराधीन हो लेकिन हरियाणा प्रदेश की जनता यह अच्छी तरह से देख रही है कि कौन सा सदस्य क्या काम कर रहा है, उनका परिवार क्या काम कर रहा है। अगर मेरे परिवार का कोई सदस्य गलत काम करेगा तो उसकी सजा मैं ही भुगतूंगा। जिस तरीके से इन्होंने गलत आरोप लगाया है यह सरासर निराधार है लेकिन जो मैंने इनके खिलाफ बात कही है वह तो इनके सगे भाई ने कहा है। उसने ऐफीडेविट दिया है और इनकी सम्पत्ति की जांच सी०बी०आई० से कराने की मांग की है। ये यह भूल गये की हरिजन महिला के साथ इनके सगे भाई ने बलात्कार करने की कोशिश की। (शोर एवं व्यावधान)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है और सुझाव भी है कि कोई भी माननीय सदस्य किसी प्वायंट पर या किसी आरोप पर, जो उसके खिलाफ लगाया जाता है, उस पर बजाय बीच-बीच में टोकने के उस प्वायंट को नोट कर ले और बाद में उस पर बोले। बार-बार बीच में उठ कर टोकना नहीं चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : भजन लाल जी, अगर आप चाहें तो आपकी फाइल भी मेरे पास रखी है।

श्री भजन लाल : जब मैं बोलूंगा तो तेरी फाइल के बारे में भी बता दूंगा। आपके भाई दारू बेचें और आप यहां बैठकर बात करते हैं। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : धीर पाल जी, आप बैठ जाइए।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, बात कानून और व्यवस्था की है और कानून-व्यवस्था से जुड़े हुए मामले अगर इस सदन के सम्मानित सदस्यों के पास किसी तरफ से आएंगे तो उनका उल्लेख किया जाना जरूरी है। मैंने वह उल्लेख किया है जिसकी दरखास्त मेरे पास आई है। अध्यक्ष महोदय, मैंने यह बात आपके समक्ष कही है। इस प्रकार की अनेकों घटनाएं हैं इसमें कोई दोषी है या नहीं, यह अलग बात है लेकिन अगर रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो प्रदेश की जनता को इंसाफ कहां से मिल पाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से गन्नौर के उप मण्डल राजलू गढ़ी में एक महिला के साथ बलात्कार किया गया और अपनी इज्जत के साथ खिलवाड़ का सदमा वह बर्दाश्त न कर सकी। अगले दिन अपने ऊपर मिट्टी का तेल छिड़ककर उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। निरंतर बिगड़ रही कानून व्यवस्था की क्या मिसाल दूं कि गुड़गांव की दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली लड़की के साथ बलात्कार किया गया और इतना कृत्य करने के बाद 11 वर्षीय रिंकू की हत्या कर दी गई। दिसंबर, 1996 में हथीन के समीपवर्ती गांव की हरवती का अपहरण और उसके साथ असामाजिक तत्वों ने बलात्कार किया। इसी उपमंडल के पहाड़ी रावत की अव्यस्क युवती का अपहरण कर लिया गया और उस हरिजन युवती के साथ बलात्कार किया गया। माँ अपनी बेटी से दुष्कर्म को बर्दाश्त नहीं कर सकी और उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। इसी प्रकार से हिसार जिले के आदमपुर में किसी लड़की के नग्न चित्र खींचकर उसको ब्लैकमेल किया गया। उसके यौवन का शोषण किया जा रहा था और यह मामला आदमपुर मंडी के श्री मदन लाल महाजन की शिकायत पर दर्ज किया गया। जब से हविपा/भाजपा गठबन्धन की सरकार ने राज्य में सत्ता को संभाला है इस प्रदेश में तीन माह के अन्दर चार बम विस्फोट हो चुके हैं। अभी गृह मंत्री महोदय ने बताया कि एक बम विस्फोट में एक व्यक्ति गिरफ्तार हुआ है लेकिन तीन ऐसे बम विस्फोट हुए हैं, एक पानीपत, एक सोनीपत और एक रोहतक में उनका अभी कोई पता नहीं चल पाया है। अध्यक्ष महोदय, जगाधरी में रेलवे कर्मचारियों की सूझबूझ से एक शक्तिशाली बम विस्फोट होते-होते टल गया क्योंकि उसको पहले ही ट्रेस आऊट कर लिया गया वरना एक भयानक दुर्घटना घट सकती थी। आज सारे प्रदेश में एक अराजकता का माहौल बना हुआ है दिसम्बर, 1996 में अम्बाला में स्टेशन पर जेहलम एक्सप्रेस में एक शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ। कुछ दिन पहले झज्जर तहसील में डावलागर गांव में दो लड़कों का अपहरण हो गया उनके मां-बाप रोते बिलखते फिर रहे हैं लेकिन उन बच्चों का कोई पता नहीं है। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री बंसीलाल) : यह कौन से पुलिस स्टेशन में पड़ता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह झज्जर कांस्टीच्युएंसी में पड़ता है और कोला जी को सब पता है। यकीनन प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। मेरे से पूर्व श्री विज ने बताया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति में इसलिए सुधार हुआ है क्योंकि इस प्रदेश में शराब का सेवन मुकम्मल तौर पर बन्द कर दिया है। हमने पिछले अधिवेशन में भी कहा था और उस बात को फिर दोहराते हैं कि हम शराबबंदी के पक्षधर हैं। लेकिन सरकार शराब बंदी करने में मुकम्मल तौर पर विफल रही है। हरियाणा प्रदेश के गृह मंत्री श्री मनीराम गोदारा जी ने पिछले अधिवेशन में एक बात कही थी कि शराबबंदी करके हमने हरियाणा के लोगों का तीन हजार करोड़ रुपया बचाया है क्योंकि यह पैसा लोग शराब पर खर्च करते थे और अब उनको शराब नहीं मिलेगी। लेकिन शराब की तस्करी में 15 हजार करोड़ रुपया लोगों की जेब से निकलता है। आज हर गली में शराब की तस्करी हो रही है और यह तस्करी सत्ता में बने हुए लोगों की वजह से हो रही है। आज पुलिस बेबस है। एक पुलिस कप्तान ने लिखित रूप में यह शिकायत चीफ सैक्रेटरी महोदय को की थी कि आज शराब बंदी में पुलिस बेबस है क्योंकि आज शराब के तस्करों

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

के पास सौफिस्टिकेटिड हथियार हैं सेलूलर फोन हैं और उन तस्करों की संख्या पुलिस से कहीं अधिक होती है। जब पुलिस उनको पकड़ने की कोशिश करती है तो वे पुलिस पर जानलेवा हमला करते हैं। जब चीफ सैक्रेटरी ने समन्वय समिति में इस बात को उठाया और डायरैक्टर जनरल से इस मामले को लेकर बात की तो उन्होंने भी इस बात की पुष्टि की कि वाकई ऐसा काम हो रहा है। आज सरकार ने पुलिस अधिकारियों को यह इंस्ट्रक्शंज जारी कर रखी है कि पुलिस किसी शराब के तस्कर को नहीं पकड़ेगी बल्कि डी०सी०, एस०डी०एम० या ई०टी०ओ० ही उनको पकड़ सकते हैं या छापा मार सकते हैं। जब लोहारू के डी०ई०टी०ओ० श्री भीष्म ने एक वैन को पकड़ा जिसमें पुलिस के कुछ सिपाही भी थे तो उसके बाद सरकार ने और हिदायतें जारी कर दीं कि अब डी०सी० और ई०टी०सी० उस आदमी पर छापा मारेंगे जिसके बारे में वजीर कहेंगे क्योंकि एक वजीर को दो-दो जिलों का कार्यभार सौंप दिया है। अब उन वजीरों से उन आफिसरों को हिदायतें मिलती रहती हैं। वह सामने जो मन्त्री जी बैठे हैं, वे एक अच्छे आदमी हैं, बहुत नेक इंसान हैं लेकिन इनके घर में भी शराब बिकती है। अध्यक्ष महोदय मैं कोई अनर्गल प्रचार नहीं कर रहा हूं। (विघ्न) मैं हाऊस में जो कुछ भी कहूंगा, तथ्यों पर आधारित बात ही कहूंगा। अध्यक्ष महोदय, इसी 15 तारीख को एक वकील के घर पार्टी थी और दूसरे वकील भाईयों ने उस अवसर पर कहा कि शराब भी होनी चाहिए। उनको यह कहा गया कि शराब की तो बंदी है। इस पर एक भाई ने कहा कि शराब तो जरूर बंद है लेकिन मंत्री महोदय के घर से शराब जरूर मिल सकती है। लोगों ने कहा कि ठीक है ले आओ। (विघ्न) पहले मेरी बात सुन लीजिए उसके बाद आप कह लीजिए। इस पर एक लड़का मोटर गाड़ी में बैठकर जाने को तैयार हो गया लेकिन उसने यह कहा कि मेरे साथ एक और लड़का साथ में बैठ जाए, जिससे किसी को शक न हो। पिछले महीने की 15 तारीख को उस लड़के ने श्री गणेशी लाल जी के घर से पीटर स्कॉच की दो बोतल शराब लाकर दी है। इसी प्रकार से आज ये हालात हैं।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण —

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री, श्री गणेशी लाल द्वारा

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्री गणेशी लाल) : सम्मानीय अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता ने बड़े ही लच्छेदार शब्दों में कहा है कि गणेशी लाल बहुत नेक आदमी है, जिम्मेवार विधायक है लेकिन इसके साथ ही साथ बाद में यह कह दिया कि उनके बच्चे शराब में संलिप्त हैं या उनके घर से शराब की बोतलें उपलब्ध हुई हैं। इस सदन को अपमानित करने के अलावा ये और कुछ नहीं कर रहे हैं। हाऊस में उपस्थित हम सभी यहां पर बैठे हुए हैं। ये हरियाणा के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं तथा देश में विपक्ष के महान नेता के रूप में माने जाते हैं। अगर ये किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह पुलिस विभाग से हो या कोई एम०एल०ए० हो या कोई और इनका चाहने वाला हो तथा जो इनके कहने पर 100 प्रतिशत झूठ भी बोल सकता हो, उसको मेरे घर भेजकर पता कर सकते हैं। लेकिन इनको शराबबंदी की विफलता के लिए इस प्रकार से ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। मैं विपक्ष के नेता से प्रार्थना करना चाहूंगा कि वे इस प्रकार से सदन को गुमराह न करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि आज सारा सदन यहां पर बैठा हुआ है और वह दिन भी आपको याद होगा जब हम और आप विपक्ष में एक साथ बैठा करते थे। उस समय आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला भी सदन में सदस्य थे। इनकी गुमराह करने

की कोई नई आदत नहीं है। पिछले विधानसभा सत्र के दौरान जब इनके ऊपर घड़ियों की तस्करी की बात दोहराई गई थी तो श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने सदन को गुमराह करने की कोशिश की थी। उन दिनों श्री जगदीश नेहरा पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर हुआ करते थे। उन्होंने सदन में जब तथ्य पेश किए तो इन्होंने सदन को गुमराह किया था। ऐसी बात नहीं है, यह बात सारा प्रदेश जानता है तथा सारा सदन जानता है। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आपकी अध्यक्षता में पिछले दिनों से सदन की कार्यवाही बहुत अच्छी तरह से चल रही है, सभी माननीय सदस्यों को आप बोलने का मौका दे रहे हैं। इसलिए मेरी इनसे प्रार्थना है कि ये सदन को गुमराह करने की कोशिश न करें बल्कि सरकार की जो कमियां हैं, उनके बारे में सच्चाई पेश करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो बात कही है, वह बिल्कुल तथ्यों पर आधारित बात है। अगर कर्ण सिंह दलाल जी के मुताल्लिक यह बात होती तो वे बोल सकते थे। इसलिए इनको बोलने का अधिकार नहीं है। लेकिन गणेशी लाल जी जो एक योग्य मंत्री हैं उनके प्रति मुझे आंतरिक दुःख है कि ऐसे व्यक्ति के बच्चे ऐसा काम करते हैं।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाया है। मेरे हल्के का एक प्रमाण है कि श्री ओम प्रकाश चौटाला का फोटो शराब के तस्करों के पास है। उनका यह फोटो उनकी पार्टी के एक पदाधिकारी व 4 अन्य व्यक्तियों जो कि पार्टी के ही कार्यकर्ता हैं के पास है। (शोर)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम तो इस बात के पक्षधर हैं कि सरकार इसको सख्ती से बंद करने के लिए कदम उठाए लेकिन शराब बंद नहीं हो रही है। आजकल शराब की तस्करी हो रही है और तस्करी भी बहुत बड़े पैमाने पर हो रही है। अध्यक्ष महोदय, आज शराब बंदी के मामले को ले कर 32000 मुकद्दमें दर्ज हुए हैं। सरकार ने उन मुकद्दमों का फैसला करने के लिए 9 मैजिस्ट्रेट स्पेशल मुकर्रर किए। उनमें से दो मैजिस्ट्रेटस ने तो रिजाईन कर दिया। उन 32000 मुकद्दमों में से 9 महीने के अर्से में केवल 70 केसिज का फैसला हुआ है और वे भी ऐसे केसिज हैं जिन्होंने उनमें यह एडमिट किया है कि हां हमने ऐसा काम किया है। अध्यक्ष महोदय, किस प्रकार से यह सरकार काम चला पाएगी। आज सारे प्रदेश की हालत यह है कि आज सारे प्रान्त में शराब बहुत ज्यादा बिक रही है और शराब बिक ही नहीं रही बल्कि नाजायज शराब भी काफी मात्रा में निकाली जा रही है। नकली शराब निकालने के कारण अब से पहले हूच ट्रेजडी में 25 लोग मारे जा चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के डी०आई०जी० (सी०आई०डी०) ने करनाल के सुपरिन्टैन्डैण्ट पुलिस को एक चिट्ठी लिखी कि फलां गांव में फलां डेरे में नकली शराब की कसीद हुई है लेकिन वहां के एस०पी० ने लिख कर कह दिया कि नहीं जहां शामली गांव में हूच ट्रेजडी से 8 आदमी मरे हैं जब उस बारे में छानबीन की गई तो उस वक्त वहां पर वहां का डी०सी० और एस०पी० मौजूद थे। जिस डेरे का मैंने जिक्र किया है उस डेरे के मालिक को जब लोगों के समक्ष पेश किया गया तो उसने कहा कि हम शराब निकालते हैं और हम करनाल के एस०पी० को उसके लिए 60 हजार रुपए माहवार देते हैं। ऐसी हालत है और ऐसी हालत पूरे प्रदेश में व्याप्त है।

श्री बंसी लाल : वह एस०पी० वहां से चला गया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : वह एस०पी० वहां से चला गया या नहीं इस बात में मैं नहीं जाना चाहता। आज मुख्य मंत्री जी आपके अपने जिले के लोहारू बार्डर पर एक एस०पी० इस बात के लिए तैनात किया हुआ है कि वह शराब की तस्करी को रोके। उस एस०पी० के पास केवल चार की गार्द है वह किस प्रकार से शराब की तस्करी रोक पाएगा। जब लोगों को सरकारी संरक्षण प्राप्त होगा तो शराब की तस्करी कैसे रूक पाएगी।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो एस०पी० तैनात है उसको हम 50 पुलिस कर्मी और दे देंगे। गाड़ियों की अभी कमी है। पुलिस वालों ने 106 गाडियों के लिए दो महीने से आर्डर प्लेस कर रखे हैं। वह गाड़ियां आते ही उनको नई गाडियां मिल जाएंगी ताकि वह तस्करों का ठीक ढंग से पीछा कर सकें। वे सब हिसाब से डील करेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी कुछ साथी कह रहे थे कि 85 परसैंट शराब बंद है। मुख्य मंत्री जी की काबिना के एक वजीर हैं विनोद कुमार मढ़िया उनका अखबारों में ब्यान छपा कि हरियाणा प्रदेश में 80 फीसदी शराब तो बंद हो गई और 20 फीसदी शराब उस दिन बंद हो जाएगी जिस दिन मुख्य मंत्री जी चाहेंगे। इसका मतलब यह हुआ कि 20 फीसदी शराब की तस्करी स्वयं मुख्य मंत्री जी करवा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इससे आप स्वयं अंदाजा लगा सकते हैं कि क्या हालत है। हम इस बात के पक्षधर हैं कि शराब बंद हो।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि प्रदेश में 85 परसैंट से ज्यादा शराब बंद है। अगर मुख्य मंत्री के चाहने से शराब बंद हो गई होती तो अब से पहले 100 फीसदी बंद हो गई होती। अध्यक्ष महोदय, ताजेरात हिन्द को पास हुए 150 साल से ज्यादा अर्सा हो गया, कत्ल भी औफेंस है, डाका भी औफेंस है, रेप भी औफेंस है और चोरी भी औफेंस है लेकिन फिर भी आज तक ये अपराध हो रहे हैं, 100 फीसदी तो वह भी बंद नहीं हुए हैं। अमेरिका में हैरोइन के औफेंस के लिए फांसी लगती है लेकिन फिर भी वहां पर कहीं न कहीं से वह ली जाती है।

चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मढ़िया) : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा था कि हरियाणा प्रदेश में 80 फीसदी शराब बंद है और 20 फीसदी शराब उस दिन बंद हो जाएगी जिस दिन इस बारे में हरियाणा प्रदेश की जनता का पूरा सहयोग हमें मिलेगा। अखबार वाले कुछ भी लिखें। मैंने यह नहीं कहा था कि 20 फीसदी शराब उस दिन बंद हो जाएगी जिस दिन मुख्य मंत्री जी चाहेंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, ये शराब बिकाने वाले दूसरों पर दाग लगाने से पहले अपने घर को तो देख लें। (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाषण में जिन-जिन विषयों को उठाया है, उन प्वायंटस को थोड़ा-थोड़ा टच करूंगा। मैंने तो कानून की बिगड़ती हुई स्थिति की चर्चा करनी है। अनिल विज जी ने बोलते हुए कहा था की गऊ कशी मुकम्मल बंद होनी चाहिए लेकिन मैं विज साहब से कहना चाहूंगा कि उनको यह बात कहने से पहले अपने मुख्य मंत्री से पूछ लेना चाहिए था कि मुख्य मंत्री ने पुन्हाना में यह कहा था कि आवारा किस्म की जो गऊएं हैं उन को काटने का मैं पक्षधर हूं। (शोर एवं विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल गलत और निराधार बात है। मैंने हरियाणा में बूढ़ी और खराब गऊएं काटे जाने के बारे में कोई बात नहीं कही। ये फिरोजपुर झिरका का जिक्र कर रहे हैं। इस बारे में नगीना में बात हुई थी और सूरजपाल जी मंत्री जो बी०जे०पी० के हैं वे भी मेरे साथ उस वक्त

थे। मैंने कोई बात ऐसी नहीं कही कि बूढ़ी या नकारा गऊओं को काटा जाये। यह बात बिल्कुल निराधार है। घड़ घड़ करके ये बात कोई कहे तो फिर इनकी बातों का खुदा ही जाने क्या होगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मनी राम जी आप कम से कम अपने लीडर का तो ध्यान रख लिया करें।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, एक मैम्बर को अपनी बात कहने का अधिकार है। सांगवान साहब भी तो बीच में खड़े होकर बिना आपकी परमिशन के बोलने लग जाते हैं। (विघ्न)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इस सैशन के पहले दिन चौटाला साहब ने सदन में कहा था कि पिछली बार जो मुझे भुगतना पड़ा, वह घटना अब नहीं होगी तो हम सबने चैन लिया था। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब अपनी बात फिर किसी न किसी रूप में कह जाते हैं जो ठीक नहीं है। चौटाला साहब इस प्रदेश के मुख्य मंत्री रह चुके हैं। ये अपनी पार्टी के नेता हैं। स्पीकर साहब, कई बार जो जिम्मेवार होता है उसका रूतबा बड़ा होता है और जब रूतबा बड़ा होता है तो उसकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। मैं बताना चाहूंगा कि मेघालय की सरकार ने अपने गवर्नर महोदय के अभिभाषण में हरियाणा की शराब बंदी के बारे में दो पैराग्राफस रखे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मुरारी बापू ने समुन्द्र और आसमान में भारत को उगाया है। अभी पिछले दिनों रोहतक में उनकी एक सप्ताह कथा हुई। उस समय उन्होंने कहा था कि हमारे देश में सुभाष और बापू गांधी का सपना पूरा होता नहीं दिख रहा था लेकिन शराब बंदी करके हरियाणा की सरकार ने उस सपने को साकार किया है। उन्होंने कहा कि शराब बंदी के लिए मैं हरियाणा की सरकार का अभिनन्दन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, एक माननीय साथी ने श्री गणेशी लाल जी पर इल्जाम लगा दिया। मैं बताना चाहूंगा कि शराब बंदी के लिए महेन्द्रगढ़ में 54 गाड़ियां लगा रखी हैं। वहां पर न जाने कितने पुलिस के कर्मचारी इस काम में लगे हुए हैं। मैं तो बताना चाहूंगा कि एक अन्डर वर्ल्ड का तस्कर यानि शराब का माफिया गिरोह सक्रिय हो तो कितनी दिक्कत आती है, आप अन्दाजा लगा सकते हैं। हमने हजारों लोगों को पकड़ा है और उन पर मुकदमा डाला है। ये विनोद मढ़िया की भी स्टेटमेंट को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। इसी प्रकार से गणेशी लाल जी का भी इन्होंने जिक्र किया। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी शब्दों के कलाकार और बाजीगर हैं और मामले को टविस्ट करते हैं। विनोद मढ़िया इस सदन में बैठे हैं और ये उनके हवाले से कह रहे हैं कि वे मुख्य मंत्री की हवा में हैं। स्पीकर सर, यह अच्छी बात नहीं है। , स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से बड़े अदब के साथ यह अर्ज करता हूं कि या तो वे किसी पर आरोप नहीं लगाएं और यदि वे कोई आरोप लगाते हैं तो उस पर टिकें भी। गणेशी लाल जी के बाबत जो बात उन्होंने यहां पर कही है उसके बारे में वह चाहे अपने किसी एम०एल०ए० से ही जांच करवा लें। अगर उस आरोप में एक परसैंट भी सच्चाई हो तो आप सदन की एक कमेटी बना दें, वह कमेटी जो भी अपना फैसला दे कर सजा देगी हम वह भुगतने को तैयार हैं। इतने मन के साथ पूरे हरियाणा में हम चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में शराब बन्दी पर काम कर रहे हैं जिसकी सारे प्रदेश की जनता में प्रशंसा हो रही है लेकिन ये इस प्रकार की बात कह रहे हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, आप जिस पर मेहरबान हो जाते हैं आप उसको बहुत ज्यादा समय बोलने के लिए दे देते हैं। बात तो प्वायंट ऑफ आर्डर की होती है लेकिन शर्मा जी भाषण देने लग जाते हैं। इन्हें पता ही नहीं लगता कि वे प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोल रहे हैं, भाषण दे रहे हैं या गवर्नर एड्रैस पर रिप्लाई दे रहे हैं। शायद वे मुख्य मंत्री बनने का ख्वाब ले रहे हैं। रिप्लाई देने का काम चौधरी बंसी लाल का है इनको यह अवसर मिलने वाला नहीं है।

श्री बंसी लाल : स्पीकर सर, यह सारी काबिना की जिम्मेदारी है। यह ज्वायंट जिम्मेदारी है।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने प्रोफेसर गणेशी लाल जी के बारे में तथा उनके घर के बारे में जो बात कही है उसके बारे में हम उसकी जांच इन्हीं की पार्टी के किसी भी एम०एल०ए० से करवाने के लिए तैयार हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, या तो कोई बात कही न जाए और यदि ये कोई बात कहें तो उस पर इन्हें टिकना चाहिए। इस तरह से शब्दों की बाजीगरी से बातों को इधर उधर नहीं किया जा सकता है। (विघ्न) हम इस मामले में इनकी पार्टी के चौधरी धीरपाल सिंह जी से जांच करवाने के लिए तैयार हैं। अध्यक्ष महोदय, आप एक जांच कमेटी बना दें जिसकी अध्यक्षता चौधरी धीरपाल सिंह जी करें। उस कमेटी का जो फैसला होगा हमें वह मन्जूर होगा, उस कमेटी की रिपोर्ट सदन में आने दीजिए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब इन्होंने पहले भी कई कमेटियां और कमीशन बनाने की बात कही है और कई कमेटियां बनाई भी हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं। गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाषण में हरियाणा प्रदेश में सिंचाई की व्यवस्था का भी बहुत ही अच्छा उल्लेख किया है। अध्यक्ष महोदय, पानी की हालत यह है कि सिंचाई तो दरकिनार पीने का पानी भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। स्पीकर साहब, एस०वाई०एल० का जिक्र कर दिया जाता है लेकिन उस पर काम करने का इस सरकार ने लेशमात्र भी प्रयास नहीं किया है। यमुना जल समझौता हुआ जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश का बेशतर पानी दूसरे प्रदेशों में चला गया। अध्यक्ष महोदय, आज उस पर कहीं भी मुख्य मंत्री जी नहीं बोले। आज कहीं पर भी मुख्य मंत्री इस विषय पर बोल नहीं रहे हैं। मुख्य मंत्री जी इसी सदन में चुनाव से पहले इस तरफ बैठा करते थे और जब यमुना जल समझौता हुआ था तब कहते थे कि हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए यह एक बड़ा घातक समझौता है लेकिन आज वे ट्रेज़री बैंचिज़ पर बैठे हुए हैं और आज वे इस पर कोई बात नहीं कह रहे हैं। वे इसलिए कोई बात नहीं कह रहे हैं क्योंकि राम बिलास शर्मा और कमला वर्मा से उन्हें डर लगता है। क्योंकि उन्होंने यमुना जल समझौते पर सहमति दी है। उनके हित राजस्थान के साथ जुड़े हुए हैं और इन के साथ आज भारतीय जनता पार्टी के हित जुड़े हुए हैं। चाहे उसके लिए हरियाणा प्रदेश के हित सनब हो जाएं इसकी चिन्ता इन्हें नहीं है। इनकी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ने खुल कर ब्यान दिया है कि यमुना जल समझौता ठीक है।

स्थानीय शासन मंत्री (डॉ० कमला वर्मा) : स्पीकर साहब मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता की अपनी एक जिम्मेदारी होती है इसलिए उसे जिम्मेदारी से कोई बात कहनी चाहिए। हम अपनी जिम्मेदारी जानते हैं, भारतीय जनता पार्टी अपनी जिम्मेवारी जानती है इनको चिन्ता नहीं करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हम हरियाणा में हरियाणा के हितों की बात करते हैं, ये किस आधार पर कहते हैं कि हमें हरियाणा के हितों की चिन्ता नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनसे पूछिये कि इन्होंने यमुना जल समझौते की सराहना की है या नहीं की है। भारतीय जनता पार्टी ने यमुना जल समझौते का पक्ष लिया है या नहीं लिया है। (विघ्न) यह एस०वाई०एल० की बात नहीं है, यमुना जल समझौता जो किया गया है उसकी बात है (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहने जा रहा था कि आज यमुना जल समझौते पर चर्चा नहीं हो रही है। उसका कोई जिक्र नहीं हो रहा है। जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश के 14 जिले पीने के पानी से महरूम हैं। राम बिलास शर्मा जी के जिले को भी पानी यमुना जल समझौते से मिलना है लेकिन वे बेबस हैं, लाचार हैं और मजबूर हैं इसलिए कुछ कर नहीं पा रहे हैं। (घण्टी)

17.00 बजे अध्यक्ष महोदय, आप घड़ी के हिसाब से टाईम न देखें। मुझे तो बोलने ही नहीं दिया गया है। ये बीच-बीच में टोक रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप पहले मैम्बर्ज की संख्या के हिसाब से टाईम तय कर लें। आप बार-बार घण्टी बजा-बजा कर मेरा संतुलन बिगाड़ रहे हैं। (हंसी)

श्री अध्यक्ष : बिजनैस एडवाईजरी कमेटी में यह तय हुआ था कि गवर्नर एड्रैस पर डिस्कशन के लिए 7 घंटे होंगे। इसका मतलब यह हुआ कि एक एम०एल०ए० के लगभग साढ़े चार या पांच मिनट हुए। तो आपकी पार्टी का टाईम 110 मिनट है। आपने 4.20 पर बोलना शुरू किया था। अब आप चाहें तो 110 मिनट बोल लें मुझे कोई एतराज नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय मुझे जो बार-बार इन्ट्रप्ट किया गया है। मुझे तो बोलने का अवसर ही नहीं दिया गया है। मेरी तो अभी दो ही प्वायंट्स पर बात हो पाई है। हम गवर्नर एड्रैस के हर मुद्दे को टच नहीं करेंगे, आपके समक्ष अगर सही तथ्य नहीं लाएंगे तो आपके द्वारा हरियाणा प्रदेश के लोगों के सामने सही तस्वीर कैसे जाएगी। यह सही तस्वीर तो लोगों के पास जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आज बिजली एक अहम् मुद्दा है जिसके बारे में सरकार बड़े बुलंद-बांग दावे कर रही है कि बिजली के निजीकरण से यह लाभ होगा। जब निजीकरण की बात को लेकर के बिजली मंत्री ने इस्तीफा दिया तो सरकार को अपनी इस भूल को सुधारने का एक अवसर मिला। अब उसका नाम निजीकरण की जगह पर सुधारीकरण दे दिया। अध्यक्ष महोदय, चुनाव से पहले चौधरी बंसी लाल की पार्टी और भाजपा के लोगों ने बड़े ही बुलंद-बांग दावे किये थे। चौधरी बंसी लाल जी कहते थे कि बिजली 24 घंटे देंगे, बिजली सस्ती देंगे, 24 घंटे में ट्रांसफार्मर्ज बदलेंगे और 24 घंटे में टयूब्वैल के लिए कनैक्शन देंगे जो कि व्यावहारिक ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, ट्यूबवैल्ज के लिए कनैक्शन कुछ समय में देना दरकिनार है। उसके लिए दरख्वास्तें दी जाती हैं, फिर उनकी जांच पड़ताल की जाती है, उसके बाद टैस्ट रिपोर्ट आती है, फिर सिक्योरिटी जमा होती है। उसके बाद उसका फासला नापा जाता है, खम्बे डाले जाते हैं और फिर तारें बिछाई जाती हैं, ट्रांसफार्मर लगाये जाते हैं, मीटर लगाये जाते हैं। लेकिन ये तो 24 का आंकड़ा पकड़ कर चल दिए। जब से इनकी सरकार बनी है और ये मुख्य मंत्री बने हैं तब से लेकर आज तक इन्होंने कुछ नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है कि 74 हजार ट्यूबवैल्ज के कनैक्शनज़ पैंडिंग पड़े हैं। नौ महीने से ज्यादा का अर्सा इस सरकार का हो गया है और आज तक एक भी ट्यूबवैल का कनैक्शन नहीं दिया गया है। बिजली सस्ती देने की बजाए महंगी हो गई है। कोई भी ट्रांसफारमर बदलने का काम नहीं किया गया है और अब बिजली महंगी की आड़ को ले कर के इसका निजीकरण करने की बात की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मुझसे पूर्व दो साथियों ने खासकर के अनिल विज ने कहा था कि इस सुधारीकरण से बहुत लाभ होगा। हमारे पास और कोई रास्ता नहीं होगा। हम इसका निजीकरण करना चाहेंगे। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा सरकार के समक्ष एक नक्शा है, एक जर्मनी की पार्टी है। उस पार्टी से ये तीन करोड़ रुपए में मोड्रनाईजेशन करवाना चाहते हैं। आज हरियाणा प्रदेश का एक थर्मल प्लांट है और उसके मोड्रनाईजेशन के लिए एक जर्मन की कम्पनी को तीन सौ करोड़ में कांट्रैक्ट देने की योजना बनाई जा रही है और उसके मुकाबले में हमारी BHEL कम्पनी वाले कहते हैं कि 40 करोड़ रुपए में इस सारे सिस्टम को ठीक कर देंगे और उनसे अच्छे ढंग से बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, यह सिस्टम बदलने का विचार पिछली सरकार के वक्त में भी था। उस वक्त बिजली बोर्ड के चेयरमैन मिस्टर ओझा थे, उनका एक प्रपोजल था। हरियाणा प्रदेश का एक आई०ए०एस० अधिकारी मिस्टर विनीत नैयर जो कि आज कल एक अमरीकन कम्पनी के अन्दर ऑफिसर लगा हुआ है। उसकी यह मंशा थी कि बिजली का निजीकरण किया जाए और उसी हिसाब से आज प्रदेश का सारा पैसा लूटने की योजना बनाई जा रही है। अध्यक्ष महोदय, अगर उसकी मोड्रनाईजेशन 40 करोड़ रुपए

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

में हो सकती है तो इस बारे में 3 सौ करोड़ रुपए खर्च करने की क्या आवश्यकता है। अध्यक्ष महोदय, पानीपत थर्मल प्लांट के जो 110-110 मैगावाट के चार यूनिटस हैं, अगर 3 सौ करोड़ रुपए खर्च करके उनकी मोड्रनाईजेशन की जाएगी तो 110 मैगावाट वाला 118 मैगावाट बिजली देगा। ऐसा करने से केवल 32 मैगावाट ज्यादा बिजली मिलेगी। सिर्फ 32 मैगावाट बिजली के लिए 3 सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाएं यह ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अब एक और टैण्डर मिला है। अनिल विज साहब कह रहे थे कि हमारे पास पैसा नहीं। एन०टी०पी०सी० आज भी पैसा देने को तैयार है। आज भी उनके पास पैसा है, बिजली है और वे देना चाहते हैं। अगर इसका निजीकरण हो जाएगा तो किसान को जो सबसीडाईज्ड रेट पर बिजली मिलती है वह किसी भी कीमत पर नहीं मिल सकेगी। आज तो किसान को रियातन रेट पर बिजली मिलती है। लेकिन अगर बिजली व्यापारी के हाथ चली जाएगी तो वह सस्ती कैसे मिलेगी। उद्योग-धंधों को भी बिजली महंगी मिलेगी। यह बिजली करीब पांच या साढ़े पांच रुपये यूनिट के हिसाब से मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, हमारी यह हालत हो गई है कि सरकार ने अपने साढ़े नौ महीने के शासनकाल में एक भी एम०ओ०यू साईन नहीं किया है। इसके अलावा 250 से अधिक बड़े कारखाने हमारे यहां से पलायन करके चले गए हैं इस तरह से कैसे इस प्रदेश का उद्योग बढ़ेगा। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो हमारे उद्योग-धंधे ठप्प हो जाएंगे और दूसरी तरफ उपभोक्ता को भी बिजली महंगे दाम पर मिलेगी और साथ ही किसान को भी बिजली पर मिलने वाली सबसिडी समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा जो हमारी हजारों करोड़ों रुपये की सम्पत्ति है जो कि थर्मल प्लांट या सब स्टेशंज एवं स्टेशंज में लगी हुई है, वह सारी की सारी प्राईवेट हाथों में चली जाएगी। आज सरकार कह रही है कि हम तो केवल डिस्ट्रीब्यूशन ही प्राईवेट हाथ में देने जा रहे हैं लेकिन डिस्ट्रीब्यूशन का ही प्राईवेटाइजेशन नहीं होगा बल्कि आहिस्ता-आहिस्ता मुलाजिमों की छंटनी हो जाएगी। बिजली बोर्ड में 54 हजार मुलाजिम काम करते हैं अगर यह प्राईवेट हाथों में चली जाएगी तो अब जो हमारे ये कर्मचारी हैं वे प्राईवेट लोगों के साथ रहेंगे या उनकी छंटनी होगी इस बारे में कुछ पता नहीं है। प्राईवेट कम्पनी वाले तो छंटनी करेंगे और अगर वे ऐसा करेंगे तब फिर हमारे मुलाजिम कहां जाएंगे ?

वैयक्तिक स्पष्टीकरण —

मुख्य मंत्री, श्री बंसी लाल द्वारा

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब कह रहे हैं कि निजीकरण के बाद बिजली महंगी होगी लेकिन मैं इस सदन को इस बारे में आश्वासन देता हूं कि पावर जनरेशन आज जो हमारे पास है वह हमारे पास ही रहेगी। पावर की जो कैरिज है, ट्रांसमिशन है वह 66 के०वी० की लाईन तक हमारे पास ही रहेगी। जो बिजली का डिस्ट्रीब्यूशन का सिस्टम है उसे ही आप प्राईवेट कह सकते हैं या आप उसको ज्वाईंट वैंचर को देने के बारे में कह सकते हैं। यह प्राईवेट डिस्ट्रीब्यूशन केवल 11 के०वी० की लाईनों तक होगी। जो कि कंज्यूमर एंड तक जाती है। इन्होंने कह दिया कि इस नाम पर बिजली प्राईवेट कम्पनी को दे दी या कुछ और कर दिया लेकिन मैं कहता हूं कि इस नाम पर कोई पैसा नहीं बढ़ेगा। अभी चौटाला साहब ने पानीपत थर्मल प्लांट के 110-110 मैगावाट के 4 यूनिट्स अपग्रेड करने एवं ऐफिशिएन्सी बढ़ाने के बारे में कह दिया कि बी०एच०ई०एल० चालीस करोड़ रुपये में ही काम करने को तैयार है। लेकिन जो काम जर्मन की कम्पनी करना चाहती है अगर चौटाला साहब बी०एच०ई०एल० से वही काम करवा दें तो हम दो सौ करोड़ रुपये दे देंगे।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे यह पूछना चाहूंगा कि ड्रिस्ट्रीब्यूशन का प्राईवेटाइजेशन क्यों करने जा रहे हैं और इससे क्या लाभ होने जा रहा है?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ड्रिस्ट्रीब्यूशन को हम इसलिए प्राईवेट करने जा रहे हैं क्योंकि इस समय जो हमारे लाईन लौसिज हैं वह 31 या 32 परसैंट हैं। यह लाईन लौसिज इसलिए होते हैं क्योंकि इसमें 15 परसैंट बिजली की चोरी होती है और हम उस चोरी को रोकना चाहते हैं। इस चोरी को रोकने की मुखालफत वही लोग करते हैं जो बिजली की चोरी करते हैं या जो बिजली की चोरी करवाना चाहते हैं। इनके अलावा हिन्दुस्तान में और कोई इस बात की मुखालफत नहीं करता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम तो सुनते थे कि इनकी ऐडमिनिस्ट्रेशन पर बहुत अच्छी पकड़ है और ये कहते थे कि मैं सारे ऐडमिनिस्ट्रेशन को ठीक चलाऊंगा लेकिन अगर इनके काबू में छोटे से लाईनमैन और जे०ईज़० नहीं आ सके तो फिर क्या होगा ? आज जो मुख्य मंत्री जी के प्रिंसिपल सैक्रेटरी मि० जैन हैं तो जब मैं प्रदेश का चीफ मिनिस्टर था इस समय इनको बिजली बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया था। इसलिए वे इस बात को जानते होंगे। यह रिकार्ड की बात है कि उस समय लाईन लौसिज घटकर बीस परसैंट हो गये थे और बिजली बोर्ड को आठ करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। आज ये बिजली की चोरी स्वयं करवा रहे हैं फिर चोरी कैसे रुकेगी ? इसलिए ही आज प्राइवेट ड्रिस्ट्रीब्यूशन ये करवा रहे हैं क्योंकि ये पैसा वसूल नहीं कर सकते।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह तो मैं अपना जवाब देते समय बताऊंगा कि जब ये मुख्य मंत्री थे तो उस समय बिजली बोर्ड में कितना मुनाफा था। मैं तो यह रिकार्ड देखकर ही बताऊंगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : बता देना। जब आपके प्रिंसिपल सैक्रेटरी उस समय बिजली बोर्ड के चेयरमैन थे तब बीस परसैंट लाईन लौसिज थे लेकिन अब ये चालीस परसैंट कह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे समय में आठ करोड़ रुपये प्रति महीने बिजली बोर्ड ने मुनाफा देना शुरू कर दिया था। अभिभाषण में कहा गया है कि पानीपत थर्मल प्लांट की छठी यूनिट जो 210 मेगावाट की है, सरकार उसको एक इंग्लिश कम्पनी को देने जा रही है। उसकी 100 करोड़ रुपये में यह ठेका देने की बात हो रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट ऑफ क्लैरिफिकेशन। ये वैसे ही पब्लिसिटी करना चाहते हैं। अभी तक हमने किसी को देने की कोई बात नहीं की है। टैंडर हमने किसी को नहीं दिया। (विघ्न) ये जो कहते हैं कि इनऐफिशिएंसी से चला रहे हैं तो मैं बताना चाहता हूं कि छठा यूनिट इनके टाइम में पड़ा रहा और चौधरी भजन लाल के राज में भी पड़ा रहा। (शोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, छठे यूनिट के लिए हमारे समय में 80 करोड़ रुपये की मशीनरी भी खरीद ली गई थी। भजन लाल जी की सरकार भी रही और उस समय में उस सामान पर डैमरेज लगता गया। उस पर 600 करोड़ रुपये की लागत आती है। आपके पास पैसा नहीं है आज इसलिए आप प्राईवेट हाथों में देने जा रहे हैं। (शोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अभी गवर्नर महोदय के अभिभाषण में एक बात आई है कि 25-25 मेगावाट के 41 यूनिट सरकार शुरु करने जा रही है जिनमें से 14 यूनिट की सैंक्शन दी जा चुकी है। एक पैट्रोलियम प्रोडक्ट नैप्था से बिजली तैयार होगी। आज

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

कोयले से तैयार होने वाली बिजली सस्ती पड़ती है नैप्था से तैयार होने वाली बिजली महंगी पड़ेगी। साढ़े चार रुपये पर यूनिट के हिसाब से पड़ेगी। आज कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। इस बिजली बोर्ड को बेचने की योजनाएं बनाई जा रही हैं और इनकी विफलता का इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि बिजली मंत्री ने निजीकरण के मुद्दे पर आज त्याग-पत्र दे दिया। वे बधाई के पात्र हैं जिन्होंने हरियाणा के हित को ध्यान में रखते हुए एक बोल्ड कदम उठाया है। आज बिजली बोर्ड के कर्मचारी उनका ऑनर करते हैं इंजीनियर किस्म के लोगों ने कहा कि हमारे प्रदेश के लोगों का हित इनके हाथों में सुरक्षित है। इसी प्रकार से आज ये डिस्ट्रीब्यूशन की बात करते हैं और इसको चार जोनों में बांटने की बात है इन्होंने उसके लिए रोहतक, सोनीपत, पानीपत और करनाल का ही क्यों चयन किया। जिस दक्षिण हरियाणा के लोगों ने 26 सीटें इनकी झोली में डाल दीं उस भिवानी, महेन्द्रगढ़, गुड़गांव और फरीदाबाद का चयन इन्होंने इस निजीकरण के लिए क्यों नहीं किया ? जो स्लैब रेट चौधरी देवी लाल जी के शासन काल में था वह आप क्यों नहीं कर रहे हैं। रोहतक, सोनीपत, पानीपत और करनाल के लोगों को ही यह तोहफा क्यों देने जा रहे हैं ? सरकार की विफलता का इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि जो बिजली का पैसा वसूल नहीं कर सकती, जो डिस्ट्रीब्यूशन का सिस्टम ठीक नहीं कर सकती। छोटे से लाइनमैन और जे०ई० पर पकड़ नहीं कर सकती। (शोर एवं व्यवधान) विदेशी कम्पनियों के इस क्षेत्र में आने से किसान सबसिडी से महरूम हो जाएगा। उद्योग-धंधे पलायन कर जाएंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल : हम किसी विदेशी कम्पनी को बिजली का ठेका नहीं देने जा रहे हैं। पता नहीं ये कहां से घड़ कर लाए हैं। क्या इनके पास खबरें घड़ने का कारखाना लगा हुआ है, खड़े-खड़े खबरें घड़ देते हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस यह आश्वासन चाहूंगा कि वे निजीकरण नहीं करने जा रहे हैं।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, प्राइवेटाइजेशन जो नये प्लांट आएंगे उन्हीं में होगा। डिस्ट्रीब्यूशन का जहां तक ताल्लुक है वह चाहे ज्वायंट वैन्चर में हो या प्राइवेट में लेकिन हमको बिजली के लाईन लौसिज घटाने हैं।

श्री बलवंत सिंह : यह चार जिलों में ही क्यों करने जा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लाल : बलवंत सिंह जी आप वाले जिले छोड़ दें। हमारे जिलों में ले जाएं। मंजूर है आपको, बात मान ली। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हम तो निजीकरण के खिलाफ हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जय सिंह राणा : चार जिलों में ही क्यों करने जा रहे हैं। भिवानी , महेन्द्रगढ़, गुड़गांव में क्यों नहीं कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब और बाकी सब चौधरी जसवंत सिंह की बात कर रहे हैं। Shri Jaswant Singh is very much in favour of generation of electricity. He is an Hon'ble Member of this August House. ये इस बात को तोड़ मरोड़ कर कह रहे हैं बकायदा इन्होंने इस बात को कहा है। (विघ्न)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : अध्यक्ष महोदय, एक बात चौटाला साहब ने कही है कि 17 जिलों में से 14 जिलों को ही पीने का पानी मिलता है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि वे तीन कौन से जिले रह गये हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा था कि यमुना का जल 14 जिलों को प्रभावित करता है। यमुना का पानी 14 जिलों में जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताने जा रहा था कि बिजली के निजीकरण से किसानों की सबसिडी समाप्त हो जायेगी। हमारे कर्मचारियों की छंटनी हो जायेगी क्योंकि प्राईवेट लोग हमारे कर्मचारियों को कैसे रखेंगे ? (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं यह क्लीयर कर देना चाहता हूं कि किसानों की सबसिडी बदस्तूर जारी रहेगी और किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं होगी। जो कर्मचारी अब सर्विस कर रहे हैं वे जारी रहेंगे और उनकी सर्विस कंडीशन में किसी प्रकार की तबदीली नहीं आयेगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी अभी भी हाऊस को गुमराह कर रहे हैं। ये सबसिडी का पैसा जुटाने की स्थिति में नहीं हैं इसलिए बिजली का निजीकरण कर रहे हैं। अगर इनके पास पैसा है तो फिर निजीकरण क्यों करने जा रहे हैं।

श्री बंसी लाल : सबसिडी के बारे में रयूमर फैलाने से हमारी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : तथ्य तो तथ्य हैं। ये कहते हैं कि निजीकरण से 7-8 प्रतिशत लाईन लौसिज बचा लेंगे लेकिन अध्यक्ष महोदय, इससे बिजली कितनी महंगी हो जायेगी। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : 7-8 प्रतिशत से ज्यादा बल्कि 18-20 प्रतिशत लाईन लौसिज को बचा लेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : लेकिन प्राईवेट हाथों में जब बिजली चली जायेगी तो किसानों को फायदा कैसे पहुंचा पायेंगे। किसानों को लाभ पहुंचाना तो सरकार की जिम्मेदारी बनती है। बिजली के माध्यम से ही किसानों को फायदा पहुंचाया जा सकता है। जब बिजली का निजीकरण हो जायेगा तो किसानों को ट्यूबवैल के कनैक्शन कैसे मिल पायेंगे। एक बिजली के ट्यूबवैल कनैक्शन की कीमत 40 हजार रुपये होती है लेकिन निजीकरण हो जाने के बाद प्राईवेट कम्पनी वाले 40 हजार रुपये खर्च क्यों करेंगे। जब बिजली का निजीकरण हो जायेगा तो प्राईवेट कम्पनी वाले तो उन्हीं अधिकारियों को मुफ्त बिजली देंगे जिनसे उनका वास्ता पड़ेगा। उनको वे बिना पैसे बिजली सप्लाई करेंगे। इसलिए अध्यक्ष महोदय, बिजली के निजीकरण के लिए हम इसका विरोध करते हैं कि बिजली का निजीकरण किसी भी कीमत पर नहीं होना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से आज शराबबंदी का जिक्र आया। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आप देख रहे हैं कि किस तरह से विपक्ष के नेता सदन को गुमराह कर रहे हैं। हमने जो प्रदेश में बिजली के 18 प्रतिशत लाईन लौसिज थे उनको कम करने के लिए यह निजीकरण की बात की है। विपक्ष के नेता भूल गये कि इनके समय में लाईन लौसिज 26 प्रतिशत होते थे उसके बाद इनके दूसरे भाई का राज आया और उन्होंने किस गलत तरीके से बिजली का दुरुपयोग किया यह सारे प्रदेश की जनता जानती है। ये कहते हैं कि इनके समय में बिजली की व्यवस्था ठीक थी, यह सब लोग जानते हैं। जब इनके समय में थर्मल प्लांट लगाने की बात आई तो इन्होंने कितना काम किया यह सब जानते हैं। कितने उद्योगों को बिजली मिलती थी और उपभोक्ता को कितनी बिजली मिलती थी। यमुनानगर में जब थर्मल प्लांट लगाने की बात आई तो इन्होंने कहां लगवाया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनको बताया जाये कि पानीपत थर्मल प्लांट की पांचवीं यूनिट हमने चालू की थी। यह कैसे अनरगल बात कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आज अगर प्रदेश में बिजली नहीं होगी तो बहुत बुरा हाल हो जाएगा। इसकी वजह से ही आज गन्ना पैदा करने वाले किसानों की हालत दयनीय है। मुख्यमंत्री महोदय ने चुनावों से पहले जनता से वायदा किया था तथा यहां हाउस में भी कहा था कि हरियाणा में गन्ने का भाव वे पंजाब और उत्तर प्रदेश के राज्यों के बराबर देंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, आज जो शूगर मिलों में किसान अपना गन्ना डाल रहे हैं, परन्तु इन किसानों को अभी तक यह नहीं पता है कि उनको इस गन्ने का पैसा कब मिलेगा और किस भाव से मिलेगा ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा था कि पंजाब या उत्तर प्रदेश जिस भी राज्य का ज्यादा रेट गन्ने का होगा, वह देंगे। उत्तर प्रदेश में किसानों ने फैक्ट्रियों वालों से मिलकर गन्ने का भाव 71 रु0 से 76 रु० प्रति क्विंटल तक का तय किया है और पंजाब में 55 रु० प्रति क्विंटल फिलहाल दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 67 प्रतिशत गन्ना 25 रु० के भाव से खांडसारी को जाता है। लेकिन हम 80 रु० प्रति क्विंटल के भाव से गन्ना ले रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 10/- रु० के भाव से गन्ना चिमनी भट्ठे को जा रहा है।सरकार कम से कम यह तो स्पष्ट करे कि वह गन्ने का क्या भाव देगी। सरकार ने गन्ने का रेट 62/- रु० तय किया था लेकिन आज भी गन्ने का भाव 52 रु० मिलता है।

Shri Bansi Lal : Speaker Sir, he is again misleading the house. हमने 62 रु० का भाव पहली इन्सटालमैंट में तय किया था। लेकिन जो गन्ने का रेट फिक्स किया गया है वह 76 रु०, 78 रु० व 80 रु० प्रति क्विंटल है। यह गन्ने की क्वालिटी के ऊपर है। जैसा गन्ना होगा वैसा रेट मिलेगा। इस बारे में मैंने पहले भी सदन में कहा था तथा आज भी कह रहा हूं कि ये सदन को गुमराह कर रहे हैं।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला जी से हम तो गुजारिश ही कर सकते हैं कि आंकड़े ऊंचे-नीचे बोलने से बदले नहीं जा सकते हैं। चौटाला साहब को किसानों की जितनी चिंता है, उससे कहीं ज्यादा इस सरकार की है। यमुनानगर में जो सबसे बड़ा शूगर मिल है, जहां पर 3 जिलों के किसान अपना गन्ना भेजते हैं, वहां के किसानों ने हड़ताल कर दी और किस तरह से, बड़ी मुस्तैदी से इस सरकार ने उसको कंट्रोल किया। आपकी सरकार के मुख्यमंत्री तो उस शूगर मिल के मालिक के यहां पानी भरा करते थे। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री ने उनसे बात करने से भी इन्कार कर दिया तथा कहा कि पहले किसानों की बात सुनी जाएगी। (थंपिंग) 3 जिलों के किसानों ने बड़ी भारी संख्या में आकर इस बात का धन्यवाद दिया कि युग-युग जिओ चौ० बंसी लाल जी क्योंकि आज तक हमें गन्ने का पूरा भाव किसी ने नहीं दिया। स्पीकर सर, I am on facts. हम भी विपक्ष में रहे हैं, लेकिन हमने ऐसा कभी नहीं किया। गन्ना मिलों तथा नगरपालिका कर्मचारियों की हड़ताल इन मुअजिज नेताओं की शह पर ही हुई थी तथा इन्होंने ही उनको भड़काया था कि गन्ना सड़ने दो। इन्होंने ही उनको भड़काया कि तुम हड़ताल कर दो। गन्ना पड़ा रहेगा, गन्ना नहीं आएगा और गन्ना जो पहले ही स्टॉक में है, उसका रस भी कम हो जाएगा मैं शूगर मिल के कर्मचारियों को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने 48 घंटे में अपनी हड़ताल तोड़ दी (थंपिंग) ये कर्मचारियों को भड़का रहे थे। (शोर)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप जब चाहें खड़े हो जाते हैं, फिर बोलने लग जाते हैं। यह कोई तरीका नहीं है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर आप सुनेंगे नहीं तो मैं क्या कहूंगा। यह अच्छी बात नहीं है।

श्री अध्यक्ष : इसे हाउस में सभी को बोलने का मौका दिया जा रहा है। यह अच्छी बात नहीं है कि कोई पहले खड़ा हो जाए, फिर बोलना शुरू कर दे और बाद में प्वाइंट ऑफ आर्डर कहे। (शोर एवं विघ्न) कृपया आप सभी बैठ जाएं।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मेरी गुजारिश है कि गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है और बीच में बार-बार मंत्री खड़े होकर रिप्लाई दे रहे हैं। मुख्य मंत्री जी स्वयं इन्टरवीन करके रिप्लाई दे रहे हैं। मैं आपसे जानना चाहता हूं कि बाद में जब गवर्नर साहब के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब दिया जाएगा तो उसका क्या महत्व रह जाएगा। यह कोई गवर्नर साहब के अभिभाषण पर चर्चा नहीं हो रही है यह तो केवल डिबेट है। इधर से चौटाला साहब बोल रहे हैं और उधर से मुख्य मंत्री जी खड़े होकर जवाब दे रहे हैं। यह कोई अच्छी परम्परा नहीं है।

Mr. Speaker : Now, Mr. Om Parkash Chautala will continue his speech.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे विशेष रूप से एक आग्रह करना चाहूंगा कि गवर्नर साहब के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है इसको आप डिबेट न बनने दें। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने गन्ने का भाव 62 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से मुकरर किया। पिछले अधिवेशन में भी इस बारे में चर्चा चली थी और 28 दिसम्बर को एग्रीकल्चर मिनिस्टर ने एक मीटिंग बुला कर गन्ने का भाव 80, 78 और 76 रुपए प्रति क्विंटल मुकरर किया।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि अपोजिशन हाउस को गुमराह कर रहे हैं। सरकार ने गन्ने का भाव 62 रुपए प्रति क्विंटल कभी भी तय नहीं किया। यह बिल्कुल असत्य और गलत बात है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आज भी गन्ना उत्पादक किसान को गन्ने का भाव 52 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से मिल रहा है। कई शूगर मिल तो ऐसी हैं जो आज भी किसानों को पैसा नहीं दे रही हैं। उनकी तरफ पिछले साल का 10 करोड़ रुपया किसानों का बकाया पड़ा है। वह पैसा अभी तक किसानों को नहीं मिला है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला को कहना चाहता हूं कि वे मेहरबानी करके सदन और प्रदेश की जनता को गुमराह न करें। राज्य सरकार की तरफ से गन्ने की प्राइस कभी भी 62 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से तय नहीं की गई। अब इन्होंने यह गलत बात कहनी शुरू कर दी कि किसानों को 52 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से गन्ने का भाव दिया जा रहा है। यह बिल्कुल गलत बात है। हमने गन्ने का भाव 80, 78 और 76 रुपए प्रति क्विंटल तय किया हुआ है। उसके हिसाब से हरियाणा के किसानों को पैसा दिया जा रहा है।

श्री सूरजमल : अध्यक्ष महोदय, सोनीपत शूगर मिल में अब भी किसानों को 52 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से पैसा दिया जा रहा है। इस बात की जाँच ये मेरे साथ वहां पर चल कर, कर लें।

Mr. Speaker : Don't interrupt in such a way. Please take your seat.

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य श्री सूरजमल जी को कहना चाहूंगा कि इनका यह कहना गलत है कि सोनीपत शूगर मिल किसानों को 52 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से गन्ने का पैसा दे रही है। जैसे मैंने पहले भी आपको बताया है कि सारे हरियाणा के शूगर मिलों को यह हिदायत दी हुई है कि हरियाणा के किसानों को 80, 78 और 76 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से गन्ने का पैसा दिया जाए। इसमें एक बात जरूर है कि जो मिल किसानों को पूरा पैसा देने में समर्थ नहीं है वह पर्ची के पीछे लिख देते हैं कि यह पहली इंस्टालमैंट है और दूसरी इंस्टालमैंट में पूरा पैसा दे दिया जाएगा।

श्री जसविन्द्र सिंह सन्धु : सारे हरियाणा प्रदेश में किसानों को 52 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से पैसा दिया जा रहा है। आप इस बारे में कहीं पर भी पता कर लें।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाएं। जब आपके लीडर खड़े हों तो कम से कम उस समय तो आप बैठ जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के माननीय सदस्य तो बैठ जाते हैं लेकिन ट्रेजरी बैंचिज वाले आपके खड़े होने पर भी नहीं बैठते।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब, आपको बोलते हुए एक घंटा 9 मिनट हो गए हैं। आप सम-अप करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अब ये जो बीच बीच में बोलते रहे वह टाईम भी आप मेरे खाते में डालेंगे। ये मुझे बार-बार इन्ट्रप्ट कर रहे हैं। उस समय की कोई चर्चा ही नहीं हैं, मुझे तो बोलने के लिए 10 मिनट भी नहीं मिले हैं। अध्यक्ष महोदय, आज सारे प्रदेश के अन्दर किसानों को 52 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से मिलों द्वारा पैसा दिया जा रहा है। (शोर एवं विघ्न)

श्री बंसी लाल : ये बकरी की तीन टांग लेकर बात कर रहे हैं तो मैं चौथी टांग कहां से ला दूं। (विघ्न)

सहकारिता मन्त्री (श्री नरबीर सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पिछले 14 दिनों से हरियाणा की 5 मिलों में 80 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से पैसा किसानों को दिया जा रहा है। शुरू में सभी दसों की दसों मिलों में इस साल किसानों को 62 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से पैसा दिया गया था।

श्री राम बिलास शर्मा : धीरपाल जी भी कह रहे थे कि 80 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से रोहतक की मिल द्वारा किसानों को पैसा दिया गया है।

श्री धीरपाल सिंह : मैंने कभी नहीं कहा कि वहां पर 80 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से पैसा दिया गया है वहां पर 52 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से पैसा दिया गया है।

श्री अध्यक्ष : मेरा ट्रेजरी बैंचिज के सदस्यों से अनुरोध है कि वे चौटाला साहब को अपनी बात कनकल्यूड कर लेने दें। टोका-टाकी न करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मुख्य मंत्री जी ने चुनावों से पहले सभाओं में कहा था कि म्यूनिसिपल कर्मचारियों को खजाने से पैसे देंगे। चौकीदारों के बारे में भी कहा था कि 300 रुपये महीना देंगे। उनके लिए तो कानून बना दिया।

श्री बंसी लाल : चौकीदारों को मैंने 300 रुपए देने के लिए कहा था हम उनको 300 की बजाये 400 रुपये दे रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप म्यूनिसिपल कर्मचारियों को क्यों नहीं सरकारी खजाने से पे देना चाहते। सरकार उनको लाठी मारती है। उनको जेलों में बंद करती है। उनको डिसमिस करती है।

Shri Birender Singh : I want your ruling on a point of order, Sir. This has been the practice of this House and even in Parliament that when a member is speaking if he is irrelevant then the other member can interrupt him. But when he is not irrelevant then there is no provision that somebody should interrupt him. Please try to see that decorum in the House is maintained properly.

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आप बैठिये। आप बीच में जवाब न दें। इनको अपनी बात खत्म कर लेने दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि म्यूनिसिपल कर्मचारियों का क्या दोष है यदि वह सरकारी खजाने से तनख्वाह लेना चाहते हैं ? सरकार को उनकी मांगों को मान लेना चाहिए। सरकार उनकी मांग मानने की बजाये उन पर लाठियां चला रही है। उनको बच्चों समेत जेल में बंद कर रही है। एक दिन बात आती है कि इन कर्मचारियों के साथ समझौता हो गया है फिर अगले दिन बात आती है कि कोई समझौता नहीं हुआ। अभी तक ये कोई स्पष्ट आश्वासन या निर्णय इस बारे में नहीं कर पाये हैं। सरकार कहती है कि विपक्षी पार्टियां कर्मचारियों को गुमराह कर रही हैं। यह गलत बात है। हम जनता के चुने हुए नुमाइन्दे हैं। हम लोगों की उचित मांगों को यहां पर उठायेंगे। उनको इंसाफ दिलाने के लिए हम हाउस में अपनी बात कहेंगे। अध्यक्ष महोदय, आज सरकार हर मामले में विफल हो चुकी है। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी अपने जवाब में बताएंगे, मैं कुछ कहूंगा तो ये फिर बीच में कोई गड़बड़ कर देंगे। मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि सरकार ने कर्मचारियों को तनख्वाह देने के लिए 68 करोड़ रुपया हुड्डा से लिया है जबकि वह एक आटोनमस बॉडी है। सारे कायदे कानूनों को तोड़ कर यह सरकार काम कर रही है। हुड्डा का प्लाट यदि किसी ने लिया है तो यदि उसकी दस बार रजिस्टरी हुई है तो उस पर दस बार पैसा ले रहे हैं। नो-प्रोफिट नो-लोस पर ये प्लाट देने शुरू किए गए थे लेकिन अब सरकार लोगों से किसी न किसी रूप में पैसा ले रही है। अब इन्होंने नीलामी का प्रोसिजर शुरू किया है। मैं बता रहा था कि 68 करोड़ रुपया हुड्डा से लिया था। इसी प्रकार से इन्होंने 50 करोड़ रुपया मार्किटिंग बोर्ड से और 11 करोड़ रुपया हैफेड से लिया है। इस सरकार के मंत्री और यह सारी सरकार कह रही है हम शराब बंद करेंगे और राजस्व के घाटे को पूरा करने के लिए अपने खर्चों में कमी करेंगे। खर्चों में कमी करने का जब अवसर आया तो ये भूल गए और जब मैम्बर्ज नाराज़ होने लगे तो वजीरों की एक बहुत बड़ी फौज खड़ी कर दी गई। एम०एल०एज़० नाराज़ हुए तो वजीर बना लिए लेकिन अध्यक्ष महोदय, अब तो वजीर भी नाराज़ होने शुरु हो गए हैं। अब इस खोखले महल की ईंट निकलनी शुरू हो गई है। नाराज़ वजीरों को कैसे खुश किया जाएगा। स्पीकर साहब, आज इनकी हालत यह हो गई है कि पैसा वसूल करने के लिए लगे हुए हैं और आर०टी०ए० की बजाए एस०डी०एमज० को कहा गया है कि वे वाहनों के चालान करें। हरियाणा के 90 एस०डी०एमज० की जिम्मेदारी लगाई गई है कि वे वाहनों के चालान करके पैसा इकट्ठा करें। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में 90 एस०डी०एमज० तो हैं ही नहीं पता नहीं ये फिगर्ज़ कहां से उठा लाए। (विघ्न एवं शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह 90 की फिगर तो मैंने जानबूझ कर दी है, मुझे सही संख्या का पता है। (विघ्न) मैंने 90 जानबूझ कर इसलिए कहा है क्योंकि महसूल चुंगी का इनको 45 करोड़ रुपया मिलता था लेकिन अब उसकी बजाए 80 करोड़ रुपये वसूल करने की योजना ये बना रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, उन एस०डी०एमज० को कहा गया है कि वे वाहनों के चालान करें और 60 लाख रुपये महीने का वसूल करके दें। चुनावों से पहले ये जहां भी जाते थे तो कहा करते थे की पीटर रेहड़े को भी लाईसैंस देंगे लेकिन आज हालत यह है कि टू व्हीलर और स्कूटर्ज आदि पर भी दो-दो हज़ार रुपये के जुर्माने होते हैं और उसमें भी विरोधी पक्ष के लोगों के साथ ज्यादती होती है। अध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी की एक सदस्या हैं जो कुरुक्षेत्र जिले में एक ट्रस्ट की चेयरमैन हैं। उसकी गाड़ी पर 11 हज़ार रुपये का जुर्माना हुआ है जो कि एस०डी०एम०, पेहवा ने किया है। अध्यक्ष महोदय, एक बस के ऊपर 25 हज़ार रुपये जुर्माना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, यह हालत आज हरियाणा प्रदेश के लोगों की हो गई है कि लोगों को बेइन्तहा टैक्सों के बोझ से लाद दिया गया है। टैक्स वसूल करने के लिए उन्हें तंग किया जा रहा है। आज लोगों में टैक्स देने की हिम्मत नहीं है। आमदनी के सारे साधन समाप्त हुए पड़े हैं तथा पूरे प्रदेश में एक अनार्की सी फैल चुकी है। विकास के सारे काम ठप्प हो चुके हैं। सारे हरियाणा प्रदेश में कहीं पर भी एक ईंट तक नहीं लग रही है। इनसे टूटी हुई सड़कों की एक टाकी भी नहीं लग पा रही है। कोई भी विकास नाम की बात नहीं है। चौधरी बंसी लाल की बड़ी ख्याति हुआ करती थी कि ये विकास करने वाले हैं। चाहे गुमराह हो कर ही लोगों ने इनको वोट दे दिया है लेकिन आज वे रो रहे हैं। विकास के नाम पर हरियाणा प्रदेश का बिनाश हो रहा है, विकास तथा डिवैल्पमैंट के नाम पर शराब की तस्करी हो रही है। सरकारी संरक्षण प्राप्त लोग आज शराब की तस्करी कर रहे हैं जिसकी वजह से आज पूरे प्रदेश का जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अध्यक्ष महोदय, स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और महिलाएं तक शराब बेचने पर लगे हुए हैं। ये कहते हैं कि शराब की वजह से नैतिक पतन हो रहा था। अध्यक्ष महोदय, ये चुनाव से पहले घोषणा किया करते थे कि लॉटरी महकमे को बन्द करेंगे। चुनाव के दौरान ये कहा करते थे कि हम लाटरी में पिकेटिंग करेंगे और लॉटरी नहीं चलने देंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां दूसरी चीजों पर सेल्ज़ टैक्स बढ़ाया गया है, डीज़ल और पैट्रोल तक पर भी टैक्स बढ़ाए गए हैं जिसकी वजह से सरकार का राजस्व तो नहीं बढ़ा है लेकिन पैट्रोल पम्प के मालिकों को जरूर नुकसान हो गया है। उनको जो कमीशन मिलता है वह लीटर के ऊपर मिलता है पैसे के ऊपर नहीं मिलता है। उसका तो 25% रियायत करके केन्द्रीय सरकार ने पैसा बढ़ा दिया था लेकिन अब उनके ऊपर सेल्ज़ टैक्स बढ़ा दिया है। लॉटरी के ऊपर 20% टैक्स को घटा कर उसको 7% किया गया है ताकि लॉटरी ज़्यादा बिक सके। अध्यक्ष महोदय, इसका परिणाम यह निकला है कि सैंकड़ों लोग मौत के मुंह में चले गए। मां बच्चे को घर से 10 रुपये का नोट देती है सब्जी लाने के लिए, जब वह बच्चा लॉटरी की दुकान के आगे से निकलेगा तो एक रुपये की लॉटरी लेगा कि शायद उसे कुछ ज़्यादा रुपये मिल जाएंगे। एक-एक रुपया करके जब उसके 10 के 10 रुपये खर्च हो जाते हैं तब उसे याद आता है कि सब्जी लेनी है, तू घर में जाएगा तो मां पीटेगी, इस डर से वह खुदकशी करेगा। अध्यक्ष महोदय, लोगों के घर इस लॉटरी की वजह से बर्बाद हो गए हैं। सरकार को लाटरी से आमदनी कितनी हुई, केवल 70 करोड़ रुपये। इस सरकार को 70 करोड़ रुपये की आमदनी हुई लेकिन लोगों की जेब से 350 करोड़ रुपये निकल गये। सरकार को शराब के राजस्व से 600 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और गृह मंत्री जी कह रहे थे कि 3 हज़ार करोड़ रुपया लोगों का बच गया। अध्यक्ष महोदय, 70 करोड़ रुपये के लिए आज साढ़े तीन सौ करोड़ रुपये हरियाणा प्रदेश के गरीब लोगों की जेबों से चले गए। लॉटरी कौन लेगा, रिक्शा पुलर, कुली और गरीब लोग ही लॉटरी खरीदते हैं। आज कितने ही घर लॉटरी की वजह से उजड़ चुके हैं।

अध्यक्ष महोदय, ये बात तो नैतिकता की करते हैं लेकिन भ्रष्टाचार आज पूरे यौवन पर है। सारे प्रदेश में भ्रष्टाचार फैला हुआ है और लोगों पर टैक्सों का बोझ लादा जा रहा है। टैक्स बढ़ें तो मानकर चला जा सकता है लेकिन हैरानी इस बात की होती है कि इस प्रकार की कोई कहानी भी आपने नहीं सुनी होगी कि टैक्सेशन मिनिस्टर जो कि पूर्व फाईनैंस मिनिस्टर भी थे, सेठ सिरी किशन दास जी उनकी अपनी एक इण्डस्ट्री है फेरा ऐलॉय के नाम से। यह फैक्टरी रोहतक में गोहाना रोड के ऊपर है जिसमें एक स्पेशल किस्म का कैमिकल तैयार होता है और वह कैमिकल केवल पत्थर और स्टेनलैस स्टील में इस्तेमाल होता है। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है कि इस प्रकार की यह एकमात्र फैक्टरी है जिसमें यह कैमिकल तैयार होता है। इस के ऊपर एक जनवरी, 1997 से 4% की बजाए सेल्ज़ टैक्स 1% कर दिया गया है। 3 प्रतिशत की रियायत इसलिए दी है क्योंकि ये फाइनैंस मिनिस्टर थे। इनको केवल इसी पर सबर नहीं हुआ, अध्यक्ष महोदय, इसी किस्म की एक फैक्टरी हरियाणा प्रदेश में स्टेनलैस स्टील की है जो सीटस वगैरह तैयार करती है। वह सेठ सिरी किशन दास के सगे रिश्तेदार की है। सेठ सिरी किशन दास का इकलौता बेटा हरियाणा विकास पार्टी के वाईस प्रैजिडैंट और कुरुक्षेत्र जिले के मैम्बर पार्लियामैंट, *** की बेटी से ब्याहा हुआ है और हरियाणा में उन की एक मात्र फैक्टरी स्टेनलैस स्टील की है। उस को भी एक जनवरी, 1977 से रियायत दे कर चार प्रतिशत की जगह एक प्रतिशत सेल्ज़ टैक्स कर दिया है। आज गरीब आदमी पर टैक्स लगाया जाता है लेकिन हरियाणा प्रदेश के सेठों को रियायत दी जाती है। खजाने को अध्यक्ष महोदय, दोनों हाथों से लूटा जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। (विघ्न)

सेठ सिरी किशन दास : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, हमारा यह काम नहीं है कि हम हेराफेरी करें। अगर टैक्स घटाने से तीन गुणा टैक्स न आया हो तो मैं जिम्मेवार हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप यह बताएं कि टैक्स घटाया है कि नहीं घटाया है ? (शोर एवं व्यवधान)

सेठ सिरी किशन दास : यह चोरी वाली बात हमें नहीं आती है। हमें यह बात भी नहीं आती है कि लोगों को साथ ले जाएं और मरवा दें। ऐसा करना हमें कुछ नहीं आता है। हमारी बात बिल्कुल क्लीयर है। यह जो आपने कहा है तो आप चाहें तो देख लें। हमने लोगों से वायदा करके 10 चीजों का टैक्स घटाया है। अगर कर घटाने से तीन गुना टैक्स वसूल नहीं हुआ होगा तो मैं इसके लिए जिम्मेवार हूँ। आपको इस तरह से गलत बात नहीं करनी चाहिए, गलत इल्ज़ाम नहीं लगाने चाहिएं।

श्री अध्यक्ष : मैं चौटाला साहब से कहना चाहूंगा कि उनको बोलते 1 घंटा 22 मिनट हो चुके हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप जब कहेंगे मैं बैठ जाऊंगा।

सेठ सिरी किशन दास : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको हिस्टरी बताता हूँ। मैं हांगकांग गया था। चौटाला साहब वहां से जिनसे घड़ियां लाए थे इत्फाक से वे मेरे रिश्तेदार थे। वहां पर जिंदल जी की लड़की ब्याही हुई है। मैं वहां पर ठहरा और दो-तीन दिन उन्होंने हमें घुमाया। जब आने लगा तो वे कहने लगे कि सेठ जी आपको कितनी घड़ियां चाहिएं। मैंने कहा कि मैं तो पहन रहा हूं, 3 बच्चे हैं इनको दे दो। उन्होंने कहा कि वाह चौटाला साहब तो हमारे से 150 घड़ियां ले गए और आप 3 कह रहे हैं। मैंने कहा कि क्या मेरी भी हालत चौटाला वाली करवाना चाहते हो। (हंसी)

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाल दिया गया।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सेठ जी को मेरी घड़ियों का फिक्र हो रहा है। लेकिन यह जो चार प्रतिशत की बजाए तीन प्रतिशत खाया गया है इसका सेठ जी को कतई लेश मात्र भी फिक्र नहीं है। सेठ श्री किशन दास जी यह बात बतायें कि चार प्रतिशत की बजाए फैरा-एलाय का टैक्स एक प्रतिशत किया है या नहीं किया है ? मेरा प्रश्न इनसे केवल यही है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं इनको जवाब अच्छी तरह से दे दूंगा और ऐसा जवाब दूँगा जो इनको जंच जाएगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये हाउस को गुमराह कर रहे हैं कि इस प्रदेश को लाभ हुआ है। अध्यक्ष महोदय यह तो सीधी गिनती का हिसाब है। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, आपके एक घंटा 24 मिनट हो गए हैं। आपकी पार्टी के 36 मिनट बाकी रह गए हैं, आप चाहें तो सारा टाईम आप ले लें या अपनी पार्टी के दूसरे मैम्बर को दे दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी बात समझ रहा हूं। मैं एक दो मिनट की बात ही करूंगा। थोड़ी सी आपकी आंख कड़ी देखी तो मैं जरक देनी के बैठ जाउंगा। मने पता है मैं आपके तौर तरीके को समझ रहा हूं। मैं ऐसी गलती नहीं करूंगा। मुझे अभी एक और लड़ाई लड़नी है इसलिए मैं आपको अभी मौका नहीं दूंगा। अध्यक्ष महोदय, आज पूरे प्रदेश में अनारकी फैल गई है। कानून व्यवस्था ठप्प हो गई है। बिजली, पानी और टैक्स के नाम पर गरीब आदमी पर बोझ लादा जा रहा है। सत्ता में बने हुए लोग सरकारी खजाने को लूट कर खा रहे हैं। डिवैल्पमैंट नाम की कोई चीज नहीं हुई है। यह सरकार की विफलता का कच्चा चिट्ठा है। (इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिए खड़े हो गए।)

श्री अध्यक्ष : सभी मैम्बर साहेबान कृपया अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जाएं और चौटाला साहब को अपनी बात खत्म करने दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हैरानी तो मुझे बृजमोहन सिंगला को देखकर होती है। जींद की जनता ने तो इनको एम०एल०ए० बनाकर भेजा था। लेकिन चौधरी बंसी लाल ने इनको एम०एल०ई० बना दिया लेकिन फिर भी ये यहां बोलते हैं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि सदस्य को बोलने से रोकना नहीं चाहिए लेकिन क्या किसी सदस्य को यह अधिकार है कि वह किसी भी दूसरे माननीय सदस्य के खिलाफ झूठे आरोप लगाए। चौटाला साहब ने सेठ जी एवं दूसरे अन्य सदस्यों के ऊपर झूठे आरोप लगाए हैं। क्या ये अपना समय भूल गए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, सेठ जी तो मान रहे हैं कि उन पर टैक्स घटाया है फिर ये बीच में क्यों बोल रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : अभी चौटाला साहब ने जिंदल जी का नाम लिया है परन्तु वे इस हाउस के सदस्य नहीं हैं इसलिए उनका नाम रिकार्ड में नहीं आना चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, लेकिन आप सेठ सिरी किशन के रिश्तेदार का नाम तो कार्यवाही में रखेंगे। मैं तो यही कह रहा हूं कि वे इनके रिश्तेदार हैं। एक इनका बेटा है और उसका ब्याह उन की बेटी से हुआ है। (विघ्न)

सेठ सिरी किशन दास : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब की तीन पुश्तों पर मुकदमें चल रहे हैं और वे कोर्ट में खड़े हैं। इसलिए ये अब हमारे बारे में क्या कहेंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हमारा तो यह धंधा है लेकिन आप बचकर रहना। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपका कृतज्ञ हूं, मशकूर हूं तथा मैं आपका धन्यवाद करुंगा और आपसे यह कहूंगा कि गवर्नर साहब का अभिभाषण मात्र एक ढकोसला है और इसमें सारी की सारी आधारहीन बातें हैं। यह सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है क्योंकि आज प्रदेश में न बिजली है, न पानी है, कानून और व्यवस्था समाप्त हो चुकी है, किसी की भी जान माल सुरक्षित नहीं है। आम आदमी पर टैक्सिज का बोझ लाद दिया गया है और सत्ता में बैठे हुए लोग सरकारी खजाने को लूटकर खा रहे हैं तथा कहीं पर भी विकास नहीं हो रहा है। यह सारा अभिभाषण निराधार है और यह सरकार अपने ही किए हुए वायदों के खिलाफ है। आप सब का धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी आपकी भेजी हुई दो चिटें मेरे पास आयी हैं। आपने कहा है कि पहले तो कैप्टन साहब बोलेंगे और आप बाद में बोलेंगे।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरे बोलने के बाद कैप्टन अजय सिंह बोलेंगे। हमने 6 नाम गवर्नर ऐड्रस पर बोलने के लिए अपनी तरफ से दिए हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला, श्री भजन लाल एवं चौधरी बंसी लाल को ही ज्यादा समय बोलने का मिलता है और हमें तो बोलने का समय मिलता ही नहीं है।

श्री अध्यक्ष : मैं आप सभी को यह बताना चाहूंगा कि गवर्नर ऐड्रस पर बहस के लिए 7 घंटे फिक्स हुए थे और इस हिसाब से हर मैम्बर को बोलने के लिए करीब पांच मिनट मिलते हैं। अब या तो आप इतने समय में अपने अपने लीडर्ज को बुला लें या फिर आप बोल लें, हमें कोई ऐतराज नहीं है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आपकी यह बात इसलिए ठीक नहीं है क्योंकि उस साईड में तो सारे मंत्री बने हुए हैं और मंत्री को बोलने की जरूरत नहीं है। आप इसी बात को देखते हुए एम०एल०एज० को बोलने के लिए समय दीजिए।

श्री बंसी लाल : चौधरी भजन लाल जी, क्या आपको अपना समय याद नहीं जब आपके मिनिस्टर हमारे से ज्यादा थे ?

डा० वीरेन्द्र पाल अहलावत : स्पीकर सर, हम भी इस हाउस के सदस्य हैं। हमें भी अपनी बात कहने के लिए समय दीजिए।

श्री भजन लाल (आदमपुर) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया टाइम देने का, बाकि बाद में कहूंगा। अध्यक्ष महोदय, 5 तारीख को राज्यपाल महोदय ने सरकार का बनाया हुआ अभिभाषण दिया। उस दिन भी हमने कहा था और हमने वाकआउट भी किया था। सरकार ने गवर्नर साहब के हाथ में सरकार की उपलब्धियों का पोथा पकड़ा दिया और उनको पढ़ना पड़ा क्योंकि गवर्नर साहब की मर्यादाएं होती हैं, और कुछ मान्यताएं होती हैं। उनका मन अंदर से इस अभिभाषण को पढ़ने को नहीं मान रहा था लेकिन फिर भी उसे पढ़ रहे थे और जब वे उसे पढ़ रहे थे तभी हम वाकआउट करके गए। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले गवर्नर साहब ने अपने अभिभाषण में कहा कि प्रदेश में लॉ एण्ड ऑर्डर की सिचुएशन बहुत बढ़िया हो गई है। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।) उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं और

[श्री भजन लाल]

जैसे कि अभी चौटाला साहब बोल रहे थे आंकड़े मेरे पास भी यही हैं, नाम हैं सब कुछ है लेकिन उनका जिक्र करूंगा तो बहुत समय लग जाएगा और मैं ज्यादा समय भी नहीं लेना चाहता हूं। उन नामों को आप मेरे भाषण में शामिल कर लेना कितनी हत्याएं, कितने बलात्कार, कितनी डकैतियां, कितनी चोरियां और किस तरह से बम विस्फोट सारे प्रदेश में हुए। उपाध्यक्ष महोदय, लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति बदतर हो गई है किसी की भी जान माल सेफ नहीं है। किसी की बहू-बेटी की इज्जत सेफ नहीं है इतनी बुरी हालत हो गई है। इस सरकार के बनने से पहले चौधरी बंसी लाल ने बहुत बड़े-बड़े वायदे किए थे। हम जनता से उस समय भी कह रहे थे कि पहले चौधरी देवी लाल जी ने और ओम प्रकाश चौटाला जी ने बहुत बड़े-बड़े वायदे किए थे अब चौधरी बंसी लाल जी कर रहे हैं ये वायदे पूरे होने वाले नहीं हैं लेकिन लोगों ने इन पर विश्वास किया। हालांकि पूरा बहुमत तो नहीं दिया लेकिन फिर भी कुछ हद तक नजदीक लगा दिए। (विघ्न) किस वजह से लगे, उपाध्यक्ष महोदय, आपकी वजह से, बी०जे०पी० की वजह से। अगर बी०जे०पी० इनको सहयोग न देती तो चौधरी साहब वहां नहीं बैठ सकते थे। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने दो वायदे बड़े किए, एक तो प्रदेश में अमन और शांति लाना और दूसरा बिजली के बारे में कि बिजली 24 घंटे देंगे। इन्होंने कहा था कि रेट भी कम करके दूंगा और 24 घंटे में नये ट्यूबवैल का कनैक्शन दे देंगे। कोई कनैक्शन बाकि नहीं रहेगा लेकिन आज 74 हजार कनैक्शन बाकी पड़े हुए हैं। कितने कनैक्शन दिए हैं ? ये अपने जवाब में बता देंगे। बिजली के बारे में कहते थे कि 24 घंटे बिजली देंगे। आज 6 घंटे भी किसान को बिजली नहीं मिलती है और आम लोग कहते हैं कि दो घंटे बिजली आती है। खाने के टाइम बिजली नहीं, पीने के पानी की जरूरत हो तो बिजली नहीं, बच्चों के इम्तिहान चल रहे हैं और बिजली नहीं आती इतनी बुरी हालत है कि आटा पीसने वाली चक्की को बिजली नहीं। प्रदेश की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है और 100-100 मन की गालियां देती है। इन्होंने कहा था कि हम लोगों को लो रेट पर बिजली देंगे। बंसी लाल जी किस तरह से बिजली के निजीकरण के बारे में गुमराह कर रहे हैं। हम बिजली के निजीकरण की सच्चाई से इंकार नहीं करते। यह प्रस्ताव हमारे समय में भी आया था लेकिन हमने यह प्रस्ताव इस शर्त पर नहीं माना था कि हम बिजली पूरी तरह से प्राईवेट हाथों में नहीं देंगे। हमने प्राईवेट कम्पनी को कहा था कि वे बिजली पैदा करे और साथ में हमें कम रेट पर बिजली दें। उस समय हमने 2.40 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली का भाव देने के बारे प्रस्ताव किया था और उसके बाद यह कहा था कि जो बड़े कारखानेदार हैं उनको हम बिजली दे देंगे और वहां से कुछ बिजली निकाल कर किसानों को ट्यूबवैल चलाने के लिए बिजली 50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से दे देंगे। लेकिन इन्होंने रेट को तय नहीं किया है बल्कि साढ़े पांच रुपये प्रति यूनिट बिजली देने की बात कर रहे हैं। हमने एक एग्रीमेंट बाहर की कम्पनी के साथ किया था। एक हजार मैगावाट का प्लांट यमुनानगर में लगाना था और उन्होंने 2.05 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली देना तय किया था। इनको शायद इस बारे में ज्ञान नहीं है। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अगर एग्रीमेंट किया था तो वह प्लांट लगाया क्यों नहीं। एग्रीमेंट तो पता नहीं आपने कितने किये थे।

श्री भजन लाल : चौधरी बंसी लाल जी, यह रिकार्ड की बात है आप फाइल मंगा कर पता कर सकते हैं। मैं हाउस में गलत बात नहीं कहूंगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : क्या आपने कोई टैंडर इन्वाईट किया था ?

श्री भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, 2.05 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से हमने बात की थी और

आगे चल कर ज्यों-ज्यों प्लांट की कीमत कम होती जाती बिजली का रेट भी 1.40 रुपये तक हो जाता। यह 15-20 साल में रेट कम हो जाता। जसवंत सिंह जी ने निजीकरण के विरोध में इस्तीफा देकर लोगों की सेवा में एक शानदार काम किया है, इसलिए मैं उनको धन्यवाद देता हूं। एक दो दिन पहले मैंने ट्रिब्यून अखबार में जसवंत सिंह जी का ब्यान पढ़ा था जिसमें उन्होंने कहा था कि उसके पीछे सी०आई०डी० लगा रखी है। वे जहां जाते हैं वहीं सी०आई०डी० उनके पीछे लगी हुई है। यहां तक कि बाथरूम तक सी०आई०डी० लगी हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, जय प्रकाश जी हविपा के एम०पी० है उनके पीछे भी सी०आई०डी० लगी हुई है। मेरे पीछे तो सदा ही सी०आई०डी० लगी रहती है और सी०आई०डी० वाले देखते ही रह जाते हैं क्योंकि भजन लाल तो जानता है कि सी०आई०डी० वालों से कैसे बचा जाता है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री भजन लाल : चौधरी बंसी लाल जी, आप इनको रोकिए।

श्री बंसी लाल : मैं इस हाऊस को बताना चाहता हूं कि हमने न तो किसी एम०एल०ए० और न किसी एम०पी० के पीछे सी०आई०डी० लगा रखी है।

श्री भजन लाल : अगर पकड़ कर ले आयें तो फिर आप क्या करोगे ?

श्री बंसी लाल : उचित कार्यवाही की जायेगी।

श्री भजन लाल : मेरे घर के पास ही सी०आई०डी० वाले हर समय घुमते रहते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल की सरकार के समय हर समय विधायकों के पीछे सी०आई०डी० लगी रहती थी। यहां तक कि इन्होंने तो विधायकों के हथकड़ी तक लगवा दी थी। उपाध्यक्ष महोदय, हमने किस तरह पांच साल निकाले हैं यह हमें ही पता है। हमारे ऊपर हर वक्त पुलिस का साया रहता था।

श्री भजन लाल : दूसरी बार आप सदन में आए हैं तथा आपको मंत्री बना रखा है। कोई भी बात हो तो खड़े हो जाते हैं। यह अच्छी बात नहीं है। (विघ्न) आदत विगाड़ी है तो आप ठीक कर लें।

18.00 बजे

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे बिजली के बारे में अर्ज कर रहा था कि प्रदेश में बिजली की बहुत बुरी हालत है। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है और आप झूठे वायदे करके सत्ता में आए हैं, इससे लोगों को अब एतराज है। दूसरी बात, उपाध्यक्ष महोदय, मैं पानी के बारे में कहना चाहता हूं। आप कहते हैं कि आपकी सरकार ने पानी टेल तक पहुंचा दिया है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि पानी टेल तक नहीं पहुंचा है। मैं हर रोज अपनी गाड़ी रोक कर के पूछता हूं कि पानी की क्या हालत है तो मुझे बताया जाता है कि पानी किसी टेल तक नहीं पहुंचा है। अगर भिवानी जिले में कहीं टेल तक पानी पहुंचा है तो बात अलग है (शोर)। तीसरे, उपाध्यक्ष महोदय, आपकी पार्टी ने जनता से शराबबंदी का वायदा किया था। (विघ्न) यह कहा था कि शराब पूरी तरह से बंद कर देंगे और सबसे पहला काम शराबबंदी का ही होगा। बहुत अच्छी बात है। सारा प्रदेश चाहता है कि शराब बंद होनी चाहिए लेकिन दुःख की बात है कि पहले तो दो महीने का समय शुरू में ही दे दिया गया। इस बारे में लोग तरह-तरह की चर्चा करते थे। मैं कोई इस सरकार की बदनामी नहीं करना चाहता हूं। उसके बाद शराब बंद की गई। इसके साथ-साथ यह भी वायदा किया गया था कि एक पैसा भी टैक्स का नहीं लगाएंगे। लोगों ने बहुत पूछा कि शराब बंद करने से टैक्स तो नहीं लगाए जाएंगे। इस पर कहा था कि नहीं। जब यह पूछा गया कि यह जो घाटा होगा इसको कहां से पूरा करोगे तो कहा था कि खर्चे कम करके और अतिरिक्त साधन जुटा

[श्री भजन लाल]

कर यह घाटा पूरा करेंगे। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, 1200 करोड़ रु० के टैक्स लगा दिए गए। इसके अतिरिक्त, 85 प्रतिशत शराबबंदी प्रदेश में आप मान रहे हैं, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि शराब पहले से 5 गुणा ज्यादा बिक रही है। इस शराब के कारण जो 550-600 करोड़ रुपये का रैवेन्यू सरकार को आता था, वह अब उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, चण्डीगढ़ व हिमाचल प्रदेश में चला गया। आज इतनी बुरी हालत हो गई है कि जिसका कोई अंत नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि कोई अपनी गाड़ी में इधर से दिल्ली की तरफ जाता है या गुड़गांव से इधर आता है तो उनकी गाड़ी को रोक कर चैक किया जाता है। उस गाड़ी में जवान लड़की हो सकती है किसी की बहु हो सकती है लेकिन पुलिस वाले उनके मुंह को सूंघते हैं कि तूने तो दारू नहीं पी रखी है।

श्री बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, यह इल्जाम निराधार है।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं बीसियों ऐसे केस बता सकता हूं। गाबा साहब यहां पर बैठे हैं, उनके साथ ऐसा ही केस हुआ है।

श्री धर्मवीर गाबा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे साथ ऐसा ही हुआ है।

श्री भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, शराब के नाम पर इतनी भारी बेकद्री प्रदेश में हो रही है। आज शराब के नाम पर एक माफिया पनप गया है। प्रदेश में आज एक ऐसा गैंग पनप गया है कि इस गैंग से सबसे ज्यादा तकलीफ चौधरी बंसी लाल जी को होगी। चौधरी बंसी लाल जी, इस बात का ध्यान रखना, हम रहें या न रहें, यह माफिया इतने नाजायज तरीके से काम कर रहा है कि आपकी बदनामी हो रही है, यह कहा जाता है कि यह माफिया प्रतिदिन एक करोड़ रुपया सुरेन्द्र को भेजता है। माफिया खुद यह बात कहता है। (शोर)

श्री बंसी लाल : यह आरोप बिल्कुल बेबुनियाद व निराधार है। जो व्यक्ति सदन में नहीं है, उसके बारे में ऐसी बात करना उचित नहीं है। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : डिप्टी स्पीकर साहब, ये खुद शराब पीते हैं। इनके घर से 70 बोतलें शराब की मिली हैं। इनके लड़के शराब बेचते हैं। (शोर)

(इस समय बहुत से माननीय सदस्य खड़े हो कर बोलने लग गए)

श्री उपाध्यक्ष : आप सभी माननीय सदस्य बैठ जाएं। बोलने का यह कोई तरीका नहीं है। आप सभी बैठ जाएं। (शोर)

श्री निर्मल सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, माफिया तो इनके समय में होता था। इनको हम इस बारे में नहीं बोलने देंगे। आज ये माफिया की बात करते हैं, अपना समय भूल गए, इनके समय में माफिया होता था। ये गवर्नर साहब के अभिभाषण पर ही बोलें हम इस तरह से इनको नहीं बोलने देंगे। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : डिप्टी स्पीकर साहब, इनके घर से शराब मिली है। (शोर)

श्री बंसी लाल : उपाध्यक्ष महोदय, एक बोतल नहीं इनके घर से 85 या 87 बोतलें शराब की मिली हैं।

श्री भजन लाल : आप इस तरह से बोल रहे हैं यह कोई तरीका है। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह से बोलने का कोई तरीका नहीं है। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : जिस तरह से आप एक साथ कई माननीय सदस्य बोल रहे हैं इससे कोई फायदा नहीं है। आपकी बात किसी की भी सुनाई नहीं दे रही हैं कि आप क्या कह रहे हैं। आप सभी बैठ जाएं। (शोर)

श्री निर्मल सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल को इस तरह से बोलने का कोई हक नहीं है। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : निर्मल सिंह जी आप बैठ जाएं, आपको बोलने के लिए टाईम दिया जाएगा। (शोर)

श्री धीर पाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य चौधरी भजन लाल जी पार्लियामैंट के सदस्य रहे हैं और इस समय विधान सभा के माननीय सदस्य हैं। ट्रेज़री बैंचिज़ की तरफ से जो कुछ कहा जा रहा है उसको माननीय मुख्यमंत्री जी आराम से सुन रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, एक विधायक दूसरे विधायक को बोलने से पाबंद नहीं कर सकता। यह चेयर का अपमान है। (शोर)

श्री निर्मल सिंह : अरे बैठा रह छोरे। (शोर)

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री अध्यक्ष : आप सभी माननीय सदस्य बैठ जाएं। निर्मल सिंह जी आप बैठ जाएं। (शोर) आप सब बैठिये। I request you all to take your seats. Please sit down, Otherwise I will have to name you. (Noise & Interruptions) Please take your seats. चौधरी भजन लाल जी आप भी बैठिये। (शोर) आप सब लोग बैठिये। देखिए आप सभी हाउस को आराम से चलने दें। पूरा टाईम मिलेगा। अगर आप इस तरह से करेंगे तो मैं इसके लिए अलाऊ नहीं करुंगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हम आपकी बात से सहमत हैं कि आप पूरा समय देंगे, यह हमारा अधिकार भी है। टाईम हमको मिलेगा भी सम्मानित सदस्यों को एक ऐसे सदस्य की तरफ से जिसने चेयर को मुखातिब न किया हो और सीधे तौर पर धमकाना शुरू कर दिया, गाली गलौच पर भी उतर आया। (शोर) अध्यक्ष महोदय, कोई आदमी जेल में चला जाये तो उसे यह सर्टिफिकेट नहीं मिल जाता कि जो जी में आये कह दे। यहां लंका में सभी 52 गजे हैं। हैसियत के मुताबिक यहां सभी सम्मानित सदस्य हैं। कोई किसी को धमकाने का प्रयास न करे। फिर चेयर की तरफ से प्रोटेक्शन न हो या चेयर कोई प्रोटेक्शन नहीं देगी तो हम वाक आऊट कर जायेंगे। हम इस बात को बर्दाश्त नहीं करेंगे कि कोई सदस्य जो जी में आये बकवास करनी शुरू कर दे। यह अच्छी रिवायत नहीं है। अगर इस तरह से माहौल को बिगाड़ा गया तो फिर यहां पर कोई भी कुछ कह सकता है। आखिर लोगों ने हमारी बात को सुनना है। इस किस्म के हम सारे लोग थोड़े बन जायेंगे। जिस कुमास का यह व्यक्ति है उस कुमास के हम बनने के लिए तैयार नहीं हैं। हम सम्मानित सदस्य हैं। हम अपने अपमान को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर आप प्रोटैक्ट नहीं करेंगे और अब के बाद अगर किसी भी सदस्य को, मेरी पार्टी के किसी भी सदस्य को बुरी तरह से मुखातिब करने की कोशिश की तो हम न हाउस को चलने देंगे और न हम इस हाउस में बैठेंगे। यही मेरा आपसे नम्र निवेदन है। (शोर)

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर साहब, मेरे कहने का यह भाव था . . . . . .

श्री अध्यक्ष : मेरी सबसे पहली रिक्वैस्ट यह है कि यहां पर अन-पार्लियामेंटरी लैंग्वेज यूज न की जाये। (शोर)

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर साहब, मेरे कहने का भाव यह नहीं था कि मैं भाई धीरपाल जी को धमकाऊं (शोर) न ही मैंने उनको धमकाया। मैंने सिर्फ इतनी ही बात कही थी कि आप भजन लाल की वकालत न करो। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिये मैं आपको टाईम दूंगा। इसके बाद आप अपनी बात कह लें।

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर साहब, यदि मैंने भाई धीरपाल जी को गलत तरीके से बैठने के लिए कहा तो मैं इसके लिए इनसे क्षमा चाहूंगा।

श्री अध्यक्ष : ठीक है , अब यह मामला खत्म करें।

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर साहब, मैटर एण्ड नहीं। मेरे कहने का भाव यह था कि कुछ भाईयों की तरफ से ऐसी बातें कही गई। चौधरी चौटाला जी ने कहा कि जेल में जाने के बाद कोई ऐसा सर्टिफीकेट नहीं मिल जाता। जेल चौटाला साहब ने भी देखी है, निर्मल सिंह भी जेल से होकर आया है। निर्मल सिंह जमीर का आदमी है, उसको तमीज भी है और ख्याल भी है। निर्मल सिंह कोई जुर्म करके जेल नहीं गया था बा ईज्जत बरी होकर कोर्ट से आया है। (शोर) मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं भजन लाल जी को कि आदर्शों, बेईमानी, दूसरी बातें और सी०आई०डी० के सिपाहियों की चर्चा ये न करें। ये केवल गवर्नर महोदय के अभिभाषण तक ही सीमित रहें। (शोर)

एक आवाज : हम लोग भी जनता से चुन कर आए हैं। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : सभी मैम्बर्ज़ जनता में से चुन कर आए हैं और सभी बराबर भी हैं (विघ्न) सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी की वकालत नहीं कर रहा हूं और न ही मैं किसी की वकालत करने के लिए बात कह रहा हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आपकी गैर हाजरी में माननीय डिप्टी स्पीकर महोदय चेयर पर बैठे हुए थे। मैंने उनकी इजाजत से उनसे समय ले कर एक बात कही थी। जिस ढंग से यह बात हुई एक विधायक अगर किसी दूसरे विधायक को रोके तो यह चेयर का अपमान है। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है। आपकी यहां हाउस से गैर हाजरी के समय का जो रिकार्ड है वह मंगवा कर आप पढ़ कर देख सकते हैं (विघ्न) धीरपाल चौधरी भजन लाल या किसी और का वकील नहीं है। मैं एक विधायक हूं और मर्यादा में रह कर सभी विधायकों को अपनी बात कहनी चाहिए। विरोधी पक्ष में चौधरी बंसी लाल जी और आप भी रहे हैं और तब चौधरी भजन लाल जी उधर बैठा करते थे। विरोधी पक्ष के साथ जब भी कोई ज्यादती होती थी या चौधरी कर्ण सिंह दलाल के साथ जब भी कोई ज्यादती की बात हुई तो चौधरी बंसी लाल जी भले ही कभी उनकी स्पोर्ट पर न आए हों लेकिन हम लोग कर्ण सिंह जी का पक्ष लेते रहे हैं। विरोधी पक्ष के किसी भी विधायक के साथ ट्रेजरी बैंचिज की ओर से जब भी कोई ज्यादती हुई तो हमने उस ज्यादती की मुखाल्फत की है। मैं चौधरी भजन लाल जी के पक्ष में बात नहीं कह रहा था बल्कि डिप्टी स्पीकर साहब की शान में जो गुस्ताखी हो गई थी उसके लिए मैं कह रहा था। हम सभी लोगों का कर्त्तव्य है कि हाउस की मर्यादा बना कर रखें और चेयर की ओर से जो भी आदेश हो हम सभी लोग बराबर उस आदेश को मानें और चेयर के प्रति पूरा आदर रखें इसी में हम सब की और चेयर की भी शान है (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, आप मेरी बात सुनिये (विघ्न) मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, धीरपाल जी अपनी बात कह रहे हैं उन्होंने कोई ऐसी बात नहीं कही जिस पर कोई प्वायंट ऑफ आर्डर हो। (विघ्न) आप अपनी सीट पर बैठें।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे विनती है तथा हाउस के नेता से भी गुजारिश है कि इस ओर ध्यान दें कि अगर हाउस में इस किस्म का माहौल होगा तो उससे उनकी शान में भी कमी

आएगी। यह मछली बाजार नहीं है और न ही कोई इस हाउस को मछली बाजार बनाने की कोशिश करे। यह हरियाणा प्रदेश के चुने हुए प्रतिनिधियों का हाउस है। यहां पर हरियाणा प्रदेश से सम्बन्धित और जनता के हित की बातों पर ही चर्चा होनी चाहिए। हाउस की मर्यादा में अगर कहीं कमी आएगी तो उससे आपकी शान में भी कमी होगी क्योंकि आप यहां के सर्वेसर्वा हैं। ****

श्री बंसी लाल : स्पीकर साहब, इन्होंने जो बात कही है वह ये कैसे कह सकते हैं How can he pass these strictures against me. (Interruptions). He should withdraw these words. (Interruptions).

श्री अध्यक्ष : श्री धीरपाल सिंह जी ने हाउस के नेता के बारे में जो बात कही है उसे एक्सपंज कर दिया जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है (विघ्न एवं शोर) स्पीकर साहब, आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं इसलिए आपसे गुजारिश है कि आप मुझे बोलने की इजाजत दें। मैं प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़ा हुआ हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमें भी जनता ने चुन कर भेजा है किसी के रहमों-कर्म से हम यहां नहीं आए हैं (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सभी चुन कर आए हैं, कोई भी ऊपर से नहीं आया है। (विघ्न) धीरपाल सिंह जो बोल रहे थे, उसमें आपका प्वायंट ऑफ आर्डर कहां से आ गया। आप अपनी सीट पर बैठें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन यह है कि प्वायंट ऑफ आर्डर पर कोई भी मैम्बर खड़ा हो सकता है। आप मेहरबानी करके स्टेटअवे यह न कहें कि यह प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। मैम्बर की बात को सुन कर तो आप कह सकते हैं कि यह प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है लेकिन उसकी बात सुने बिना आप यह नहीं कह सकते हैं कि यह प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। इधर से हो या उधर से कोई भी आदमी प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़ा हो कर अपनी बात कह सकता है। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से निर्मल सिंह जी ने माहौल खराब करने की कोशिश की यह ठीक बात नहीं है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी आप कंट्रोवर्शियल बात न कहें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, शराब के बारे में प्रदेश के अन्दर इतने बुरे हालात हैं कि इस बारे में इनका कोई कंट्रोल नहीं है, भिवानी जिले में चौधरी बंसी लाल जी, शराब बेचने के लिए गेंग बन गए हैं। स्पीकर साहब, यह आपका भी जिला है। उन गैंगज़ ने अपना-अपना एरिया बांट रखा है। जैसे सुबेदारों के एरिए होते हैं। वहां पर 10-12 आदमी उन गैंगज के मारे गए। वे इसलिए मरे कि "तू मेरे एरिए में क्यों आया और कैसे आया।" अध्यक्ष महोदय, जिन गांवों में यह हुआ है और कौन-कौन आदमी मारे गए हैं मैं उनके नाम लिख कर भेज दूंगा।

श्री अध्यक्ष : आप अभी बता दें।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में लिख कर भेज दूंगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी अभी उन गांवों के नाम बताएं।

श्री भजन लाल : मैंने पहले भी कहा कि मैं लिख कर भेज दूंगा।

Mr. Speaker : Bhajan Lal Ji, do not try to mislead the House. Either tell the names or withdraw the words. आप जिम्मेवार आदमी हैं।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री भजन लाल : मैं उन आदमियों के तथा गांवों के नाम कल सुबह सदन शुरू होने से पहले लिख कर आपको दे दूंगा। जिस कागज पर मैंने यह सब लिखा हुआ था वह घर पर रह गया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अगर आपके पास उनके नाम हैं तो आप अभी देख कर बता दें। मैं आपको पांच मिनट और दे दूंगा।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह कल बता दूंगा।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House to extend the sitting by half-an-hour ?

Voices : yes.

Mr Speaker : The time is extended by half-an-hour.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, बहुत बुरे हालात हैं। दूसरी किसानों की बात है। आज किसानों के बुरे हाल हो गए हैं। हमारे समय में किसानों को गन्ने का भाव 75 रुपए क्विंटल दिया जाता था। जब बंसी लाल जी यहां होते थे इन्होंने कहा था कि मैं पांच रुपये फालतू दूंगा। लेकिन इन्होंने अब गन्ने का रेट 62 रुपये तय किया है और इसके साथ ही किसान के 10 रुपए और काटे जाते हैं। इस हिसाब से आज किसान को 52 रुपये गन्ने का भाव मिल रहा है। उनकी गलत बात है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, he is misleading the house. जैसे चौटाला साहब कर रहे थे। (विघ्न)

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, 10 रुपए किसान के काटे जा रहे हैं। (विघ्न) इस बारे में आपको कर्ण सिंह दलाल बता देंगे। अध्यक्ष महोदय, यह जो पैसे काटे जा रहे हैं यह ठीक बात नहीं है। कहां 75 रुपए थे और कहां 52 रुपए हो गए हैं। आज किसान को बिजली नहीं, पानी नहीं, बहुत बुरे हालात आज प्रदेश के हो गए हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा का कुछ एरिया ऐसा भी है जहां कपास होती है। इस बार कपास के ऐसे हालात हुए हैं जोकि आज तक नहीं हुए हैं।

खास कर सिरसा जिला, हिसार जिला, जींद जिला एवं भिवानी जिले में आप जाकर देखें। वहां पर किसान त्राहि-त्राहि करके रो रहे हैं क्योंकि उनको कॉटन का भाव ठीक नहीं मिल रहा है। वह इस बारे में कह सकते हैं कि हम क्या करें। हमारा इनसे यही कहना है कि आपके पास हैफेड या दूसरी एजेंसीज हैं जो कि पहले भी यह खरीदती थीं ताकि भाव टिका रहे लेकिन इस बार उन्होंने बिल्कुल भी परचेज नहीं की और इसलिए ही इनके भाव डाउन चले गए।

पशुपालन मंत्री (श्री हरमिन्द्र सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, पिछले तीन चार सालों से इसका रेट अब से कम ही था। हिसार और सिरसा जिलों में कॉटन का रेट कम ही था।

श्री बंसी लाल : पहले इसका भाव अब से कम ही था। मैं तो कहता हूं कि ये तो काणे और बहरे दोनों ही हैं, जबकि मुझे तो बहरा ही कहते हैं।

श्री भजन लाल : आप पिछले दो सालों का कॉटन का रेट पता तो करना।

श्री हरमिन्द्र सिंह : पिछले पांच सालों में कॉटन के कम रेट की वजह से किसान मर रहे थे।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं कहता हूं कि पहले इसका रेट आज से डेढ़ गुना था। इसी तरह से इन्होंने कहा कि फरीदाबाद में 400 मेगावाट का एक बिजली प्लांट ये शुरू करवा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट पर एन०टी०पी०सी० के साथ भजन लाल के साईन हैं और हमने ही यह शुरू करवाया था।

श्री बंसी लाल : इसलिए ही यह लेट हो गया।

श्री भजन लाल : लेट कैसे हो गया। हमारे इस पर दस्तखत हैं और हमने इसका काम शुरू करवाया, इसलिए इसका श्रेय आप कैसे ले सकते हैं। अगर आप ऐसा करते हैं तो यह मुनासिब बात नहीं है क्योंकि इस पर काम हमने शुरू करवाया है। आपने तो अभी तक एक भी थर्मल प्लांट चलाने के लिए काम शुरू नहीं करवाया है। इसलिए आज सारे प्रदेश में बहुत बुरी हालत बिजली की हो गयी है। अध्यक्ष महोदय, लॉ एंड आर्डर के बारे में, शराब बंदी के बारे में, पानी के बारे में, टैक्सिज के बारे में यानी सारी बातें चौटाला साहब ने कही ही हैं जिसके लिए मैं उनकी ताईद करता हूं। मेरा आपसे इतना ही कहना है कि जब हाउस में कोई भी मैम्बर बोल रहा हो तो किसी दूसरे को बीच में नहीं बोलना चाहिए। अगर किसी को कोई बात कहनी भी हो तो बाद में वह अपनी बात कह सकता है। मैं आपका ज्यादा समय नहीं लूंगा क्योंकि अभी हमारे दूसरे साथी भी बोलेंगे। अगर मैं ज्यादा बोलूंगा तो आप कहेंगे कि भजन लाल ज्यादा टाईम ले गया। अगर मैं आपसे कुछ कहता हूं तो आप मुझसे नाराज हो जाते हैं और हम प्वायंट ऑफ आर्डर भी नहीं उठा सकते। इसलिए यह कोई मुनासिब बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आप जिनकी वकालत करते हैं मैं उनके बारे में ज्यादा क्या कहूं। उन्होंने तो आपकी माता जी तक का नाम शोक प्रस्ताव में नहीं जोड़ा फिर भी आप उनकी वकालत करते हैं। स्पीकर साहब ये तो आपका पूरा नाम भी नहीं लेते केवल छतर कह कर बतियाते हैं।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, मैं सारे हाउस की वकालत करता हूं न कि गवर्नमेंट की।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आपको सबको एक ही आँख से देखना चाहिए।

श्री बंसी लाल : कौन सी आँख से देखना है यह भी इनसे पूछ लें।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आपने 39 मिनट बोलने के लिए ले लिए हैं। अब धीरपाल जी बोलेंगे।

श्री धीरपाल सिंह (बादली) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। 5 मार्च को राज्यपाल महोदय ने सरकार के द्वारा लिखा हुआ अपना अभिभाषण सदन में पढ़ा और हमारी पार्टी ने इस बात का विरोध किया था कि उसमें जो बातें लिखी हुई हैं वे सच्चाई से काफी दूर हैं। किन्हीं बातों पर महामहिम साहब महसूस भी कर रहे थे। उनकी भावनाओं को समझते हुए और प्रदेश के हितों की अभिभाषण में जो अनदेखी की गई थी, उस वजह से हमने वाकआउट किया। आज उस पर चर्चा हो रही है। इसमें अहम् मुद्दा कानून और व्यवस्था का रखा गया है। मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहता हूं कि जो लोग ट्रेजरी बैंचिज पर बैठते हैं वे पिछली सरकार पर अरोप-प्रत्यारोप लगाने के सिवाय कानून व्यवस्था के सुधार में कोई प्रगति नहीं दिखाते। क्या इस बात से प्रदेश के लोगों को राहत मिलेगी कि पीछे कौन था, आगे कौन आएगा ? हालात दिन प्रति दिन कानून व्यवस्था के खराब हो रहे हैं और उसके लिए जिम्मेदार वर्तमान है। अगर वर्तमान में कानून और व्यवस्था की हालत दयनीय हो जाएगी तो पूरे प्रदेश के लोगों की जान और माल महफूज नहीं रह पाएगा। तो उसमें जहां वर्तमान दोषी है तो अगर उस पर भी चर्चा न हो तो विरोधी पक्ष भी उतना ही दोषी बनता है। लोग कहेंगे कि प्रदेश लुट रहा था, बर्बाद हो रहा था, कानून व्यवस्था के हालात खराब हो रहे थे और विरोधी

[श्री धीरपाल सिंह]
पक्ष अपनी भूमिका को ठीक ढंग से नहीं निभा रहा था। सरकार गुमराह हो रही हो तो सरकार को नकेल डालने का काम विरोधी पक्ष करता है। जहां प्रदेश में अन्याय हो उस अन्याय को उजागर करने के दो रास्ते हैं, या तो उसको हाउस में उजागर किया जाए या पब्लिक में उजागर किया जाए। अब मैं हमारे इलाके में रहने वाली बहन कान्ता देवी के हल्के झज्जर के डॉक्टर विजय कुमार जी की हत्या के बारे में जिक्र करना चाहूंगा। उस आदमी को यदि गऊ कहा जाए तो धर्म के नाम पर कोई बात न हो जाए। वे इतने शरीफ आदमी थे कि रात को उनके पास कोई बीमार आता था तो उसे दवाई देते थे। बीमार के पास यदि पैसे नहीं भी होते थे तो भी दवा देते थे। रात के 12 बजे हों या डियूटी पर जाने का समय हो, उन्होंने गरीबों और मजबूरों की सेवा के लिए समय नहीं देखा। उनकी उस सेवा के बदले में उस देवता स्वरुप आदमी को यह इनाम मिला। सारी जिन्दगी की कमाई करने के बाद उन्होंने एक मारुति कार परचेज की। झज्जर से खेड़ी जड़गांव बारह किलोमीटर दूर है। वहां पर नौकरी कर रहे थे। झज्जर से चलने के बाद तीन किलोमीटर पर झज्जर हल्का समाप्त होता है और बादली हल्का शुरू होता है। उस देवता स्वरुप आदमी की दिन के साढ़े नौ बजे के आसपास सड़क के ऊपर हत्या कर दी गई। बहन कान्ता देवी के हल्के के सिकंदरपुर के सरपंच ने टैलीफोन से झज्जर के एस०एच०ओ० को सूचित किया कि यहां ऐसा हादसा हो गया है।

श्री अध्यक्ष : यदि आप पांच-पांच मिनट बोलें तो कोई ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, आपकी यह घंटी हमारे कलेजे में लगती है। चलने दो खुला टाईम है।

श्री धीरपाल सिंह : टैलीफोन पर सूचना मिली लेकिन टैलीफोन की सूचना से कोई पर्चा दर्ज नहीं होता। डॉ० की सुबह साढ़े नौ बजे हत्या की गई, उसकी गाड़ी छीन ली गई और चार बजे के करीब वहां पर पुलिस पहुंची। इस बात पर पूरा इलाका और पूरा शहर नाराज हो गया क्योंकि एक देवता स्वरूप आदमी की हत्या की गई तो आम आदमी का क्या जीना है। उस अपराधी को पकड़ने में हरियाणा पुलिस का कोई योगदान नहीं रहा क्योंकि उसको दिल्ली की पुलिस ने नरेला के पास नाकाबंदी पर पकड़ा। उस समय 26 जनवरी के कारण पूरा इलाका सील किया हुआ था। उस अपराधी के पास नई गाड़ी थी जोकि रजिस्टर भी नहीं हुई थी। उसके दो साथी भाग गये जिनको आज तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उसके बाद झज्जर के पास सिलाणी गांव के पास एक टाटा की गाड़ी को लूट लिया गया और ड्राइवर और क्लीनर को दरख्त के साथ बांध दिया गया। उस गाड़ी का ईंजन, टायर और बैटरी आदि सामान निकाल लिया गया जिसको निकालने में कम से कम एक-डेढ़ घण्टा तो लगा ही होगा लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके बारे में बहन कांता को सब पता है। मेरे हल्के में शेखूपुर गांव के एक व्यक्ति ने झज्जर शहर में दिन दिहाड़े डकैती डाली और वहां पर मौजूद बेलदार जो मौके का गवाह था उसको गोली से मार दिया गया। जब लोगों ने इस गरीब आदमी की हत्या के बारे में सुना तो सब गवाही देने के लिए तैयार हो गये। स्पीकर सर, उस अपराधी की पेशी बहादुरगढ़ में लगनी थी लेकिन हरियाणा पुलिस उसको झज्जर शहर में ले आई और उसकी खुले आम हथकड़ी खोल दी गई। जो लोग गवाह बने हुये थे उनको धमकाया गया। मैंने इस बारे में डी०सी० और एस०पी० रोहतक को आगाह किया था। झज्जर में लगातार इस तरह की तीन घटनायें हो चुकी हैं और गवाहों को तोड़ दिया जाता है। तो इस प्रकार कौन गवाही देगा। इसी प्रकार डावला गांव जोकि झज्जर में ही है, उस गांव के नत्थू राम के दो बेटे 18 और 20 साल के थे। उनका नाम राफल और जसबीर है, उनका अपहरण हो गया। नत्थू राम एक गरीब किसान है। (विघ्न)

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) : अगर आप यह सब पहले लिख कर भेज देते तो यहां पर इन सब बातों को कहने की जरूरत नहीं होती।

श्री धीरपाल सिंह : गृह मंत्री जी वह किसान रोता बिलखता रहा उसकी कोई गुहार नहीं सुनी गई। उस समय आप कहां थे। मैं और चौटाला साहब एक शादी में गये हुये थे तो वह किसान अपने रिश्तेदारों को लेकर जिस ढंग से हमारे पास फरियाद कर रहा था वह देखने लायक था।

श्री मनी राम गोदारा : लेकिन मेरे नोटिस में तो यह बात लाई जानी चाहिए थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, हमारे नोटिस में भी यह बात कल ही आई है।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं तो गोदारा साहब की शान में कोई गुस्ताखी नहीं कर सकता हूं। अगर ये चौटाला साहब के अंकल हैं तो मेरे भी अंकल हैं। इसलिए मैं इनका सम्मान करता हूं। स्पीकर सर, उस गरीब किसान की फरियाद थी जो कि चौटाला साहब के सामने अपना रोना रो रहा था। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : आप 10 मिनट ले चुके हैं।

श्री धीरपाल सिंह : ठीक है स्पीकर सर, मैं अपनी बात जल्दी ही पूरी कर लेता हूं। इसके बाद नशा बन्दी पर चर्चा हुई। सत्ता पक्ष इसका पक्ष ले रहा है तथा विपक्ष इन बातों को उजागर कर रहा है कि क्या-क्या खामियां रह गई हैं और उन खामियों की वजह से शराबबंदी को जो अमली-जामा पहनाया जाना चाहिए था, वह नहीं हो पाया है। स्पीकर सर, शायद आपको जानकारी मिलती है या नहीं, मुख्यमंत्री जी को जानकारी मिलती है या नहीं लेकिन शराबबंदी के मामले में आई०पी०सी० पूर्ण रूप से प्रभावी नहीं हो रही है। आज हम एक बात कहते हैं कि यह जो भावना थी, वह बहुत अच्छी थी तथा हमारी पार्टी के नेता और सभी विधायकों ने खुले मन से शराबबंदी का पक्ष लिया था। लेकिन उसके बाद जो परिणाम निकले उनसे यह अहसास हुआ कि जो दारू आज बिक रही है उसके पीछे किन्हीं शक्तिशाली लोगों का हाथ है। अभी मुख्य मंत्री जी नहीं बैठे हैं। मैं गोदारा साहब से कहता हूं कि मेरे सब-डिवीजन बहादुरगढ़ में एक डी०एस०पी० है, वे चौधरी बंसी लाल जी की किसी रिश्तेदारी में होंगे। मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता हूं क्योंकि यह विधानसभा के नियम के विरुद्ध है। (विघ्न) स्पीकर सर, वहां पर खुले आम दारू बिक रही है। जहां तक मेरी जानकारी है, दिल्ली के डी०जी०पी० ने मुख्यमंत्री महोदय को एक पत्र लिखा कि शराबबंदी के मामले में हम सहयोग देना चाहते हैं लेकिन डी०एस०पी० बहादुरगढ़ उसमें बाधा डाल रहा है, इसलिए उस अधिकारी को वहां से ट्रांसफर किया जाए। जो कुछ मेरी जानकारी में है, वह मैं बता रहा हूं। क्योंकि पत्र तो मुझे मिला नहीं है। स्पीकर सर, मेरे हल्के बादली के गांव खरहर में दारू उतरी और हरियाणा पुलिस के वे ईमानदार कांस्टेबल और हैड कांस्टेबल सरकार के कानून की पालना करते हुए उस दारू का विरोध करने के लिए कमरे को सील करना चाहते थे। लेकिन जो अनहोनी घटना वहां पर हुई, वह बहुत ही अपमानजनक है। स्पीकर सर, वहां पर उनकी पिटाई की गई और कच्छे में ही उनको वहां से बहादुरगढ़ आना पड़ा। उन्होंने अपना दुखड़ा डी०एस०पी० के सामने रोया, उसके बावजूद भी वहां पर कुछ नहीं हुआ। डी०एस०पी० के आशीर्वाद से हल्का बहादुरगढ़ और बादली में यह सब हो रहा है। इसी तरह से मैं एक और वाकया बताता हूं। (विघ्न)

श्री सोमवीर सिंह : स्पीकर सर, वे डी०एस०पी० डेढ़ महीने से ज्यादा समय तक वहां नहीं रहे हैं और ये इतनी लम्बी कहानी घड़ रहे हैं।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : स्पीकर सर, इस सदन की कोई मर्यादा है। अभी थोड़ी देर पहले श्री रामबिलास शर्मा जी कह रहे थे कि कई पदों का उन दर्जा व्यक्तियों से बढ़ जाता है जो उन पर आसीन

[श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला]
होते हैं। कोई सत्ता पक्ष का सदस्य अगर बैठे-बैठे सीधे ही कटाक्ष करे तो आप कुछ नहीं कहते हैं। दूसरी तरफ, अगर कोई विपक्ष की तरफ से खड़ा होकर भी बोलता है तो उसको बिठा दिया जाता है। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि सदन की मर्यादा को कायम रखिए। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह : उसके बाद डी०एस०पी० का ट्रांसफर हो गया। स्पीकर साहब, अब मैं छारा गांव की एक बात बताना चाहूंगा।

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गए हैं और 15-15 मिनट सभी माननीय सदस्य बोलना चाहेंगे। इसलिए आप वाईंड-अप करें।

एक आवाज : स्पीकर साहब, ये अपनी पार्टी के अध्यक्ष हैं इन्हें बोलने दें।

श्री अध्यक्ष : चाहे पार्टी अध्यक्ष हो या मैम्बर हों, इनको बोलते हुए 15 मिनट हो गए हैं। फिर आप यह न कहना कि आपको बोलने के लिए टाईम नहीं मिला।

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मैं आपके आदेशों की पालना करूंगा। छारा गांव में चुनावों के दौरान 80 हजार रुपए की शर्त लगी थी और वहां से चौधरी साहब के एक संबंधी चुनाव लड़ रहे थे।

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी आप 3 मिनट में अपनी स्पीच सम-अप करें।

श्री धीरपाल सिंह : वह उस शर्त को भी हार गए। शर्त हारने के बाद जहां दारू 85 फीसदी बंद होने की बात कह रहे हैं, एक व्यक्ति ने उनके आर्शीवाद से 89 हजार रुपए की दारू बेची। शराब जुलाई में बंद हुई, जुलाई से ले कर अब तक वहां पर काफी लोग दारू बेच रहे हैं। बादली और बहादुरगढ़ के इलाकों में जगह-जगह दारू बिक रही है। उनके साथ लगते हुए हल्कों की बात कहूंगा तो इनको एतराज होगा इसलिए उन हल्कों की बात वहां के माननीय सदस्य बता देंगे कि उनके यहां शराब बिकती है या नहीं। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में छोटे-छोटे बच्चे शराब बेच रहे हैं। इससे आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि हरियाणा प्रदेश और हिन्दुस्तान का क्या भविष्य होगा और किस तरह की प्रवृतियां होंगी। मुख्य मंत्री जी ने चुनाव से पहले बेकारी दूर करने की बात कही थी। प्रदेश के किसी और हल्के में बेकारी दूर हुई है या नहीं मुझे पता नहीं लेकिन मेरे हल्के में हजारों लोगों की बेकारी जरूर दूर हुई है। मुख्य मंत्री जी चुनाव से पहले एक बात कहते थे कि सहकारी समितियों के माध्यम से पढ़े-लिखे नौजवान लड़कों को काम दिया जाएगा। इस बात का इन्होंने बहुत बार प्रयोग किया। मेरे पास रिकार्ड है। जिस आदमी की बेकारी दूर करने के लिए उसको जो पेमैंट की गई वह मैं तारीख के साथ बताना चाहूंगा। **Details of payment made to Sh. Satpal from the office of Executive Engineer, Construction Division :—**

5 जून, 1996 को चैक नम्बर 822959 के द्वारा पांच लाख की पेमैंट हुई, 5 जून, 1996 को चैक नम्बर 884843 के द्वारा पांच लाख की पेमैंट हुई, 10 जून 1996 को चैक नम्बर 884844 के द्वारा 18 लाख रुपए की पेमैंट हुई, 10 जून, 1996 को चैक नम्बर 822960 के द्वारा 19 लाख 30 हजार 949 रुपए की पेमैंट हुई, एक जुलाई, 1996 को चैक नम्बर 822364 के द्वारा एक लाख 77 हजार रुपए की पेमैंट हुई, एक जुलाई 1996 को ही चैक नम्बर 822964 के द्वारा पांच लाख 56 हजार 434 रुपए की पेमैंट हुई, एक जुलाई 1996 को फिर चैक नम्बर 884855 के द्वारा ओम प्रकाश पार्टनर सतपाल को 19 लाख 50 हजार रुपए की पेमैंट हुई। इन फिग्गर्ज का मैंने जोड़ तो नहीं किया लेकिन ये लगभग दो अढ़ाई करोड़ रुपए बनते हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी कहते थे कि सहकारी

समितियों के माध्यम से बेरोजगार नौजवान लड़कों को काम मिलेगा, यह उनकी बात अच्छी थी। यदि मुख्य मंत्री जी अपनी उस बात पर रहते तो आज प्रदेश में बेरोजगार लोगों को कहीं न कहीं सोसाइटी के माध्यम से काम मिलता। मैं नहीं जानता कि यह आदमी कौन है। मुझे उसके बारे में यह डाकुमैंट दिया गया है इसलिए मैंने आपको बताया है। इस तरह से एक आदमी की बेकारी जरूर दूर हुई है। (विघ्न) चौधरी साहब, मैं यह कह रहा था कि मुख्यमंत्री जी ने एक बात कही थी, वह अच्छी थी। मैं सोसायटीज़ की बात कर रहा था। इसमें आम लोगों का फायदा न होकर एक आदमी को फायदा हुआ है, वह मैंने बताया है। इस दौरान इतनी पेमैंट हुई है।

श्री अध्यक्ष : मैं लीडर ऑफ दी अपोजीशन को बता देना चाहता हूं कि इनके 12 मिनट बाकी हैं जो अलाटिड टाईम है इस समय में चाहे आप इनको बुला लें या किसी और को बुला लें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर साहब, आप ऐसी बात करके 50 परसेंट तो हमारा समय वैसे ही मार लेते हो।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के निजीकरण के बारे में कहना चाहता हूं। यहां पर बोलते हुए कुछ साथियों ने लाईन लौसिज का जिक्र किया। मैं कहना चाहता हूं कि लाईन लौसिज 31 परसैंट तक हो रहे हैं। इसके अलावा बिजली बोर्ड द्वारा हरियाणा प्रदेश के आम उपभोक्ता को मार पड़ रही है, शायद ऐसी कोई बात मुख्यमंत्री जी के नोटिस में न हो। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हरी राम सपुत्र सुखचैन का 9001, धीरपाल गांव पाना चौधरी, बादली का 1120 रुपये, यह हरिजन है, राजेन्द्र सिंह गांव बादली का 1158 रुपये, प्रताप सिंह सपुत्र रामचन्द्र गांव बादली का 2066 रुपये, प्रताप सिंह पुत्र राम शरण का 1087 रुपये, जयपाल सपुत्र हर्धन का 811 रुपये घर का बिजली का बिल आया है जो कि बहुत ज्यादा है और गलत है। जिस हरिजन जयपाल के बिल का जिक्र किया है उसका बाद में 127 रुपये बिजली का बिल कम करके 684 रुपये कर दिया। लाईन लौसिज में जो कमी है उसमें सुधार करने की आवश्यकता है। मंत्री महोदय, गांव-गांव में जा कर कह रहें हैं कि निजीकरण के बाद बिजली सस्ती हो जायेगी। हमें आज भी यह ज्ञान नहीं है कि बिजली के निजीकरण के बाद बिजली की दर कैसे कम होगी। बार-बार इनकी तरफ से यही बात आ रही है कि बिजली के निजीकरण के बाद इसमें सुधार होगा और बिजली की दरें सस्ती होंगी। दूसरा एक पक्ष यह भी लिया गया कि निजीकरण करने से चोरी रुकेगी।

चौधरी बंसी लाल जी बहुत बढ़िया प्रशासक रहे हैं लेकिन अब इनके शासन में ये चोरी रोकने में असमर्थ हैं। किन कारणों से असमर्थ हैं, वह तो यही जानते होंगे। बिजली के न होने के कारण बिजली की सप्लाई पूरी नहीं है। दरें भी इन्होंने बढ़ाई हैं। इसके साथ-साथ बोगस बिलिंग भी हो रही है। इसके इलावा मैं कहना चाहता हूं कि जो वायदा आप करते हैं उसको पूरा करना चाहिए। मेरे पास आपके भाषण की टेप है। उसको हाउस में सुनाना उचित नहीं लगता। चुनाव से पहले मुख्यमंत्री जी ने बादली के अन्दर घोषणा की थी कि यहां पर सरकारी कॉलेज खोला जायेगा। मई, 1995 में आपने यह बात कही थी। मैंने इस बारे में एक लिखित सवाल किया था लेकिन उसका उत्तर मुझे ''नो'' में मिला है। इस बारे में लगता है कि मुख्यमंत्री भूल गए हैं, हो सकता है कि अब इनको वह बात याद न रही हो लेकिन मैं इनको याद दिलाना चाहता हूं कि आपने ऐसी घोषणा की थी, जिसकी टेप भी मेरे पास है। आपने हजारों लोगों की हाजरी में यह वायदा किया था। स्पीकर साहब, इसी तरह से वर्तमान में मेरे हल्के के साथ जो नाइन्साफी हुई है उसके बारे में मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा। इस वक्त श्री शर्मा जी शिक्षा मन्त्री महोदय, हाउस में बैठे हुए नहीं हैं। मेरे हल्के के गांव दुल्हेड़ा में गवर्नमैंट गर्ल्ज हाई स्कूल अपग्रेड

[श्री धीरपाल सिंह]

किया गया था लेकिन उस के बाद में डाउन ग्रेड कर दिया गया। इसी प्रकार से झांगी पुर में कन्या स्कूल को सीनियर सकैण्डरी स्कूल का दर्जा दिया गया था। मुण्डाखेड़ा में गवर्नमैंट गर्ल्ज़ मिडल स्कूल को हाई स्कूल का दर्जा दिया गया था। छुड़ानी गांव के स्कूल को मिडल स्कूल से हाई स्कूल का दर्जा दिया गया था लेकिन उनका दर्जा नहीं बढ़ाया गया। इन सभी स्कूलों कि अप्रूवल फाईनैंस डिपार्टमैंट तथा ऐजुकेशन सैक्रेटरी से मिली हुई है। कलानौर में भी स्कूल का दर्जा बढ़ाया गया था इसी तरह से हमीदपुर गांव में गवर्नमैंट गर्ल्ज़ प्राईमरी स्कूल को मिडल स्कूल का दर्जा दिया गया था। स्पीकर साहब, इस समय माननीय मुख्य मंत्री जी हाउस में बैठे हुए हैं और मैं आपके माध्यम से उनके सामने अपने इलाके की समस्याओं को रखना चाहूंगा। सड़कों का यहां पर बुरा हाल है। चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में यह नारा बन गया है, "हरियाणा नाम विनाश का, क्या काम यहां विकास का"। यहां सदन में बोलते हुए श्री अनिल विज जी ने एक बहुत अच्छी बात कही कि डायरेक्टिव प्रिंसिपल्ज़ के साथ ही साथ राईट्स भी हैं लेकिन ये प्रिंसिपल्ज़ और राईट्स साथ-साथ चलते हैं। वैसे हम यहां पर लोकतन्त्र की दुहाई देते हैं, हमें वोट का अधिकार प्राप्त है। डॉ० भीम राव अम्बेदकर जी ने बड़ी सोच-समझ कर हर नागरिक को यह वोट का अधिकार दिया था ताकि लोग अपने प्रतिनिधि को चुन कर भेजें जो कि उनकी समस्याओं का समाधान करवा सके। मेरे हल्के की सड़कों और गलियों का कोई विकास नहीं हुआ है, स्कूलों का दर्जा नहीं बढ़ा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के के साथ यह भेदभाव क्यों किया जा रहा है। सरकार यह भेदभाव की नीति छोड़ कर अच्छा माहौल कायम करे और अच्छे काम करने में पूरी रुचि ले। क्या मेरे हल्के के लोगों को इस बात की सज़ा दी जा रही है कि उन्होंने मुझे चुनकर भेजा है, क्या उनको इसी चीज़ की सज़ा दी जा रही है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से गन्ने की बाबत भी मैं एक बात कहना चाहूंगा। पहले यह महकमा प्रोफैसर गणेशी लाल जी के पास था जो कि एक बहुत योग्य मंत्री रहे हैं। वे को-आप्रेशन मिनिस्टर थे, वे बहुत ही अच्छे और खानदानी आदमी है (विघ्न) हमें पहले ही यह आशंका थी और हमने यहां शंका ज़ाहिर की थी कि आगे चल कर किसान बर्बाद हो जाएगा। इसी प्रकार से चौटाला साहब ने बोलते हुए कहा था और मैं भी आपके द्वारा दावे के साथ कहता हूं कि किसान के गन्ने का जो बाउंड भरा गया था उसको उस के तहत भाव प्राप्त नहीं हुआ है। गन्ना 10-15 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर मजबूर हो कर उसको बेचना पड़ रहा है। जिला रोहतक के एक किसान बसन्त राम का गन्ना खेत में खड़ा था और उसने कहीं से सुना कि भूना की मिल में गन्ना लिया जा रहा है इसलिए उसने सोचा कि मैं अपने गन्ने को भूना ले जाता हूं वहां पर उसको गन्ने का भाव मिल जाएगा। उसने एक टैम्पों वाले से भाव तय किया और गन्ना उसमें लाद कर भूना ले गया लेकिन वहां पर शायद स्ट्राईक वगैरह के कारण उसका गन्ना खरीदा नहीं गया जिसके कारण उसने सोचा कि वह गन्ने को वापिस गांव ले आए। उसने टैम्पो वाले से बात की तो उसने कहा कि वापिसी का किराया अलग से लगेगा। रास्ते में उसने एक क्रशर देखा उसने सोचा कि गांव में गन्ना वापिस ले कर जाऊंगा तो जग हंसाई होगी इसलिए इसको क्रशर पर बेच देता हूं। उसने वहां टैम्पो वाले को कहा कि थोड़ी देर रुको और वह खुद क्रशर पर चला गया। जब गन्ने का भाव पूछा तो क्रशर वाले से उसको 10 या 15 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिल सकता था (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, आप अपनी बात को एक मिनट में कन्क्लूड कीजिए।

श्री धीरपाल सिंह : आप मुझे 5 मिनट का समय दीजिए ताकि मैं अपनी बात को कन्कलूड कर सकूं। (विघ्न) उसने उस किसान को 10 या 15 रुपये क्विंटल का भाव देने को कहा। उस किसान ने

गन्ना पैदा किया लेकिन उसे भाव नहीं मिला जिस कारण वह क्रशर से घूम कर बस में बैठा और अपने गांव वापिस चला गया। उस टैम्पो के किराये का फैसला बाद में टैम्पो यूनियन में जा कर हुआ। जिसने गन्ना पैदा किया उसकी इस प्रकार दुर्गति हो रही है (विघ्न) मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वह अपने लैवल पर गन्ने को बेचे। (विघ्न)

Mr. Speaker : Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

*19.00 hrs. (The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Tuesday the 11th March, 1997).

28803—HVS—H.G.P., CHD.